# हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

## दिनभर में कई मुहूर्त

- सिंह लग्न में सुबह 7.15 बजे तक स्थापना कर सकते है
- वृश्चिक लग्न में सुबह 11.37 से दोपहर 1.52 बजे तक
- कुम्भ लग्न में शाम को 5.46 से रात 7.21 बजे तक
- वृषभ लग्न में रात 10.35 से मध्यरात्रि 12.34 बजे तक

# चतुर्योग में आज विराजेंगे बुद्धि के देवता श्री गणेश

## स्थापना करने मिलेंगे शुभ संयोग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

भाद्रपद मास शुक्ल पक्ष की चतुर्थी के अवसर पर बुधवार को शुक्ल योग भी है। जीवन में प्रगति और लोकप्रियता के साथ ही स्थिरता प्राप्त करने के लिए इस दिन बुद्धि के देवता श्री गणेश का स्थापना करना लाभदायक रहने वाला है। शहर के ज्योतिषाचार्य डॉ. दत्तात्रेय होस्केरे बताते हैं कि भारतीय आध्यात्म में मनुष्य की भावना और बुद्धि दोनों में सामंजस्य

को महत्व दिया है। सदैव समय के अनुसार शक्ति का उपयोग करके आसुरी और नकारात्मक प्रवृतियों के अंत के लिए प्रयासरत रहती है।

सतयुग में सत्य के प्रतिनिधि देव, महादेव शिव और उनकी अर्द्धांगिनी शक्ति स्वरूपा मां पार्वती की संतान के रूप में जब गजानन का अवतरण हुआ तो, इसका उद्देश्य मानव जीवन का कल्याण जब भी ▶▶| शेष पेज 8 पर

## भद्रा का प्रभाव गणेश स्थापना पर नहीं

गणेश चतुर्थी को चन्द्र दर्शन वर्जित है। चन्द्र दर्शन करने से मिथ्या आरोप लगता है। ऐसा शास्त्रों में बताया गया है। चंद्रोदय रात 9.01 बजे से प्रभावी है। वहीं दोपहर 3.45 तक भद्रा है। भद्रा का प्रभाव इसलिए प्रभावी नहीं होगा क्योकि चन्द्र कन्या राशि में है। मुहूर्त चिंतामणि में वर्णित है फिर जब चन्द्र कन्या राशि में होता है तो भद्रा पाताल लोक में गमन करती है। अतः भद्रा का कोई दुष्प्रभाव नहीं होगा।

## शुभ संयोग भक्तों के लिए उत्तम फलकारी

ज्योतिषाचार्य ने बताया कि इस साल भक्तों को गणेश स्थापना के लिए शुभ योग, आनंद योग, रवि योग और सर्वार्थ सिद्धि योग में गणेश की पूजा और स्थापना के लिए दिनभर में कई मुहूर्त मिल रहा है, जो उत्तम फलकारी है। शास्त्रों में गणेश को एकदंतो महबु द्धिः' कहा गया है अर्थात एकदंत ने समस्या के समाधान के प्रतीक अपने गजशीश के दोनों दांतों ▶▶| शेष पेज 8 पर


आनंद का सच्चा भाव®

| | |
|---|---|
| 18 कैरेट रेट* (75.00%) | = ₹73682/- |
| 22 कैरेट रेट* (91.60%) | = ₹89990/- |
| 24 कैरेट रेट* (99.99%) | = ₹98232/- |

सोने का भाव* प्रति 10 ग्राम | GST Extra

aNaND Jewels

Pandri, Raipur

*Conditions apply


## खबर संक्षेप

### हाईटेंशन तार की चपेट में आने से जिंदा जला

**इटावा।** इटावा जिले के चौबिया थाना क्षेत्र में बीच सड़क पर टूट कर गिरे हाईटेंशन तार की चपेट में आने से मंगलवार को बाइक सवार एक युवक की जिंदा जलकर मौत हो गई। बाइक से फेरी लगाकर गांवों में कॉस्मेटिक एवं घरेलू सामान बेचने वाला जिले के मुगलपुरा का रहने वाला तस्लीम (35) मंगलवार सुबह बनी हरदू गांव की ओर जा रहा था, तभी गांव के मोड़ पर टूट कर गिरे हाइटेंशन तार की चपेट में आ गया।

### चार किलो हाइब्रिड गांजा जब्त, आरोपी गिरफ्तार

**कोच्चि।** कोच्चि अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर मंगलवार को त्रिशूर के एक व्यक्ति के पास से चार किलोग्राम से अधिक हाइब्रिड गांजा बरामद होने के बाद उसे गिरफ्तार कर लिया गया। यह व्यक्ति (27) बैंकॉक से यहां पहुंचा था। सीमा शुल्क कर्मियों ने नियमित जांच की, जिससे उसके बैग से हाइब्रिड गांजे के चार पैकेट मिले। इन्हें सीलबंद पैकेटों में भरा गया था ताकि गंध बाहर तक ना आए। आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है।

### महिला और प्रेमी को पीटकर कुएं में फेंका

**छत्रपति संभाजीनगर।** महाराष्ट्र के नांदेड़ ज़िले में एक विवाहित महिला और उसके कथित प्रेमी को उसके परिजनों ने बेरहमी से पीटा। फिर दोनों को एक कुएं में फेंक दिया। महिला का शव बरामद कर लिया गया है, जबकि उसके कथित प्रेमी की तलाश जारी है। इस मामले में महिला के पिता, चाचा और दादा को हिरासत में लिया गया है। दोनों पीड़ितों की उम्र का पता लगाया जा रहा है। महिला की शादी करीब एक साल पहले हुई थी।

### अमेरिका ने जारी किया नोटिफिकेशन, भारत से करीब 48 अरब डॉलर का निर्यात होगा प्रभावित

# 50 फीसदी ट्रंप टैरिफ लागू...अमेरिकी संकट से निपटने पीएम हाउस में मैराथन मंथन

### तिरुपुर, नोएडा, सूरत की निर्यात इकाइयों ने उत्पादन रोका

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली/वाशिंगटन

अमेरिका के ट्रंप प्रशासन ने भारत से आयात पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाने को लेकर आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक नोटिस जारी किया है। इससे पहले 7 अगस्त से 25 फीसदी टैरिफ लगाया गया था। नए शुल्क 27 अगस्त को भारतीय समय अनुसार सुबह 9.31 बजे से लागू होंगे। ट्रंप के इस फैसले से अमेरिका को भारत के 48 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक मूल्य के निर्यात पर असर पड़ेगा। इधर, अमेरिकी टैरिफ से निपटने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्चस्तरीय बैठक ली।

अमेरिका ने 27 अगस्त से भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लागू करने की योजना का विवरण देते हुए एक मसौदा नोटिस जारी किया है। अमेरिकी बाजार में प्रवेश करने वाले भारतीय सामान पर वर्तमान में 25 प्रतिशत शुल्क पहले से ही लागू है। रूसी कच्चे तेल और सैन्य उपकरणों की खरीद के कारण 27 अगस्त से 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जा रहा है।

अमेरिकी गृह मंत्रालय ने सोमवार को जारी मसौदा आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय उत्पादों पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त, 2025 को 'ईस्टर्न डेलाइट टाइम' (ईडीटी) के अनुसार रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए (देश में) लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है। बशर्ते कि उन्हें ▶▶| शेष पेज 8 पर

### पुतिन पर दबाव बनाने के लिए अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप का दांव

#### 48.2 अरब डॉलर के व्यापारिक सामान पर अतिरिक्त शुल्क

वाणिज्य मंत्रालय के अनुसार, अमेरिका को भारत से निर्यात किए जाने वाले लगभग 48.2 अरब अमेरिकी डॉलर के व्यापारिक सामान पर अतिरिक्त शुल्क लगेगा। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरोलिन लेविट ने इस महीने की शुरुआत में कहा था कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रूस और यूक्रेन के बीच संघर्ष को समाप्त करने के लिए भारत पर पाबंदियां लगाई हैं।

#### 55% उत्पाद क्षेत्रों पर टैरिफ का असर

ट्रंप टैरिफ का असर अमेरिका के लिए होने वाले भारत के 55% उत्पाद क्षेत्रों के निर्यात पर हो सकता है। इसमें कपड़े, ज्वेलरी, लेदर प्रोडक्ट, खिलौने, केमिकल, मशीन टूल, प्लास्टिक, मरीन प्रोडक्ट्स शामिल हैं।

#### ट्रंप ने चार बार किया फोन लेकिन पीएम मोदी ने नहीं उठाया

टैरिफ लागू होने से पहले बड़ी ही महत्वपूर्ण जानकारी सामने आई है। एक रिपोर्ट में ये दावा किया है कि ट्रंप ने बीते सप्ताह में कुल करीब चार बार पीएम मोदी को फोन कर उनसे बात करने की कोशिश की थी। लेकिन मोदी ने एक बार भी ट्रंप का फोन नहीं उठाया। जिससे दोनों के बीच तनाव बढ़ गया।

### टैरिफ वार से निपटने पीएम मोदी ने ली बैठक

*प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार शाम यूएस टैरिफ से निपटने की तैयारियों पर अहम बैठक बुलाई। इस बैठक में पीएम नरेंद्र मोदी के साथ ही कई वरिष्ठ मंत्री और फाइनेंस एवं कॉमर्स मिनिस्ट्री के बड़े अधिकारी मौजूद रहे। सरकार जल्द ऐलान कर सकती है, ताकि भारतीय निर्यातकों को राहत देने के साथ-साथ वैकल्पिक बाजारों की तलाश में मददगार हों। पीएम मोदी की यह बैठक उनकी दो बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों, जापान और चीन की इस महीने के आखिर में होने वाली यात्रा से पहले हुई।*

#### अनुचित और अन्यायपूर्ण

भारत के विदेश मंत्रालय ने अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ को अनुचित और अन्यायपूर्ण करार दिया है। मंत्रालय ने कहा कि भारत अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं और राष्ट्रीय हितों के आधार पर रूस से तेल आयात कर रहा है, जिसे अमेरिका ने पहले ग्लोबल एनर्जी मार्केट की स्थिरता के लिए प्रोत्साहित किया था। भारत सरकार अमेरिका पर तत्काल जवाबी टैरिफ लगाने के बजाय कूटनीतिक बातचीत और निर्यातकों के लिए प्रोत्साहन जैसे उपायों पर विचार कर रही है।

### 14 न्यायाधीशों का तबादला

## जस्टिस संजय जाएंगे इलाहाबाद, जस्टिस अतुल आएंगे छत्तीसगढ़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बिलासपुर

सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम ने देशभर के अलग-अलग हाईकोर्ट के 14 न्यायाधीशों का तबादला किया है। इस सूची में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट और मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के भी एक-एक जज शामिल हैं। सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम के प्रस्ताव पर स्वीकृति के बाद ट्रांसफर सूची जारी की गई है। इसमें छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट के जस्टिस संजय एस अग्रवाल का तबादला इलाहाबाद हाईकोर्ट में किया गया है। उनकी जगह मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के जस्टिस अतुल श्रीधरन को भेजा गया है। इसके साथ ही सुप्रीम कोर्ट ने 14 हाईकोर्ट जजों का ट्रांसफर आदेश जारी किया है। ध्यान रहे कि जस्टिस संजय एस. अग्रवाल बार काउंसिल कोटे से जज बने थे और अब तक बिलासपुर हाई कोर्ट में ही पदस्थ थे। ▶▶| शेष पेज 8 पर

जस्टिस अतुल श्रीधरन

#### इनका हुआ ट्रांसफर

सुप्रीम कोर्ट कोलेजियम द्वारा सोमवार को स्वीकृत इस निर्णय का उद्देश्य न्यायिक कार्यप्रणाली को सुव्यवस्थित करना और विभिन्न हाईकोर्ट्स में जजों का संतुलित वितरण सुनिश्चित करना है। दिल्ली से विधिक समाचार स्त्रोत से प्राप्त जानकारी के अनुसार इस सूची में न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन – मध्यप्रदेश हाईकोर्ट से छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट न्यायमूर्ति संजय अग्रवाल – छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट से इलाहाबाद हाईकोर्ट न्यायमूर्ति जे. निशा बानू – मद्रास हाईकोर्ट से केरल हाईकोर्ट , न्यायमूर्ति दिनेश मेहता राजस्थान हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति अवनीश झिंगन (पीएचसी, पंजाब एवं हरियाणा) – राजस्थान हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति अरुण मोंगा (पीएचसीः ▶▶| शेष पेज 8 पर

## फुर्सत में 52 हाथियों का दल...

**कोरबा।** जिले के कटघोरा वनमंडल अंतर्गत सखोदा परिसर कोरबी क्षेत्र में 52 हाथियों का झुंड विचरण कर रहा है। इस झुंड में बेबी एलीफेंट भी शामिल हैं। हाथियों के इस झुंड में मां की गोद में छोटे-छोटे शावक आराम फरमाते नज़र आए। इस अद्भुत दृश्य को वन परिक्षेत्र अधिकारी केंदई अभिषेक कुमार दुबे ने कैमरे में कैद किया। वर्तमान में वनमंडल कटघोरा में लगभग 52 हाथियों का दल है। ये हाथी मुख्यतः केंदई एवं पसान परिक्षेत्र में सक्रिय रूप से विचरण कर रहे हैं। वन विभाग द्वारा लगातार निगरानी रखी जा रही है ताकि हाथियों की गतिविधियों पर नजर रखते हुए मानव-हाथी संघर्ष की संभावनाओं को न्यूनतम किया जा सके। साथ ही, ग्रामीणों से अपील की गई है ▶▶| शेष पेज 8 पर

## बंद कमरे में मरीज को चीरा लगाकर भाग निकले झोलाछाप डॉक्टर, खून से लथपथ युवक की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गरियाबंद

गरियाबंद में झोलाछाप डॉक्टर के इलाज के बाद एक युवक की मौत हो गई है। बताया जा रहा है कि इलाज के नाम पर झोलाछाप ने मरीज से 30 हजार रुपए में ठीक करने का सौदा किया था। प्रकरण में मर्ग कायम कर पुलिस ने विवेचना शुरू कर दी है।

जिला मुख्यालय से 4 किमी दूर पर स्थित पेंड्रा गांव में 40 वर्षीय पुरुषोत्तम ध्रुव की मौत गलत उपचार से हो गई। बवासीर की शिकायत पर पीड़ित का उपचार ओडिशा सीमा में रहने वाले दो झोलाछाप डॉक्टरों ने शुरू किया था। बंद कमरे में मृतक के घर पर ही इलाज किया जा रहा था। ▶▶| शेष पेज 8 पर

#### असावधानी पूर्वक लगाया था चीरा

*बगैर किसी सावधानी के मल द्वार में चीरा लगाया गया। नस कटने से खून ज्यादा निकला, जिसके कारण पीड़ित की मौत हो गई।*

*-हरीश चौहान, चिकित्सा अधिकारी*

#### जांच के बाद होगी कार्रवाई

*मामले में कोतवाली थाने में मर्ग कायम किया गया है। पीएम रिपोर्ट आने के बाद मामले में आगे की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।*

*-जितेंद्र चंद्राकर, एएसपी*

#### बंद कमरे में तड़पता छोड़ भाग गए

*मृतक के भाई धरम राज ध्रुव ने बताया कि भाई बवासीर से ग्रसित था। अस्पताल में इलाज के लिए संकोच किया। गुप्त रोग उपचार के लिए छापे गए पर्चा के आधार पर हमने बबलू तांडी और संजू राजपूत से संपर्क किया, दोनों अमलीपदर थाना क्षेत्र में कही रहते हैं, पर रहने वाले ओडिशा नवरंगपुर जिले के हैं। 20 अगस्त को उपचार शुरू हुआ। इलाज के लिए 30 हजार में सौदा किया। शुरू के दो दिन तक 20 हजार रुपए दो किस्तों में ले चुके थे। 23 अगस्त* ▶▶| शेष पेज 8 पर

### खराब कार बेचने का मामला

## शाहरुख-दीपिका समेत छह पर धोखाधड़ी का केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भरतपुर

राजस्थान के भरतपुर में एक कार मालिक ने फिल्म स्टार शाहरुख खान, दीपिका पादुकोण और हुंडई कार एजेंसी के छह लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कराया है। मामला तकनीकी रूप से खराब कार बेचने से जुड़ा हुआ है। थाना मथुरा गेट क्षेत्र के अनिरुद्ध नगर निवासी 50 वर्षीय कीर्ति सिंह ने बताया कि उन्होंने 14 जून 2022 को हरियाणा के सोनीपत स्थित मालवा ऑटो सेल्स प्राइवेट लिमिटेड से हुंडई अल्काजार कार खरीदी थी, लेकिन खरीद के तुरंत बाद ही कार में तकनीकी खराबियां आने लगीं।

#### नई कार खरीदते ही आई तकनीकी खराबियां

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। शिकायतकर्ता का कहना है कि एजेंसी अधिकारियों और कंपनी के ब्रांड का प्रचार करने वाले फिल्मी सितारों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए।

### मंत्री गुरु खुशवंत साहेब से डा. हिमांशु द्विवेदी की खास मुलाकात

## कांग्रेस ने किया हमेशा भेदभाव, इसलिए भाजपा में गया, सीएम ने खोला समाज के लिए खजाना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

खास खबर

कांग्रेस ने हमेशा ही हमारे समाज के साथ भेदभाव करने का काम किया है। एससी वर्ग के राष्ट्रीय अधिवेशन में अपनी बात रखने के बाद भी समाज के लिए कोई योजना नहीं बनाई गई। इसलिए मैंने कांग्रेस का हाथ छोड़कर भाजपा का दामन थामा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के नारे पर चलते हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय लगातार हमारे समाज के लिए काम कर रहे हैं। एक अलग एससी विभाग बनाकर उसका भी मुझे मंत्री बनाया गया है। समाज के लिए प्रदेश की सरकार ने खजाना खोलने का काम किया है, जबकि कांग्रेस सरकार में समाज के लिए एक पैसा नहीं मिला। यह कहना है हाल ही में साय मंत्रिमंडल में शामिल किए गए गुरु खुशवंत साहेब का। हरिभूमि-आईएनएच के प्रधान संपादक डॉ. हिमांशु द्विवेदी की साथ खास मुलाकात के अंश।

- **मंत्री बनने का मौका मिलने पर कितना चौंके?**
- ऐसी कोई सोच नहीं थी कि पद मिलेगा, इतना सम्मान मिलेगा। हमारी तो सोच जन सेवा करने की है। हमारा परिवार शुरू से ही जन सेवा से जुड़ा रहा है। बाबा गुरु घासीदास के संदेश और उद्देश्य को बचपन से ही जीवन में उतारा है। उसी के कारण लगातार अपने पिता के साथ सामाजिक कार्यक्रमों में जाना होता रहा है। हमारी कोई अपनी महत्वाकांक्षा नहीं है। हमारा सोचना है बस लोगों को उनका हक मिल जाए। अपना प्रदेश उन्नति करे।

- **जिस चेहरे मोहरे में आप कॉलेज जा सकते हैं, उसमें मंत्री बन गए, कितना भरोसा कर पा रहे हैं, अपने आप पर ?**
- कॉलेज की पढ़ाई की है। युवाओं के साथ जुड़े रहे हैं। युवाओं की समस्या को जानते हैं। भाजपा ने एक युवा चेहरे को आरंग से टिकट देने का काम किया। वहां से जीत मिली और अब भाजपा बड़ी-बड़ी जिम्मेदारी दे रही है। इसको निष्ठा से निभाने का काम करेंगे।
- **आपको विभाग मिला है तकनीकी शिक्षा, गुरु का तकनीकी शिक्षा से क्या काम ?**
- मैंने बीटेक किया है फिर एमटेक भी किया है। अब पीएचडी भी कर रहे हैं। इस विभाग की पढ़ाई की है। मैं अपने को खुशनसीब मानता हूं कि मुझे ऐसा विभाग मिला है। इसके लिए मैं शीर्ष नेतृत्व और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय को धन्यवाद देता हूं कि मुझे इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी गई है।
- **आपके सार्वजनिक जीवन की शुरुआत कहां से हुई ?**
- मेरे पिता ने लगातार सामाजिक कार्य किए हैं। लगातार सामाजिक कार्यों को लेकर दौरा किया है। समाज के लिए जान की बाजी लगाने तक का काम किया है। पिता जी को देखकर मैं भी सामाजिक कार्यों से जुड़ा।

▶▶| शेष पेज 8 पर

# छात्राओं से बेडटच के आरोपी की सजा बरकरार, अपील खारिज

**बिलासपुर।** चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा ने स्कूल में पढ़ने वाली छात्राओं के साथ बेडटच के आरोपी शिक्षक द्वारा सजा के प्रभाव व प्रवर्तन पर रोक लगाने की अपील खारिज कर दी।

बरेला मुंगेली निवासी अपीलकर्ता कीर्ति कुमार शर्मा शासकीय स्कूल में शिक्षक के पद में पदस्थ हैं। उनकी नियुक्ति गणित एवं अंग्रेजी पढ़ाने के लिए हुई थी। इसके बावजूद वे बिना अधिकारिता के 7 वीं कक्षा में घुस कर विज्ञान पढ़ाते थे। पढ़ाने के दौरान वे छात्राओं के साथ बेडटच कर अभद्र टिप्पणी किया करता था। छात्राओं के सामने तम्बाखू, गुड़ाखू का उपयोग करता था। शिक्षक के इस हरकत की जिला शिक्षा अधिकारी से शिकायत की गई। शिकायत पर ब्लॉक शिक्षा अधिकारी को जांच करने का आदेश दिया गया। सुश्री प्रतिमा मंडलोई, खंड शिक्षा अधिकारी विद्यालय पहुंचकर जांच प्रारंभ की। शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति में जांच की।

जांच के दौरान, शिक्षकों और छात्रों के बयान लिखित रूप में दर्ज किए गए। जांच में पाया गया कि कीर्ति कुमार शर्मा विज्ञान की कक्षाओं के दौरान छात्राओं के गलत व्यवहार करते थे। जांच रिपोर्ट जिला शिक्षा अधिकारी, मुंगेली को भेजी गई और उसके बाद पुलिस स्टेशन जरहागाँव में रिपोर्ट दर्ज कराई। 2 मार्च 2022 को विशेष न्यायाधीश एफटीसी ने शिक्षक को 2 वर्ष 2 माह 6 दिन कैद एवं 2500 रुपए की सजा सुनाई। शिक्षक ने सजा के खिलाफ अपील प्रस्तुत कर अंतरिम राहत प्रदान करने एवं दोषसिद्धि निर्णय के प्रभाव और प्रवर्तन पर रोक लगाने की मांग की थी। अपील पर चीफ जस्टिस रमेश सिन्हा की एकलपीठ में सुनवाई हुई। कोर्ट ने अपने आदेश में कोर्ट ने विशेष न्यायाधीश के आदेश को यथावत रखते हुए अपील खारिज कर दिया है।

# झाड़फूंक खत्म होते ही बेटे ने मां को टुकड़ों में काटा

**जशपुरनगर।** जिले के कुनकुरी क्षेत्र में मंगलवार की सुबह बेंदरभद्रा बस्ती रेस्ट हाउस के सामने में रहने वाले जीतराम नामक युवक ने अपनी ही मां की बेरहमी से हत्या कर दी। आरोपी ने कुल्हाड़ी से अपनी मां के कई टुकड़े कर दिए। फिर उसी कुल्हाड़ी को हाथ में लेकर शव के पास बैठ रहा। केरल में काम के दौरान उसकी मानसिक स्थिति बिगड़ने लगी। दो दिन पहले उसे वापस कुनकुरी ले आए। यहां उसकी मानसिक स्थिति सुधारने के लिए बैगा बुलाकर पूजा-पाठ कराया गया। मंगलवार सुबह लगभग 5 बजे पूजा समाप्त हुई। इसी बीच अचानक आरोपी की आंखों में खून उतर आया और उसने कुल्हाड़ी उठाकर अपनी माँ पर ताबड़तोड़ वार करके टुकड़ों में काट डाला।

## कुल्हाड़ी से की हत्या, अन्य सदस्य बचे

घटना के समय घर में अन्य परिजन भी मौजूद थे। जब जीतराम ने हमला शुरू किया तो घरवालों ने किसी तरह खुद को एक कमरे में बंद कर लिया। आसपास के लोगों ने शोर सुनकर पुलिस को सूचना दी। पुलिस और ग्रामीणों की मदद से परिवार के बाकी सदस्यों को सुरक्षित बाहर निकाला गया।

## चार घंटे की मशक्कत के बाद गिरफ्तारी

करीब चार घंटे तक पुलिस रणनीति बनाती रही। आखिरकार पुलिस टीम ने हिम्मत जुटाते हुए आरोपी को काबू में किया और हथियार छीन लिया। आरोपी को तत्काल कुनकुरी थाने ले जाया गया है। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी लंबे समय से मानसिक बीमारी से जूझ रहा था। परिजन इलाज करा रहे थे, लेकिन उसकी स्थिति में सुधार नहीं हुआ। पुलिस ने आरोपी की मानसिक स्थिति की जांच कराने का निर्णय लिया है।

## आज शुरू होगा संस्कृति, परंपरा का अनूठा पर्व 'चक्रधर समारोह'

**रायगढ़।** रायगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और अंतर्राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त चक्रधर समारोह का 40वां संस्करण कल 27 अगस्त से आरंभ हो रहा है। 10 दिवसीय इस भव्य आयोजन में देश-प्रदेश के ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियों से श्रोताओं और दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगे। समारोह का आयोजन 27 अगस्त से 5 सितम्बर तक प्रतिदिन शाम 7 बजे से जिला मुख्यालय स्थित रामलीला मैदान में किया जाएगा। इस दौरान स्थानीय लोक कलाकार प्रतिभागी शाम 5 बजे से 6.30 बजे तक अपनी मनमोहक प्रस्तुति देंगे। कलेक्टर मयंक चतुर्वेदी ने आज जिला कलेक्टोरेट स्थित सभाकक्ष में आयोजित प्रेसवार्ता में कार्यक्रम की रूपरेखा साझा की। कलेक्टर ने बताया कि चक्रधर समारोह 2025 का शुभारंभ 27 अगस्त को शाम 7 बजे राज्यपाल रमेन डेका करेंगे। उन्होंने बताया कि समारोह की तैयारी पूर्ण कर ली गई है।

# प्रत्यक्ष भर्ती राजस्व निरीक्षकों के लिए अलग वरिष्ठता सूची जारी की जाएगी

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट एक महत्त्वपूर्ण आदेश पारित करते हुए राज्य सरकार को यह निर्देश दिया है कि प्रत्यक्ष भर्ती और पदोन्नति से आए राजस्व निरीक्षकों की अलग-अलग वरिष्ठता सूची तैयार किए जाने संबंधी मुद्दे पर गंभीरता से विचार किया जाए। यह मामला न्यायमूर्ति ए.के. प्रसाद की एकलपीठ के समक्ष आया, जिसमें याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी ने विस्तृत बहस की।

याचिका में हितेश कुमार वर्मा एवं 35 अन्य की ओर से कहा गया कि वे 2016 के विज्ञापन के आधार पर प्रतियोगी परीक्षा और दस्तावेज सत्यापन प्रक्रिया के बाद 5 जनवरी 2019 को राजस्व निरीक्षक के पद पर नियुक्त हुए। उनके अनुसार, छत्तीसगढ़ भू-अभिलेख वर्ग-III अशासी (कार्यपालिका एवं तकनीकी) सेवा भर्ती नियम, 2014 में यह व्यवस्था है कि केवल 25 प्रतिशत पद प्रत्यक्ष भर्ती से और 75 प्रतिशत पद पदोन्नति से भरे जाते हैं, जिनमें से 70 प्रतिशत पटवारियों और 5 प्रतिशत ट्रेसरों के लिए आरक्षित हैं। याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया कि प्रत्यक्ष भर्ती वाले उम्मीदवारों के लिए स्नातक की योग्यता अनिवार्य है, जबकि पदोन्नत पटवारी केवल 12वीं उत्तीर्ण होते हैं।

## प्रमोशन में भी पीछे रह जाते हैं

याचिकाकर्ताओं की इस बात पर भी आपत्ति थी कि दोनों धाराओं को एक ही वरिष्ठता सूची में रखा जाता है, जिससे कम शैक्षणिक योग्यता वाले पदोन्नत पटवारी प्रत्यक्ष भर्ती स्नातक निरीक्षकों से ऊपर आ जाते हैं। इसका सीधा परिणाम यह होता है कि पदोन्नति के अवसर, जैसे कि सहायक अधीक्षक भू-अभिलेख और नायब तहसीलदार जैसे उच्च पद, पदोन्नत पटवारियों को मिल जाते हैं, जबकि प्रत्यक्ष भर्ती स्नातक निरीक्षक पीछे रह जाते हैं। याचिकाकर्ताओं ने अदालत के समक्ष यह भी रखा कि दिनांक 1 जून 2023 को जारी एक आदेश में केवल पदोन्नत निरीक्षकों को ही एएसएलआर के पद पर पदोन्नति के लिए विचार किया गया, जबकि प्रत्यक्ष भर्ती स्नातक निरीक्षकों को पूरी तरह नजरअंदाज कर दिया गया। उन्होंने इसे स्पष्ट और शत्रुतापूर्ण भेदभाव करार दिया और यह दलील दी कि यह स्थिति संविधान के अनुच्छेद 14 और 16 में प्रदत्त समान अवसर के सिद्धांत का उल्लंघन करती है।

## दूसरे विभागों में पहले ही है व्यवस्था

याचिकाकर्ताओं की तरफ से अधिवक्ता मतीन सिद्दीकी ने कहा कि कृषि विभाग में पहले से ही यह व्यवस्था लागू है कि स्नातक ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारियों और गैर-स्नातक अधिकारियों की अलग-अलग वरिष्ठता सूचियां बनाई जाती हैं। राज्य सरकार की ओर से पेश अधिवक्ता ने अदालत को आश्वस्त किया कि सरकार को इस मुद्दे पर कोई आपत्ति नहीं है। उन्होंने कहा कि सक्षम प्राधिकारी नियमों और सेवा विनियमों के अनुसार याचिकाकर्ताओं के अभ्यावेदन पर विचार करेंगे और उचित निर्णय देंगे। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि इस चरण पर वह याचिका के गुण-दोष में नहीं जा रही है बल्कि, न्यायहित में यह उचित होगा कि याचिकाकर्ताओं को यह स्वतंत्रता दी जाए कि वे चार सप्ताह की अवधि में सक्षम प्राधिकारी के समक्ष अपना विस्तृत अभ्यावेदन प्रस्तुत करें। अदालत ने यह भी स्पष्ट निर्देश दिया कि यदि ऐसा अभ्यावेदन प्रस्तुत किया जाता है तो राज्य सरकार उसे गंभीरता से विचार में ले और तीन माह की अवधि के भीतर कारणयुक्त एवं स्पष्ट आदेश पारित करे।

# बच्चों के भोजन में फिनाइल, मुख्य सचिव और कलेक्टर सुकमा की निगरानी में होगी जांच, हाईकोर्ट ने मांगा शपथ पत्र

बिलासपुर। सुकमा जिले के आवासीय पोटा केबिन विद्यालय में 426 स्कूली बच्चों के सब्जी में फिनाइल मिले जाने के मामले को हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। इस मामले में मुख्य सचिव और कलेक्टर का शपथ पत्र मांगा गया है। साथ ही सुकमा कलेक्टर को अपने निगरानी में जांच करवाने के निर्देश दिए गए हैं। ज्ञात हो कि सुकमा जिले के छिंदगढ़ इलाके के पाकेला आवासीय पोटाकेबिन विद्यालय में 21 अगस्त को 426 बच्चों के लिए बींस की सब्जी बनाई गई थी। उसमें काफी तौर पर फिनायल मिला दी गई थी। भोजन परोसने से पहले चखने की प्रक्रिया के दौरान चम्मच जैसे ही मुंह तक गया फिनायल की तेज गंध आई। जिसके बाद सब्जी परोसना रोक दिया गया। हॉस्टल अधीक्षक द्वजाल पटेल के अनुसार 21 अगस्त की रात बींस की 48 किलो सब्जी बनाई गई थी। अगर समय रहते गंध का पता नहीं चलता तो 426 मासूम बच्चों की जान पर खतरा मंडरा सकता था। मामले की जानकारी लगने पर सुकमा कलेक्टर देवेश ध्रुव ने 3 सदस्यीय जांच कमेटी गठित की। जांच टीम में शामिल एसडीएम सूरज कश्यप,डीएमसी उमाशंकर तिवारी और एसपीसी आशीष राम ने मौके पर पहुंच कर जांच की। कई बच्चों ने इस दौरान स्कूल के एक शिक्षक पर आरोप लगाया। एक बच्चे ने मुंह पर गमछा बांधे एक व्यक्ति को देखा भी था जिसने सब्जी में कुछ मिलाया था। कलेक्टर ने इस मामले में जांच के बाद एफआईआर के निर्देश दिए हैं। वही मंगलवार को हाईकोर्ट में चीफ जस्टिस की डिवीजन बेंच ने इस मामले को स्वतः संज्ञान लिया।

## बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं कर सकते

चीफ जस्टिस ने इस मामले में मुख्य सचिव और सुकमा कलेक्टर को व्यक्तिगत शपथ पत्र पेश करने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा कलेक्टर को अपने निगरानी में जांच करवाने के भी आदेश दिए गए हैं। साथ ही मुख्य सचिव को निर्देशित किया गया है कि वह स्वयं सुकमा जाकर व्यवस्थाओं की निगरानी करें। सुनवाई के दौरान इस मामले को चीफ जस्टिस ने गंभीर माना और कहा कि बच्चों की सुरक्षा से खिलवाड़ नहीं किया जा सकता। उन्होंने बलौदा बाजार जिले के सरकारी स्कूल में कुत्ते का जूठा किया गया खाना बच्चों को मध्याह्न भोजन में खिलाने की घटना का भी सुनवाई के दौरान जिक्र किया। मुख्य सचिव और कलेक्टर का शपथ पत्र आने के बाद आगे की सुनवाई की जाएगी।

# यूरिया की जमकर चल रही काला बाजारी, दो पिकअप यूरिया जब्त

हरिभूमि न्यूज ⏭ बलरामपुर

एक तरफ किसान यूरिया खाद की किल्लत से जूझ रहे है और उनकी फसलों पर खतरा मंडरा रहा है तो वहीं दूसरी ओर तस्कर बेखौफ होकर उर्वरक की तस्करी करने के साथ मनमाने दरों पर इसकी बिक्री कर रहे है। इस बात का खुलासा प्रशासन और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम की कार्रवाई से हुआ है। जिले में खाद के अवैध भंडारण, काला बाजारी व निर्धारित मूल्य से अधिक कीमत पर खाद की बिक्री जोर शोर से चल रही है। ऐसे में किसानों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। यूरिया नहीं मिलने से किसानों कि फसल पर खतरा मंडराने लगा है। इस बीच अवैध रूप से खाद बिक्री,काला बाजारी पर रोक लगाने के लिए कलेक्टर राजेन्द्र कटारा ने कार्रवाई के निर्देश दिए थे। कलेक्टर के निर्देश पर एसडीएम रामानुजगंज आनंद नेताम, खाद्य विभाग व पुलिस की संयुक्त टीम ने कार्रवाई की है। टीम को मुखबिर से सूचना मिली थी कि रामचंद्रपुर क्षेत्र में अवैध रूप से यूरिया का परिवहन किया जा रहा है। सूचना के बाद संयुक्त टीम ने घेराबंदी कर टिकीदीरी में 2 पिकअप को पकड़कर उसकी जांच की। जांच के दौरान पिकअप वाहन में 50-50 बोरी यूरिया मिला।


MATS UNIVERSITY NAAC GRADE A+ ACCREDITED UNIVERSITY

Raipur, Chhattisgarh

Established by Govt. of C.G. vide Chhattisgarh ACT No 29 of 2006

INVITATION OF APPLICATION FOR APPOINTMENT OF VICE-CHANCELLOR

As per Section 17 of Chhattisgarh Private University (Establishment & Operation) Act 2005

Applications are invited in prescribed format from the aspirants for the post of Vice-Chancellor.

As the Vice-Chancellor shall be the Principal Executive and Academic Officer of the University, he must be a person of highest level of competence, integrity, moral and institutional commitment and eminence. The Vice-Chancellor shall hold office for a term of four years, or up to the age of 70 years, whichever is earlier.

**Age, Qualification & Experience:** As per UGC Regulation 2018.

Those who are qualified as per UGC norms may submit an application along with bio-data in triplicate to the Visitor of the University i.e. HE Governor of Chhattisgarh through Registrar of the University for consideration by the Search-cum-Selection Committee.

The prescribed format of application is available in the University website : **www.matsuniversity.ac.in** Application must reach to the Registrar, MATS University, MATS Tower, Pandri, Raipur-492 004 (C.G.) within 10 days from the date of publication of this advertisement. The envelop should be superscribed **"APPLICATION FOR THE POST OF VICE-CHANCELLOR MATS UNIVERSITY"**, Raipur. Applications received after the last date will not be considered.

*- Registrar*


# जमीन के लिए परसोडी कला में एक बार फिर से एसईसीएल और ग्रामीण आमने-सामने

हरिभूमि न्यूज ⏭ अम्बिकापुर/रजपुरीकला

मंगलवार को अमेरा कोल खदान विस्तार के लिए एसईसीएल प्रबंधन ने किसानों की खड़ी फसल को जेसीबी और हाइड्रा मशीनों के जरिए रौंद दिया गया। एसईसीएल की ओर से भूमि अधिग्रहण का हवाला देते हुए किसानों की खेत को खोद दिया गया जिससे फसल पूरी तरह से बर्बाद हो गई। इस घटना के बाद किसानों में भारी आक्रोश है। इस कार्रवाई का किसानों ने विरोध किया है। किसानों का कहना है कि बिना मुआवजा दिए ही फसलों को नुकसान पहुंचाया जा रहा है। इधर एसईसीएल का कहना है कि प्रबंधन मुआवजा, नौकरी देने को तैयार है लेकिन किसान मुआवजा नहीं लेना चाह रहे हैं। अब अधिग्रहित भूमि पर विस्तार के लिए कार्रवाई की जाएगी। बता दें कि अमेरा खुली खदान के विस्तार को लेकर क्षेत्र के परसोडीकला, कटकोना क्षेत्र में विवाद की स्थिति महीनों से बनी हुई है। ग्रामीण लगातार कोयला खदान के विस्तार के खिलाफ अड़े हुए हैं और अपनी जमीन नहीं देना चाह रहे हैं। हाल ही में परसोडीकला में अधिग्रहित भूमि से कोयले का सैम्पल लेने गई टीम पर हमले की घटना भी सामने आई थी जिसमे खान उप प्रबंधक घायल भी हुए थे। वहीं एक बार फिर से परसोडीकला में खान प्रबंधन और ग्रामीण आमने सामने आ गए हैं। कारण एसईसीएल की जमीन पर की गई खेती है। ग्रामीणों ने अपनी जमीन पर खेती की थी लेकिन मंगलवार को एसईसीएल प्रबंधन के अधिकारी जेसीबी, हाइड्रा मशीन लेकर पहुंच गए और किसानों की फसलों को रौंदना शुरु कर दिया। एसईसीएल ने परसोडीकला के महेंद्र प्रसाद राजवाड़े आ.लखपत राम राजवाड़े व शिवपाल राजवाड़े आ. बेसाहू राम राजवाड़े की फसल को रौंदते हुए मिट्टी खोद दी। इस कार्रवाई के दौरान ग्रामीणों ने विरोध भी किया।

# डबरी में नहाने के दौरान डूबने से दो मासूम बच्चों की मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ लखनपुर

ईंट भट्ठे संचालित करने के लिए बनाए गए डबरी में डूबकर दो बच्चों की मौत हो गई। बच्चे स्कूल की छुट्टी होने पर अपन गांव आए थे और दोपहर में नहाने के लिए डबरी में चले गये। डबरी में पानी गहरा होने के कारण दोनों डूब गए। इस घटना के बाद क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा फिलहाल शवों को मर्ग पंचनामा उपरान्त मर्च्युरी में रखवाया गया है। इस घटना से क्षेत्र में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि थाना अंतर्गत ग्राम कोरजा निवासी 10 वर्षीय रविशंकर सिंह आ. लोचन सिंह गोंड व 9 वर्षीय अनुराग सिंह आ. संतोष सिंह गोंड जमगला में हास्टल में रहकर कक्षा चौथी की पढ़ाई करते थे। दो दिन पहले छुट्टी होने पर दोनों बच्चे अपने गांव आए हुए थे। मंगलवार की दोपहर 3.30 बेज मृतक रविशंकर सिंह, अनुराग सिंह अपने एक अन्य दोस्त के साथ गांव में बने डबरी में नहाने के लिए गए हुए थे। उक्त डबरी का निर्माण ईंट भट्ठे के संचालन हेतु किया गया है और लगातार हो रही बारिश के कारण डबरी लबालब भरा हुआ था। संभावना जताई जा रही है कि नहाने के लिए डबरी में उतरे बच्चे गहरे पानी के कारण डूब गए जबकि उनका दोस्त डरकर वहां से भाग निकला।

# एनटीपीसी गेट के सामने किराना स्टोर में अवैध गैस रिफलिंग, लीकेज के बाद लगी आग, 7 श्रमिक झुलसे

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायगढ़

एनटीपीसी लारा के सामने किराना दुकान की आड़ में अवैध रूप से गैस रिफलिंग का काम चल रहा था। इस दौरान वहां गैस लीकेज होने से अचानक आग लग गई। जिससे गैस भराने गए एनटीपीसी के 7 श्रमिक गंभीर रूप से झुलस गए। जिन्हें इलाज के लिए केजीएच और निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। वहीं इस घटना के बाद दुकान संचालक फरार है। दरअसल, एनटीपीसी लारा के सामने तेजराम किराना स्टोर छपोरा वाले संचालित है। संचालक द्वारा दुकान की आड़ में यहां सालों से अवैध रूप से गैस रिफलिंग का काम किया जा रहा है। बिना सुरक्षा उपायों के यह काम बेखौफ जारी है। खास बात यह है कि इसकी जानकारी खाद्य विभाग तक को नहीं है। क्योंकि विभागीय अधिकारियों के पास फिल्ड पर निकलने, दुकानों का निरीक्षण करने की फुर्सत ही नहीं है। इसी लापरवाही का खामियाजा एनटीपीसी के श्रमिकों को भुगतना पड़ा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सोमवार की देर शाम एनटीपीसी में काम करने वाले श्रमिक अपने लेबर रूम में पहुंचे और खाना बनाने की तैयारी करने लगे तो सिलेंडर में गैस खत्म हो गया था। इसके बाद वो इसी किराना दुकान में गैस भराने पहुंचे। रिफलिंग के दौरान यहां गैस लीकेज हो रहा था, इसी बीच अचानक आग लग गई। जिससे वहां बैठे सारे श्रमिक आग की चपेट में आकर झुलस गए और मौके पर अफरा-तफरी मच गई। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो किराना दुकान से लगे दो और भी दुकान हैं और उस समय वहां भी लोगों की मौजूदगी थी।


MAKHIJA IVF & FERTILITY CENTRE

Faith

बंद फेलोपियन ट्यूब में भी IVF जैसी आधुनिक तकनीकों के माध्यम से माँ बनना संभव हो पा रहा है...

IVF में 10000/- की छूट

परामर्श हेतु कौन महिला संपर्क कर सकती हैं?

- बंद फेलोपियन ट्यूब, Low AMH
- अण्डों का न बनना, समय पर न फूटना (PCOD)
- बच्चेदानी में गांठ, बच्चेदानी में दीवार
- ओवरी सिस्ट, चॉकलेट सिस्ट
- एंडोमेट्रियोसिस, एडिनोमायोसिस
- माहवारी बंद होना, माहवारी का अनियमित होना
- बार-बार गर्भपात होना, महिला नसबंदी

परामर्श हेतु कौन पुरुष संपर्क कर सकते हैं?

- शुक्राणुओं की मात्रा कम होना
- शुक्राणुओं की मात्रा निल होना
- शुक्राणु की गुणवत्ता में कमी होना
- शुक्राणुओं के आकार में खराबी होना
- पुरुष नसबंदी

निःशुल्क परामर्श हेतु संपर्क करें या अपनी रिपोर्ट भेजें 8085758585

हम आपके परिवार को पूरा करते हैं...

माखीजा टेस्ट ट्यूब बेबी सेंटर

*Life begins here*

माखीजा हॉस्पिटल, अग्रसेन चौक के पास, टेलीफ़ोन एक्सचेंज रोड, बिलासपुर (छ.ग.)

उपलब्ध सेवाएं - फर्टिलिटी जाँच • IUI • IVF • ICSI • लेज़र हैचिंग • ब्लास्टोसिस्ट • लेप्रोस्कोपी • हिस्ट्रोस्कोपी • डोनर सर्विसेज

बिलासपुर
बुधवार, 27 अगस्त 2025
भाद्रपद शुक्ल पक्ष चतुर्थी
वर्ष : 25, अंक : 154
पृष्ठ : 12+6 = 18 मूल्य : 4.00***
मौसम
अधि. 31.8
न्यून. 25.6
haribhoomi.com
हरिभूमि
छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
गणेश चतुर्थी की मंगलकामनाएं

# सब्सिडी के साथ वेतन भत्ते और पेंशन में कुल बजट का 74 फीसदी खर्च, 26 फीसदी से विकास

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में हितग्राही मूलक योजनाओं यानी मुफ्त की योजनाओं पर तो साल में 33 हजार करोड़ रुपए खर्च होते हैं, लेकिन बजट की राशि के खर्चों की बात यहीं तक सीमित नहीं है। सरकार को मुफ्त योजनाओं के अलावा सरकारी कर्मियों के वेतन, भत्ते, पेंशन, अनुदान वगैरह में बजट का कुल मिलाकर 74 प्रतिशत हिस्सा खर्च करना पड़ रहा है। बाकी की 26 प्रतिशत राशि विकास कार्यों में लगाई जाती है। यही कारण हो सकता है कि राज्य सरकार को बड़ी योजनाओं आदि के लिए वित्तीय संस्थाओं से बड़ी-बड़ी रकम लोन में लेनी पड़ती है। सरकार बजट की राशि ▶▶|शेष पेज 8 पर

- हितग्राही मूलक योजना और अनिवार्य व्यय है मजबूरी

हरिभूमि लगातार

## खर्च कम करने की कोशिशों के साथ लेना पड़ता है कर्ज

### 26 प्रतिशत राशि विकास कार्यों पर

सरकार की इनकम का बड़ा भाग करीब 74 प्रतिशत वेतन, भत्ते, छूट, अनुदान में खर्च होने के बाद पूंजीगत व्यय यानि की सड़कें, अस्पताल, बिल्डिंगें, पुल-पुलिया वगैरह पर व्यय किया जाता है। ये सरकार की पूंजी हैं, इसमें और दूसरे विकास के कामों में 26 प्रतिशत पैसा खर्च होता है, मोटे तौर पर कुछ मुख्य सेक्टर हैं जहां सरकार के फंड का बड़ा हिस्सा खर्च हो जाता है।

छत्तीसगढ़ का बजट 165 लाख करोड़ का, इसमें से 33 हजार करोड़ से ज्यादा मुफ्त योजनाओं पर खर्च
किस योजना में बंटती है कितनी मुफ्त रकम

### इसलिए ही लेना होता है लोन

छत्तीसगढ़ में हर साल बरसों बरस से बजट के समय ये बातें सामने आतीं है कि सरकार ने इस साल कितना लोन लिया। सरकार चाहे किसी भी दल की हो, लेकिन लोन लेना सभी के लिए आवश्यक मजबूरी बन गया लगता है। अभी राज्य सरकार पर विभिन्न वित्तीय संस्थाओं का बड़ी मात्रा में उधार बकाया है। इसका आंकड़ा घटता-बढ़ता रहता है, लेकिन इसके साथ ही सरकार के खजाने से एक बड़ी राशि लोन का ब्याज अदा करने में जाती है। बजट के समय दी गई जानकारी के मुताबिक राज्य सरकार पर 98 हजार 757 करोड़ का कर्ज था।

### सरकार जुटी है आर्थिक संसाधन जुटाने में

राज्य सरकार के ये आवश्यक है कि राज्य सरकार के भारी भरकम खर्च का बोझ कम करने के लिए आवश्यक संसाधन जुटाए। राज्य सरकार को आबकारी, खनिज, वन, परिवहन सहित अन्य विभागों के माध्यम से राजस्व मिलता है, इसके साथ ही सरकार स्वयं के आय के साधन बढ़ाने के लिए निरंतर कोशिश कर रही है। इसी क्रम में सरकार अपने खर्चों में कटौती करने के लिए नियमित रूप से वित्तीय अनुशासन बनाने की कोशिश में लगी है। अनुपयोगी खर्चों पर लगाम लगाने के निर्देश समय समय पर वित्त विभाग जारी करता है।

Inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

## खबर संक्षेप

### दिल्ली दंगे और आगजनी केस में छह बरी

**नई दिल्ली।** दिल्ली की एक कोर्ट ने मंगलवार को 2020 दिल्ली दंगों के केस में 6 लोगों को बरी कर दिया है। आरोप था कि ये सभी 25 फरवरी 2020 को दंगे और आगजनी में शामिल थे। कोर्ट ने कहा कि मामले में आरोपियों के अधिकारी का हनन हुआ है। इसको लेकर पुलिस आयुक्त से कार्रवाई की भी मांग की है।

### मणिपुर में 3 उग्रवादी गिरफ्तार, कई हथियार जब्त

**इंफाल।** मणिपुर के इंफाल पूर्व और पश्चिम जिलों में सुरक्षाबलों ने प्रतिबंधित संगठनों से जुड़े तीन उग्रवादियों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने प्रतिबंधित कांगलीपाक कम्युनिस्ट पार्टी के एक सक्रिय कार्यकर्ता को इंफाल पश्चिम जिले के ताओथोंग खुनोउ इलाके से गिरफ्तार किया गया। उसकी पहचान ओइनम सोमेनचंद्र सिंह (41) के रूप में हुई है, जो दुकानों और आम जनता से जबरन वसूली में शामिल था।

### कार फिसलकर नाले में गिरी, तीन की मौत

**उदयपुर।** राजस्थान के उदयपुर जिले में एक कार सड़क से फिसलकर बरसाती नाले में गिर गई। इससे कार सवार तीन लोगों की मौत हो गई। यह घटना सोमवार देर रात खेरवाड़ा थाना क्षेत्र के लकोड़ा गांव के पास हुई। मृतकों की पहचान ध्रुव पटेल, लव पटेल और नरेश मीणा के रूप में हुई है। दुर्घटना के समय एसयूवी वाहन में पांच लोग सवार थे।

### हेड कांस्टेबल को रिश्वत लेते किया गिरफ्तार

**नई दिल्ली।** सीबीआई ने अशोक विहार थाने में तैनात दिल्ली पुलिस के एक हेड कांस्टेबल को कथित तौर पर एक लाख रुपए की रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। संघीय एजेंसी ने एक शिकायत के आधार पर यह कार्रवाई की, जिसमें आरोप लगाया गया था कि एक उप निरीक्षक और हेड कांस्टेबल राजकुमार मीणा ने शिकायतकर्ता से उसके खिलाफ प्राथमिकी दर्ज न करने के एवज में तीन लाख रुपए की मांग की थी।

### 35 लाख रुपए कीमत की स्मैक जब्त, एक गिरफ्तार

**अमेठी।** जिले की कमरौली पुलिस ने एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 315 ग्राम स्मैक बरामद किया। इसकी कीमत करीब 35 लाख रुपए आंकी गई है। नशा मुक्त अमेठी अभियान के तहत आज थाना कमरौली पुलिस ने वाहनों की जांच के दौरान अभियुक्त अरशद अली उर्फ सोनू को गिरफ्तार किया।

बस्तर में भारी बारिश, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर में तबाही

# बीजापुर से 100 गांवों का टूटा संपर्क वैष्णोदेवी मार्ग पर भूस्खलन, पांच की मौत

*देश के कई राज्यों में भारी बारिश से तबाही मची है। छत्तीसगढ़ के बीजापुर गंगालूर मार्ग में पानी भर जाने के कारण 100 अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क टूट गया। हिमाचल में कई दुकानें और इमारतें ढह गईं। वैष्णो देवी यात्रा मार्ग में अर्धकुमारी के पास भूस्खलन हो गया। इस हादसे में 5 लोगों की मौत हो गई और 14 लोगों के घायल होने की खबर है।*

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/नई दिल्ली

छत्तीसगढ़ के बिलासपुर, सुकमा, दंतेवाड़ा और बीजापुर जिले में बाढ़ ने कहर मचा दिया है। बीजापुर जिले में भारी बारिश के बाद गंगालूर मार्ग पर चेरपाल नदी में बाढ़ आ गई है, जिससे 100 से अधिक गांवों का जिला मुख्यालय से संपर्क पूरी तरह टूट गया है।

- जम्मू क्षेत्र में भारी बारिश से रेल यातायात बाधित 18 ट्रेन रद्द

जम्मू-कश्मीर में लगातार हो रही बारिश की वजह से रियासी जिले की त्रिकुटा पहाड़ियों पर स्थित माता वैष्णो देवी मंदिर जाने वाले रास्ते पर मंगलवार अपराह्न भूस्खलन हुआ जिसकी चपेट में आने से कम से पांच लोगों की मौत हो गई जबकि 14 अन्य घायल हुए हैं। अधिकारियों के मुताबिक कई लोगों के मलबे में दबे होने की भी आशंका है। माता वैष्णो देवी के भवन तक जाने की तीर्थयात्रा उस समय स्थगित कर ▶▶|शेष पेज 8 पर

> मरकापाल घाट में पानी बढ़ने से ग्रामीण फंसा किया गया रेस्क्यू

> एक दिन पूर्व नाव पलटने से डूबे छात्राओं का दूसरे दिन भी नहीं लगा सुराग

### हेलीकॉप्टर से रेस्क्यू

बाढ़ में फंसे 15 लोगों को राज्य आपदा मोचन बल ने तत्परता दिखाते हुए सुरक्षित बाहर निकाला है। इसके अलावा 5 लोगों को बाढ़ के पानी से घिरे होने के कारण हेलीकॉप्टर की मदद से रेस्क्यू किया गया।

### 24 घंटे से मूसलाधार बारिश, इंद्रावती नदी का बढ़ा जलस्तर

**जगदलपुर।** बीजापुर में पिछले 24 घंटे से जारी मूसलाधार बारिश से इंद्रावती समेत बरसाती नाले उफान पर है। लगातार बारिश से जिले के सौ से अधिक गांव का मुख्यालय से सम्पर्क टूट गया है। मुख्य मार्गों की सड़कें भी पानी से लबालब हो चुकी है, जिससे आवागमन भी प्रभावित हो रहा है। नदी किनारे बसे गांव के मकानों को खाली करवाकर ग्रामीणों को सुरक्षित स्थानों में ले जाया जा रहा है। प्रशासन ने बाढ़ को देखते हुए ▶▶|शेष पेज 8 पर

**लोगों व वाहनों की लगी कतार :** बीजापुर जिले में हो रही मूसलाधार बारिश के चलते कुछ घंटों में ही छोटे नदी नालों में जलस्तर बढ़ रहा है। बीजापुर से गंगालूर मार्ग पर चेतपाल नाला का जलस्तर काफी बढ़ गया है, जिसके चलते नाले पर बना रपटा डूब गया। जिसके कारण रपते के दोनों ▶▶|शेष पेज 8 पर

### सीएम साय ने जापान से ली जानकारी

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान छत्तीसगढ़ के बस्तर संभाग में हुई अतिवृष्टि से उत्पन्न बाढ़ की स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने राजस्व सचिव एवं आपदा राहत आयुक्त श्रीमती रीना बाबासाहेब कंगाले और बस्तर संभाग आयुक्त डोमन सिंह से दूरभाष पर चर्चा कर ▶▶|शेष पेज 8 पर

### दुकानें बह गईं, इमारतें ढह गईं

हिमाचल प्रदेश में कई स्थानों पर भारी बारिश के कारण भूस्खलन और अचानक बाढ़ आने से दुकानें बह गईं, इमारतें ढह गईं, राजमार्गों से संपर्क टूट गया और आवासीय इलाके जलमग्न हो गए। भारी से बहुत भारी बारिश की चेतावनी दी गई है।

हिमाचल

### 170 से अधिक गांव जलमग्न

उत्तरी ओडिशा के बालासोर, भद्रक और जाजपुर जिलों के 170 से अधिक गांव लगातार दूसरे दिन बाढ़ के पानी में डूबे रहे, जबकि आईएमडी ने नये निम्न दबाव क्षेत्र के कारण अगले कुछ दिनों में भारी बारिश होने की चेतावनी जारी की है।

ओडिशा

# छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए ओसाका की कंपनी को आमंत्रण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अपने जापान प्रवास के दौरान ओसाका स्थित एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड को राज्य में निवेश के लिए आमंत्रित किया। उन्होंने कंपनी को छत्तीसगढ़ में अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई तथा उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा स्थापित करने का प्रस्ताव दिया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि ये परियोजनाएं न केवल कृषि मूल्य श्रृंखलाओं को मज़बूत करेंगी, बल्कि उच्च-तकनीकी विनिर्माण को भी प्रोत्साहित करेंगी और राज्य के युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर नए रोजगार अवसर सृजित करेंगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि राज्य सरकार निवेशकों के लिए अनुकूल वातावरण, सुगम प्रक्रिया और प्रत्येक स्तर पर सहयोग सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। मुख्यमंत्री श्री साय ने आशा व्यक्त की कि एसएएस सानवा कंपनी लिमिटेड की प्रस्तावित खाद्य प्रसंस्करण इकाई ▶▶|शेष पेज 8 पर

- अत्याधुनिक खाद्य प्रसंस्करण इकाई और उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा होगी स्थापित
- कृषि मूल्य श्रृंखला और रोजगार को मिलेगा नया आयाम

### विकास की दिशा में बढ़ रहा छग

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने विश्वास जताया कि ये निवेश परियोजनाएं आने वाले समय में छत्तीसगढ़ को न केवल देश में, बल्कि वैश्विक स्तर पर भी उद्योग और निवेश का प्रमुख केंद्र बनाएंगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की प्राथमिकता जनता की समृद्धि, युवाओं का भविष्य और निवेशकों का विश्वास है, और इसी संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

सुप्रीम कोर्ट में महाराष्ट्र सरकार की दलील

# बिल को कोर्ट नहीं राज्यपाल-राष्ट्रपति ही दे सकते हैं मंजूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

महाराष्ट्र सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में दलील दी कि न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों को मंजूरी नहीं दे सकते, क्योंकि यह अधिकार केवल राज्यपालों या राष्ट्रपति के पास होता है। महाराष्ट्र का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता हरीश साल्वे ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच-सदस्यीय संविधान पीठ के समक्ष यह दलील दी। साल्वे राष्ट्रपति द्वारा मांगे गए परामर्श पर सुनवाई में महाराष्ट्र सरकार की ओर से पेश हुए। राष्ट्रपति द्वारा मांगे गए परामर्श में पूछा गया है कि क्या न्यायालय राज्य विधानसभाओं द्वारा पारित विधेयकों पर विचार करने के ▶▶|शेष पेज 8 पर

### जस्टिस के सवाल, वरिष्ठ अधिवक्ता के जवाब

जब न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने कहा कि साल्वे के अनुसार, एक धन विधेयक को भी शुरू में ही रोका जा सकता है। साल्वे ने कहा, हां, क्योंकि एक बार सदन में किसी विधेयक में संशोधन होने के बाद भी राज्यपाल अपनी मंजूरी नहीं दे सकते। मैं केवल इस शक्ति के अस्तित्व पर विचार कर रहा हूं, इस पर नहीं कि इसका उपयोग कैसे किया जाता है।

### मप्र के वकील ने बताए तीन विकल्प

मध्य प्रदेश की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता एन.के. कौल ने कहा कि अनुच्छेद 200 के तहत, राज्यपाल के पास तीन स्पष्ट विकल्प हैं: अनुमति देना, अनुमति नहीं देना, या विधेयक को राष्ट्रपति के लिए आरक्षित रखना। उन्होंने दलील दी कि राज्यपाल को विधेयक वापस करने की अनुमति देने वाला प्रावधान एक परामर्शी तंत्र है, न कि एक ठोस वीटो।

### राजस्थान की ओर से ऐसी दलील

राजस्थान की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ता मनिंदर सिंह ने दलीलें दीं। कार्यवाही जारी है। पीठ ने पूछा, जब सदन ने कोई विधेयक पारित कर दिया है, तो क्या राज्यपाल उस पर अनिश्चितकाल तक रोक लगा सकते हैं? मान लीजिए कि कोई विधेयक 2020 में पारित हो जाता है, तो क्या 2025 में भी कोई निर्णय न होने की स्थिति में न्यायालय कुछ नहीं कर सकता।

# 'स्वदेशी' हो हर किसी के जीवन का मंत्र

*मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को पीएम ने दिखाई हरी झंडी*

| | |
|---|---|
| 100 | देशों में ग्लोबल मॉडल का होगा एक्सपोर्ट |
| 49 | केडब्ल्यूएच बैटरी पैक-रेंज 344 किमी |
| 61.1 | केडब्ल्यूएच का बैटरी पैक 426 किमी |

7 एयरबैग, 360-डिग्री कैमरा

**अहमदाबाद।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को कहा कि स्वदेशी हर किसी का जीवन मंत्र होना चाहिए। गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाने के बाद प्रधानमंत्री ने यह बात कही। मोदी ने साथ ही कहा कि उनकी सरकार की 'मेक इन इंडिया' पहल ने वैश्विक एवं घरेलू दोनों विनिर्माताओं के लिए अनुकूल माहौल तैयार किया है। उन्होंने कहा कि 'स्वदेशी' की उनकी परिभाषा सरल है। भारतीय बाजार में 3 सितंबर 2025 को ई-विटारा का ऑफिशियल लॉन्च होगा।

धनशोधन मामले पर ईडी का एक्शन

# आप नेता सौरभ और निजी कंपनियों के परिसरों पर छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की पिछली सरकार के दौरान स्वास्थ्य बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में कथित घोटाले से जुड़े धन शोधन जांच के तहत पूर्व मंत्री सौरभ भारद्वाज एवं कुछ अन्य निजी कंपनियों के परिसरों में छापेमारी की। सूत्रों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम के तहत भारद्वाज एवं अन्य के खिलाफ मामला दर्ज होने के बाद राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में कम से कम 13 स्थानों पर छापेमारी की गई।

### आप ने कहा- पीएम की डिग्री पर सवाल से ध्यान हटाने का प्रयास

आप ने दावा किया कि भारद्वाज के खिलाफ छापेमारी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की डिग्री के बारे में उठाए जा रहे सवालों से ध्यान हटाने का प्रयास है। पार्टी नेता के खिलाफ मामला झूठा है। मनीष सिसोदिया ने दावा किया कि मामला उस समय का है जब भारद्वाज किसी मंत्री पद पर नहीं थे।

केंद्र सरकार का सर्वेक्षण, शहरों में प्रवृत्ति अधिक

# एक तिहाई स्कूली बच्चों में निजी कोचिंग का ट्रेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

देश के करीब एक तिहाई स्कूली छात्र निजी कोचिंग का सहारा लेते हैं। यह प्रवृत्ति शहरी क्षेत्रों में अधिक आम है। केंद्र द्वारा शिक्षा पर कराए गए व्यापक वार्षिक मॉड्यूलर सर्वेक्षण (सीएमएस) में यह खुलासा हुआ है। सर्वेक्षण के मुताबिक सरकारी स्कूल पूरे भारत में शिक्षा प्रदान करने में महत्वपूर्ण अहम भूमिका निभाते हैं। अब भी विद्यालयों में नामांकित कुल छात्रों में 55.9 प्रतिशत हिस्सेदारी सरकारी विद्यालयों की ▶▶|शेष पेज 8 पर

### औसतन 9,950 रुपए खर्च

शहरी क्षेत्र में उच्चतर माध्यमिक स्तर पर निजी कोचिंग पर औसतन 9,950 रुपए खर्च किए जाते हैं जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह औसतन 4,548 रुपए है। राष्ट्रीय स्तर पर कक्षाओं के साथ कोचिंग का खर्च भी बढ़ता है। पूर्व प्राथमिक में जहां औसतन 525 रुपये खर्च होते हैं, वह उच्चतम माध्यमिक कक्षाओं में बढ़कर 6,384 हो जाते हैं।

### ग्रामीण में 25 और शहर में 30 फीसदी

यह प्रवृत्ति ग्रामीण क्षेत्रों (25.5 प्रतिशत) की तुलना में शहरी क्षेत्रों (30.7 प्रतिशत) में अधिक आम थी। इसके अनुसार शहरी क्षेत्रों में प्रति छात्र निजी कोचिंग पर औसत वार्षिक घरेलू व्यय (3,988 रुपये) है जो ग्रामीण क्षेत्रों (1,793 रुपये) की तुलना में अधिक है। रिपोर्ट में कहा गया, यह अंतर उच्च कक्षाओं के साथ बढ़ता जाता है।

### मात्र 1.2 फीसदी छात्र वजीफे पर निर्भर

सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में स्कूली शिक्षा पर खर्च करने वाले छात्रों में से 95 प्रतिशत ने बताया कि उनके वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत परिवार के अन्य सदस्य हैं। यह प्रवृत्ति ग्रामीण (95.3 प्रतिशत) और शहरी (94.4 प्रतिशत) दोनों क्षेत्रों में समान रूप से देखी गई। भारत में, 1.2 प्रतिशत छात्रों ने बताया कि सरकारी छात्रवृत्तियां उनकी स्कूली शिक्षा के लिए वित्तपोषण का पहला प्रमुख स्रोत है। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) द्वारा किया गया पिछला व्यापक शिक्षा सर्वेक्षण 75वां दौर (जुलाई 2017-जून 2018)में किया गया था।

### गाय को बचाने कार पुलिया से टकराई, तीन की मौत

**रायसेन।** मप्र के रायसेन जिले में सड़क पर अचानक आई एक गाय को बचाने के प्रयास में एक कार के पुलिया से टकराने के कारण एक महिला समेत तीन लोगों की मौत हो गई और एक अन्य व्यक्ति घायल हो गया। यह घटना जिला मुख्यालय से लगभग 90 किलोमीटर दूर राष्ट्रीय राजमार्ग-45 पर सिलारी गांव के पास सोमवार शाम को हुई जब तेज रफ्तार कार सड़क पर अचानक आई गाय को बचाने की कोशिश में पुलिया से टकरा गई। पुलिस अनुविभागीय अधिकारी (एसडीओपी) कुंवर सिंह मुकाती ने बताया कि सोमवार शाम करीब छह बजे एक ही परिवार के चार लोग नरसिंहपुर से इंदौर अपने घर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ।

चिंतन

# ट्रंप के टैरिफ की काट है, स्वदेशी अपनाओ

देश पर जब भी कोई विपदा या परेशानी आई है तो पूरे देश ने मिलकर न केवल मुकाबला किया है बल्कि उस परेशानी का खात्मा करके ही दम लिया है। ऐसा ही समय एक बार फिर आया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पहले की गई घोषणा के अनुसार भारतीय सामानों पर अतिरिक्त 25 प्रतिशत शुल्क लगाने का एक ड्राफ्ट नोटिस जारी कर दिया है। भारत के खिलाफ ये टैरिफ 27 अगस्त यानी आज से लागू होंगे। आदेश में कहा कि बढ़ा हुआ शुल्क उन भारतीय प्रोडक्ट्स पर लागू होगा जिन्हें 27 अगस्त 2025 की रात 12 बजकर एक मिनट या उसके बाद उपभोग के लिए लाया गया है या गोदाम से निकाला गया है। ट्रंप के इरादों से साफ है कि वो भारत के खिलाफ सनक पाले हुए हैं। इसका सीधा असर यह होगा कि टैरिफ से ज्वेलरी, टेक्सटाइल, ऑटो, सी फूड इंडस्ट्रीज का मुनाफा घट सकता है। इससे 48.2 अरब डॉलर के निर्यात पर सीधा असर पड़ेगा। हालांकि आईटी, फार्मास्यूटिकल्स और इलेक्ट्रॉनिक इंडस्ट्री पर नहीं होगा। अभी इलेक्ट्रॉनिक्स को सेक्शन 232 के तहत छूट मिली है। जब तक इसकी घोषणा नहीं होती, तब तक अमेरिका को निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा। वहीं, फार्मा पर मौजूदा टैरिफ जीरो फीसदी है, लेकिन ट्रम्प ने 18 महीने में 150 प्रतिशत और बाद में 250 फीसदी टैरिफ की धमकी दी है। जब तक ये लागू नहीं होता, तब तक छूट मिलती रहेगी। ऐसा लंबे समय तक होता नजर नहीं आ रहा। जिस तरह से ट्रंप प्रशासन फैसले ले रहा है, उससे तो साफ है कि वे किसी भी समय कोई बड़ा फैसला ले सकते हैं। इसलिए जरूरी है कि हम इसके लिए तैयार रहें। वैसे भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिका की तरफ भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत शुल्क लगाने संबंधी नोटिफिकेशन के दो दिन पहले ही अपना रुख साफ कर दिया था। उन्होंने कहा था कि केंद्र सरकार किसानों, पशुपालकों और लघु उद्योगों के हितों से समझौता नहीं कर सकती। हम पर दबाव बढ़ सकता है, लेकिन हम इसे सहन कर लेंगे। इशारा साफ है कि भारत अमेरिका के आगे झुकने वाला नहीं है। अब प्रश्न उठता है कि विकल्प क्या है। सबसे पहले तो सरकार को अमेरिका पर निर्भरता कम करने के लिए यूरोप, रूस या अन्य देशों में व्यापार बढ़ाना होगा। इसके तहत भारत अब चीन, मिडिल ईस्ट और अफ्रीका के बाजारों पर फोकस करेगा। आइसलैंड, लिकटेंस्टीन, नॉर्वे और स्विट्जरलैंड के साथ भारत ट्रेड डील कर चुका है। ये एक अक्टूबर से लागू होगी। ब्रिटेन के साथ डील अगले साल अप्रैल से लागू हो सकती है। ओमान, चिली, पेरू, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और यूरोपीय संघ से बातचीत जारी है। भारत सीफूड के लिए रूस, यूके, यूरोपीय यूनियन, नॉर्वे, स्विट्जरलैंड और दक्षिण कोरिया पर फोकस कर रहा है। वहीं, हीरे और आभूषण के लिए वियतनाम, थाईलैंड, मलेशिया और अफ्रीका जैसे बाजारों की ओर रुख कर रहा है। सरकार इसके लिए अपनी तरफ से प्रयास कर रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में एक खास बात और भी कही है जो आपदा में अवसर होगी। स्वदेशी अपनाओ, इसी मंत्र से हम ट्रंप के टैरिफ को काट सकते हैं। टैरिफ का सबसे ज्यादा असर नौकरियों पर होगा। अगर हम स्वदेशी अपनाते हैं तो जितनी नौकरियां प्रभावित होंगी, उससे कहीं ज्यादा हम अपनी खपत बढ़ाकर रोजगार सजृन कर सकते हैं। अगर त्योहारों के सीजन में ही संकल्प कर लें कि केवल स्वदेशी सामान की खरीद करेंगे तो ट्रंप के इस टैरिफ का हम पर कोई खास असर नहीं होने वाला। जरूरी यही है कि हम हमेशा के लिए देश के लिए खड़े हों और स्वदेशी को अपनाएं।

गणेश चतुर्थी
बाल मुकुन्द ओझा

# पंच देवताओं में अग्रगण्य हैं भगवान गणेशजी

भारत त्योहारों का देश है। त्योहार देश की सामाजिक, सांस्कृतिक और धार्मिक बुनियाद को मजबूत बनाने और समाज को जोड़ने का काम करते हैं। त्योहार जीवन में खुशियां लेकर आते हैं। गणेश चतुर्थी का त्योहार हमारे देश में बड़े ही धूमधाम और पूजा पाठ से मनाया जाता है। प्रत्येक घर और व्यापारिक संस्थान में तब तक कोई शुभ काम पूरा नहीं माना जाता, जब तक वहां भगवान गणेश की पूजा न हो। इसके पीछे मान्यता है कि किसी भी शुभ कार्य की शुरुआत इस दिन करने से फल अच्छा मिलता है। इस दिन गणेश जी की पूजा करने से घर में सुख, समृद्धि और संपन्नता आती है। कई लोग व्रत रखते हैं। व्रत रखने से भगवान गणेश खुश होते हैं और श्रद्धालुओं की मनोकामनाएं पूरी होती हैं। यह दिन भगवान गणेश की पूजा, आदर और सम्मान करने के लिए मनाया जाता है। भगवान गणेश के जन्मोत्सव को गणेश चतुर्थी के रूप में जाना जाता है। देश के सर्वाधिक लोकप्रिय त्योहारों में गणेश चतुर्थी एक है। गणेश चतुर्थी का त्योहार हर साल

भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से शुरू होकर 10 दिन बाद अनंत चतुर्दशी के दिन बप्पा के मूर्ति विसर्जन के बाद समाप्त होता है। अंग्रेजी तिथि के हिसाब से गणेश उत्सव इस साल 27 अगस्त, बुधवार से शुरू होकर विसर्जन 6 सितंबर को होगा। पंचांग के अनुसार इस साल भगवान श्री गणेश की मध्यान्ह पूजा का शुभ मुहूर्त 27 अगस्त 2027, बुधवार के दिन रहेगा। इस दिन गणेश भक्त सुबह 11 बजकर 5 मिनट से लेकर दोपहर एक बजकर 40 मिनट के बीच श्री गणेश जी की पूजा कर सकेंगे। इस प्रकार गणपति के भक्तों को उनकी पूजा करने के लिए लगभग ढाई घंटे मिलेंगे। भारतीय जनजीवन में गणेशजी का अद्वितीय स्थान है। पंच देवताओं में वे अग्रगण्य हैं। प्रत्येक उत्सव, समारोह अथवा अनुष्ठान का आरंभ उन्हीं की पूजा-अर्चना से होता है। वे विद्या और बुद्धि के देवता हैं। इसके साथ ही वे विघ्न-विनाशक भी हैं। भगवान गणेश का अवतार ज्ञान, समृद्धि और सौभाग्य के रूप में हुआ है। इस कारण हमारे देश में किसी भी अच्छे काम की शुरुआत से पहले भगवान गणेश का आह्वान एक आम बात है। साथ ही इस त्योहार से हम अपने जीवन में शांति, समृद्धि और सद्भाव ला सकते है। पंचदेवों में से एक भगवान गणेश सर्वदा ही अग्रपूजा के अधिकारी हैं और उनके पूजन से सभी प्रकार के कष्टों से मुक्ति मिलती है। श्रीगणेश के स्वतंत्र मंदिर कम ही जगहों पर देखने को मिलते हैं परंतु सभी मंदिरों, घरों, दुकानों आदि में भगवान गणेश विराजमान रहते हैं। इन जगहों पर भगवान गणेश की प्रतिमा, चित्रपट या अन्य कोई प्रतीक अवश्य रखा मिलेगा, लेकिन कई स्थानों पर भगवान गणेश की स्वतंत्र मंदिर भी स्थापित है और उसकी महता भी अधिक बतायी जाती है। भारत ही नहीं, भारत के बाहर भी भगवान गणेश हैं। पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक एक बार मां पार्वती ने स्नान करने से पूर्व अपनी मैल से एक सुंदर बालक को उत्पन्न किया और उसका नाम गणेश रखा। फिर उसे अपना द्वारपाल बनाकर दरवाजे पर पहरा देने का आदेश देकर स्नान करने चली गई। थोड़ी देर बाद भगवान शिव आए और द्वार के अन्दर प्रवेश करना चाहा तो गणेश ने उन्हें अन्दर जाने से रोक दिया। इस पर भगवान शिव क्रोधित हो गए और अपने त्रिशूल से गणेश के सिर को काट दिया और द्वार के अन्दर चले गए। जब मां पार्वती ने पुत्र गणेश जी का कटा हुआ सिर देखा तो अत्यंत क्रोधित हो गई। तब ब्रह्मा, विष्णु सहित सभी देवताओं ने उनकी स्तुति कर उनको शांत किया और भोलेनाथ से बालक गणेश को जिंदा करने का अनुरोध किया। उनके अनुरोध को स्वीकारते हुए एक गज के कटे हुए मस्तक को श्री गणेश के धड़ से जोड़ कर उन्हें पुनर्जीवित कर दिया। पार्वती जी हर्षातिरेक होकर पुत्र गणेश को हृदय से लगा लेती हैं तथा उन्हें सभी देवताओं में अग्रणी होने का आशीर्वाद देती हैं। ब्रह्मा, विष्णु, महेश उस बालक को सर्वाध्यक्ष घोषित करके अग्रपूज्य होने का वरदान देते हैं।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

संघ शताब्दी वर्ष
अवधेश कुमार

# मोहन भागवत की अगुवाई में महामंथन

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष इस बार विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर 2025 से आरंभ हो रहा है। पूरे 1 वर्ष तक संघ ने अपने विस्तार और सामाजिक आंदोलन की दृष्टि से अत्यंत सघन कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। यह मानने में किसी को हिचक नहीं होगी कि सरसंघचालक मोहन भागवत का राजधानी दिल्ली में शताब्दी वर्ष का यह पहला कार्यक्रम अब तक के किसी भी संगठन के कार्यक्रमों से अलग ऐसे विषय, सोच और दिशा लिए हुए होगा जो लंबे समय तक चर्चा में तो रहेगा ही, भविष्य में संघ पर बात करने की दृष्टि से उद्धरण की भी भूमिका निभाएगा। साथ ही यह पूरे शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की वैचारिक और क्रियात्मक आधारभूमि का पूर्वावलोकन भी होगा।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का शताब्दी वर्ष इस बार विजयादशमी यानी 2 अक्टूबर 2025 से आरंभ हो रहा है। पूरे 1 वर्ष तक संघ ने अपने विस्तार और सामाजिक आंदोलन की दृष्टि से अत्यंत सघन कार्यक्रम निर्धारित किए हैं। इन्हीं में से एक कार्यक्रम सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत का देश के चार प्रमुख शहरों राजधानी दिल्ली, कोलकाता, मुंबई और बेंगलुरु में सक्रिय नागरिकों के साथ संवाद है। यह कार्यक्रम दिल्ली के प्रगति भवन में 26, 27 और 28 अगस्त को होगा। कोई संगठन अपने शीर्ष नेता का कुछ घंटे का एक दिन का संबोधन या प्रश्नोत्तर या फिर पत्रकार वार्ता का कार्यक्रम रख रहा है। आम सोच यही होगी कि डॉ. भागवत संघ पर लगने वाले आरोपों पर विस्तार से बात रखेंगे तथा अपनी उपलब्धियों का बखान करेंगे। अभी तक संघ के कारण प्रणाली में ऐसा कभी नजर नहीं आया कि संघ का चरित्र अन्य संगठनों की तरह लगने वाले आरोपों का त्वरित या किसी स्तर पर पत्रकार वार्ता आदि बुलाकर खंडन करना और आत्म प्रचार का हो। जब यह अभी तक संघ की कार्यप्रणाली में रहा ही नहीं तो शताब्दी वर्ष पर सरसंघचालक का राजधानी दिल्ली के इतने महत्वपूर्ण कार्यक्रम का उपयोग वे इसमें करेंगे, ऐसी कल्पना निरर्थक है। तो फिर? स्वाभाविक ही तीन दिनों तक लगातार लोगों के सामने संघ की 100 वर्ष की यात्रा, वर्तमान भारत एवं विश्व की स्थिति , उत्पन्न प्रश्न एवं चुनौतियां, उन पर संघ का मत एवं उपस्थित समूह के द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर आदि शामिल होंगे। हां उपस्थित श्रोताओं द्वारा पूछे गए प्रश्नों के उत्तर में शेष बातें आएंगी।

राजधानी दिल्ली के इस कार्यक्रम की ओर निश्चित रूप से संघ के स्वयंसेवकों व समर्थकों के अलावा देश भर के विरोधियों की भी दृष्टि होगी। शताब्दी वर्ष की दृष्टि से संघ का संगठन के बाहर देश के समक्ष शीर्षतम नेतृत्व द्वारा अपनी बात रखने का यह पहला कार्यक्रम होगा। निश्चित रूप से इसकी तैयारी भी उसी अनुसार दिखाई दी है। संघ के विरोधी भी यह मानते हैं कि उनका कार्यक्रम सुव्यवस्थित, सुलक्षित होता है। निष्पक्ष दृष्टि रखने वाले मानेंगे कि डॉ. भागवत का यह कार्यक्रम ऐसा होगा कि दूसरे संगठन भी इससे अपने महत्वपूर्ण अवसरों का उपयोग करने का तौर-तरीका सीखकर आगे अपनाते हुए दिख सकते हैं। सच कहा जाए तो यह देश के समक्ष केवल संघ को अपनी बात रखने का एक महत्वपूर्ण और बड़ा अवसर नहीं है, देश के लिए भी संघ को जानने समझने का अब तक का सबसे प्रामाणिक आयोजन है। हालांकि 2018 में भी मोहन भागवत ने इसी भवन में संवाद किया था और उसका भी असर हुआ। शताब्दी वर्ष की तैयारी को देखते हुए यह अभी तक का संघ की दृष्टि से सबसे अलग होगा। पिछले 23 मार्च को बेंगलुरु में आयोजित प्रतिनिधि सभा के समापन पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए संघ के सरकार्यवाह दत्तात्रेय दत्तात्रेय होसबोले ने कहा था कि संघ शताब्दी वर्ष का उत्सव नहीं मनाएगा बल्कि इसकी जगह हमने इस वर्ष के लिए तीन बिंदु सुनिश्चित किए हैं। एक, आत्मचिंतन करना, दो, संघ कार्य के लिए समाज द्वारा दिए समर्थन के लिए आभार प्रकट करना तथा तीन, राष्ट्र के लिए तथा समाज को संगठित करने के लिए स्वयं को पुनः समर्पित करना है। उन्होंने कहा कि शताब्दी वर्ष में हम अधिक सावधानी, गुणवत्ता तथा व्यापकता से कार्य करने का संकल्प लेते हैं।

स्वाभाविक ही जीवंत सक्रिय संगठन 100 वर्ष की अपनी यात्रा पर आत्मचिंतन करेगा। आत्मचिंतन व्यापक आयाम वाला विषय है। आत्मचिंतन यानि हम जिन उद्देश्यों के लिए जिन परिस्थितियों में जिस तरह उत्पन्न हुए अभी तक अपने लक्ष्यों की दृष्टि से जो कुछ किया क्या वह संतोषजनक है, कुछ कमियां है तो उन्हें कैसे दूर करेंगे, वर्तमान काल और परिस्थिति में हमें और क्या करना है आदि आदि।

पिछले दिनों एक साक्षात्कार में मोहन भागवत ने कहा था कि 'डॉक्टर साहब, श्री गुरूजी या बाळासाहब के विचार सनातन परम्परा या संस्कृति से अलग नहीं हैं। प्रगाढ़ चिंतन व कार्यकर्ताओं के प्रत्यक्ष प्रयोगों के अनुभव से संघ की पद्धति पक्की हुई और चल रही है। पहले से ही उसमें पोथी निष्ठा, व्यक्ति निष्ठा व अंधानुकरण की कोई जगह नहीं है। हम तत्वप्रधान हैं। महापुरुषों के गुणों का, उनकी बताई दिशा का अनुसरण करना है, परन्तु हर देश-काल-परिस्थिति में अपना मार्ग स्वयं बनाकर चलना है। इसलिए नित्यानित्य विवेक होना चाहिए। सरसंघचालक का वक्तव्य संघ के लिए दिशाबोधक है। अगर वे पूर्व सरसंघचालक को उद्धृत करते हुए कहते हैं कि मूल विचार को छोड़कर सब कुछ बदला जा सकता है तो इसे ही स्वीकार किया जाना चाहिए। पिछले 21 मार्च को अरुण कुमार ने पत्रकार वार्ता में कहा कि संघ एक संगठन नहीं बल्कि समाज परिवर्तन का बड़ा आंदोलन है। शताब्दी वर्ष में इसी को केंद्र में रखकर कार्यक्रम तय किए गए होंगे। जैसा पिछले काफी समय से पत्रकार वार्ताओं में संघ की ओर से बताया जा रहा है कि आगामी समय में सामाजिक परिवर्तन के पांच आयामों पर अपने कार्य को अधिक केन्द्रित करेगा । इन पांच आयामों में सामाजिक समरसता, परिवार प्रबोधन, पर्यावरण संरक्षण, स्वदेशी आचरण, नागरिक कर्तव्य सम्मिलित हैं। इस विषय में श्री होसबाले ने कहा था कि समाज में विभेद के विरुद्ध विमर्श खड़ा करना तथा समरसता के लिए निरंतर प्रयास करना इस कार्ययोजना का लक्ष्य है। अस्पृश्यता समाज के लिए पाप और कलंक है तथा संघ इसे मिटाने के लिए प्रतिबद्ध है। सात जुलाई को नई दिल्ली में आयोजित प्रांत प्रचारक बैठक में अखिल भारतीय प्रचार प्रमुख सुनील आंबेडकर के वक्तव्य की कुछ पंक्तियां इन्हें ज्यादा स्पष्ट करतीं हैं ' शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रमों का उद्देश्य व्यापक आउटरीच है, भौगोलिक, सामाजिक दृष्टि से समाज के सभी लोगों तक जाना और सभी कार्यों में उनकी सहभागिता हो। यह अभियान एक तरह से सर्वसमावेशी, सर्वस्पर्शी होगा।

देश आगे बढ़ रहा है, आर्थिक व तकनीकी प्रगति कर रहा है। केवल आर्थिक या तकनीकी दृष्टि से आगे बढ़ना पर्याप्त नहीं है। हमारे समाज की विशेषताएं, राष्ट्र के अपने विशेष गुणों के साथ ही समाज के सभी लोगों की चिंता करना, पर्यावरण की चिंता करना, परिवार में जीवन मूल्यों की रक्षा करना, सामाजिक जीवन में आपसी सद्भाव बना रहे, पंच परिवर्तन के इन विषयों शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रमों के माध्यम से समाज में ले जाएंगे। शताब्दी वर्ष के सारे कार्यक्रम इन्हीं उद्देश्यों पर केंद्रित हैं इसलिए मोहन भागवत भी निश्चित रूप से इन बातों पर प्रबुद्ध समूह के बीच विस्तार से अपना मत रखेंगे। यह मानने में किसी को हिचक नहीं होगी कि सरसंघचालक मोहन भागवत का राजधानी में शताब्दी वर्ष का यह पहला कार्यक्रम अब तक के किसी भी संगठन के कार्यक्रमों से अलग ऐसे विषय, सोच और दिशा लिए हुए होगा जो लंबे समय तक चर्चा में तो रहेगा ही भविष्य में संघ पर बात करने की दृष्टि से उद्धरण की भी भूमिका निभाएगा। साथ ही यह पूरे शताब्दी वर्ष के कार्यक्रमों की वैचारिक और क्रियात्मक आधारभूमि का पूर्वावलोकन भी होगा।

( लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

# कथनी और करनी में न हो कोई अंतर

संकलित
दर्शन

सभी के हित का ध्यान रखते हुए मनसा, वाचा, कर्मणा अपने दायित्वों का सम्यक रूप से निर्वाह करना कर्त्तव्य है। कर्त्तव्य का पालन यदि समुचित रूप से किया जाता है तो जीवन पूर्णतः गौरवान्वित बनता है। जो कर्त्तव्यनिष्ठ है। वह अपने करणीय कर्म के प्रति पूरी तरह से समर्पित होता है। वह परमार्थ पोषक एवं प्रामाणिक होता है। वह जैसा रहता है, वैसा ही करता भी है। ऐसी कथनी-करनी की एकरूपता से वह समाज में श्रेष्ठ उदाहरण प्रस्तुत करता है और प्रत्येक उससे प्रेरणाएं ग्रहण करता है। कर्त्तव्य परिपालन की बात करना और कर्त्तव्य परिपालन के नाम पर शोर-शराबा मचाना अलग बात है और कर्त्तव्यों के क्षेत्र में बिना किसी शोर-शराबे के समर्पित हो जाना अलग बात है। आज हम देखते हैं कि कर्त्तव्यों के परिपालन के लिए अक्सर लम्बे-चौड़े उपदेश दिये जाते हैं, पर जब कर्तव्य निर्वाह का अवसर आता है तो व्यक्ति दायें-बायें देखने लगता है। कटु सत्य तो यह है कि आज कर्त्तव्यों की चर्चा करने वाले लाखों हैं, पर कर्त्तव्यों के पावन पथ पर गतिशील होने वाले विरले ही हैं। कई बार मुझे चिंतन के क्षणों में लगता है कि आज व्यक्ति कर्त्तव्यों से विमुख हो गया है। इस विमुखता के कारण प्रत्येक क्षेत्र में अराजकता और अशांति का विस्तार हुआ है। कर्त्तव्यों के पावन क्षेत्र से भटककर कोई व्यक्ति कभी भी शांति का अहसास नहीं कर सकता। जीवन का गौरव और उसकी सार्थकता कर्त्तव्य पालन में ही है। कर्त्तव्यनिष्ठ व्यक्ति गुलाब का फूल है, वह कांटों में मुस्कराता है। *-कांतिलाल मांडोत*

# मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी

संकलित
प्रेरणा

अगस्त्य नाम के ऋषि थे वे समुद्र के किनारे कठोर व्रत कर रहे थे, वहां से कुछ दूरी पर एक पक्षी अपने अंडों को से रहा था। उसी समय समुद्र में तूफान सी लहरे उठने लगी पानी चढ़ने लगा और पानी अपने साथ अंडो को बहा ले गया, पक्षी बहुत दुःखी हुआ और उसने प्रतिज्ञा की कि मैं समुद्र के जल को समाप्त कर दूंगी और अपने चोंच में सागर के जल को भर भर कर फेंकने लगी ऐसा करते करते उसे काफी समय बित गया समुद्र का जल घटा ही नही। वह दुःखी मन से अगस्त्य मुनि के पास गई और अपनी व्यथा सुना समुद्र को सुखाने की प्रार्थना की। अगस्त्य मुनि ने ध्यान से पक्षी की व्यथा सुनी और चिंता व्यक्त की। ऋषि विचार करने लगे की मैं कैसे इस पक्षी की सहायता कर सकता हूं। उन्हें चिंता होने लगी की मैं कैसे समुद्र के जल को पी कर सुखा सकूंगा। विचार करते हुए अगस्त्य मुनि ने गणेश जी का स्मरण किया और संकट चतुर्थी व्रत को पूरा किया। तीन मास व्रत करने से गणेश जी प्रसन्न हो गए। गणेशजी ने मुनि का मार्ग प्रशस्त किया चौथ व्रत की कृपा से अगस्त्य मुनि ने प्रेम से समुद्र को पी कर सुखा दिया और पक्षी की प्रतिज्ञा को पूरा किया। प्रतिज्ञा पूरी होने से पक्षी भी खुश हुआ।

अंतर्मन

आज की पाती

## भारत, रूस और चीन भाई-भाई

वर्तमान में एशिया के लिए इसी प्रकार का एक और भ्रातृत्व अनिवार्य है यथा पश्चिमी देश अमेरिका की रहनुमाई में रह कर पूरी दुनिया के स्रोतों का दोहन कर रहे हैं और एक-एक करके सर्वत्र फूट डाल कर विवाद खड़े करते हैं और अपना उल्लू सीधा करते हैं। अमेरिका अब तक संसार में कई युद्ध करवा चुका है और भारत-चीन और रूस का कभी हित नहीं किया। अब अचानक फिर तराजू बंदर के हाथ आ गया है और अब वह भारी भरकम टैरिफ का डंडा भारत, रूस और चीन पर बरसा रहा है। वह चाहता है कि भारत रूस से क्रूड ऑयल न खरीदे। भारत अपने हित-अहित जानता है और उक्त तीनों देश ट्रंप की हेकड़ी जरूर समाप्त करेंगे, आने वाले समय की यही पुकार है।

*- सुरेश यादव, धमतरी*

ट्रेंड

## वंदे भारत एक्सप्रेस

मराठवाड़ा के विकास को गति देने के लिए, हम गतिशील परिवहन समाधानों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। आज, 'वंदे भारत एक्सप्रेस' ने नांदेड़ को मुंबई के और करीब ला दिया है, जिससे इस क्षेत्र के लिए अवसरों और समृद्धि के नए द्वार खुल गए हैं।
-देवेंद्र फडणवीस, सीएम, महाराष्ट्र

## नक्सलवाद

नक्सलवाद ही कांग्रेस का 'संविधान' है। वामपंथी सुदर्शन रेड्डी को उपराष्ट्रपति पद का उम्मीदवार बनाकर उसने इस पर मुहर लगा दी है। लेकिन यह समझ लें कि अमित शाह ने 31 मार्च, 2026 तक नक्सलियों को साफ करने का बीड़ा उठा लिया है।
-केशव प्रसाद मौर्य, डिप्टी सीएम, उप्र

## एजेंसीज का दुरुपयोग

सौरभ भारद्वाज के घर ईडी की रेड मोदी सरकार द्वारा एजेंसीज के दुरुपयोग का एक और मामला है। जिस तरह "आप" को टारगेट किया जा रहा है, ऐसे इतिहास में किसी पार्टी को नहीं किया गया। मोदी सरकार हमारी आवाज़ दबाना चाहती है।
-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, दिल्ली

## वैकल्पिक संभावनाएं

उद्योग जगत के नेता/सीईओ एआई के कारण 'नौकरियों के नुकसान' का शोर मचा रहे हैं। उन्हें यह एहसास नहीं है कि उनकी 'नौकरियाँ' या पद ज्यादा खतरे में हैं। क्योंकि अब कर्मचारियों को वैकल्पिक संभावनाएं तलाशने का मौका मिल गया है।
-शेखर कपूर, फिल्मकार

करंट अफेयर

# द. अफ्रीका में सिखों के शांति पहल में धार्मिक नेता

सिख समुदाय द्वारा अंतर-धार्मिक सद्भाव को बढ़ावा देने और पूरे अफ्रीकी महाद्वीप में शांति स्थापना के लिए आयोजित एक कार्यक्रम में 300 से अधिक धार्मिक और सामुदायिक नेता एकत्र हुए। यह भव्य कार्यक्रम रविवार शाम सैंडटन में आयोजित किया गया जिसका विषय था 'विश्वासों को जोड़ना : अफ्रीका में अंतरधार्मिक सद्भाव के माध्यम से शांति को बढ़ावा देना'। आयोजकों ने कहा कि अपनी तरह का यह पहला आयोजन पूरे महाद्वीप में शांति और सहयोगात्मक आध्यात्मिकता को बढ़ावा देने की दिशा में आधारशिला बनने की महत्वकांक्षा रखता है। गुरुद्वारा साहिब जोहानिसबर्ग, सिख काउंसिल ऑफ अफ्रीका, हेवनली कल्चर वर्ल्ड पीस रेस्टोरेशन ऑफ लाइट (एचडब्ल्यूपीएल) और गुरु नानक निष्काम सेवक जत्था द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में ईसाई, मुस्लिम, हिंदू, सिख और अफ्रीकी पारंपरिक धर्म के नेता एक साथ आए। दक्षिण अफ्रीका के सहकारी शासन एवं पारंपरिक मामलों के उप मंत्री डॉ. नामाने डिक्सन मासेमोला ने कहा कि 1996 में अपनाया गया दक्षिण अफ्रीका का संविधान सभी धर्मों और आस्थाओं को मान्यता देता है। मासेमोला ने कहा- धार्मिक नेता शांति स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

ऑफ बीट

# आत्महत्या के सटीक जवाब देने में कारगर नहीं एआई चैटबॉट

एक अध्ययन तीन लोकप्रिय कृत्रिम मेधा चैटबॉट्स पर यह जानने के लिए किया गया कि वे आत्महत्या से जुड़े सवालों पर कैसे प्रतिक्रिया देते हैं। इसमें

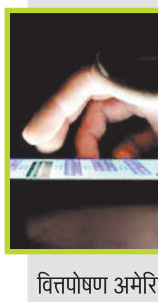

पाया गया कि वे आमतौर पर ऐसे सवालों का जवाब देने से बचते हैं जो उपयोगकर्ता के लिए सबसे ज़्यादा जोखिम वाले होते हैं, जैसे कि आत्महत्या करने के तरीकों से जुड़ी विशिष्ट जानकारी। हालांकि कम गंभीर लेकिन नकुसान पहुंचाने वाले सवालों पर ये जवाब देने में उतने कारगर नहीं है। ओपनएआई के चैटजीपीटी, गूगल के जेमिनी और एंथ्रोपिक के क्लाउड में 'और अधिक सुधार' की जरूरत बताई गई है। आरएएनडी कॉर्पोरेशन ने यह अध्ययन किया है और इसका (अध्ययन का) वित्तपोषण अमेरिका के राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य संस्थान ने किया है। अनुसंधान में चिंता व्यक्त की गई है कि बच्चों सहित बड़ी संख्या में लोग मानसिक स्वास्थ्य सहायता के लिए एआई चैटबॉट पर निर्भर हैं। अध्ययन में इस बात के लिए मानक स्थापित करने का प्रयास किया गया है कि कंपनियां इन प्रश्नों का उत्तर कैसे दें। अनुसंधान पत्र के प्रमुख लेखक तथा आरएएनडी के वरिष्ठ नीति अनुसंधानकर्ता रयान मैकबेन ने कहा, हमें कुछ सुरक्षा उपायों की आवश्यकता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर
फोन: 401050,271016,फैक्स-271018
ई-मेल: haribhoomibsp@gmail.com
वेब-साइट: www.haribhoomi.com

MARUTI SUZUKI
NEXA
BALENO के साथ, हर राह आसान।
इस गणेश चतुर्थी, विघ्नहर्ता के आशीर्वाद और बलेनो की शानदार सवारी से हर चुनौती को पार करें।
10 YEARS OF BALENO
BALENO
3 years 100 000 km WARRANTY* EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
REGAL EDITION
GET COMPLIMENTARY PACKAGE OF UP TO ₹ 51 480^
THE NEW AGE BALENO
TECH GOES BOLD
श्रेणी में पहला
360 व्यू कैमरा
श्रेणी में पहला
हेड अप डिस्प्ले
हर मॉडल में 6 एयरबैग ~
इन-बिल्ट सुज़ुकी कनेक्ट
DRIVE HOME THE BALENO AT JUST
₹4 999#
per month
₹ 80 000** तक के लाभ
कीमत ₹ 6.74 लाख^ से शुरु
मान्य प्रमाणपत्र जमा करने पर
अतिरिक्त स्क्रैपेज बोनस उपलब्ध है
स्कैन करें और
निकट के शोरुम से जुड़ें
आज ही ई-बुक करें @
WWW.NEXAEXPERIENCE.COM
हमसे यहां संपर्क करें
1800-200-6392
1800-102-6392
^विस्तृत नियम और शर्तों के लिए कृपया अपने नजदीकी डीलरशिप पर जाएं. ऑफर खरीदे गए मॉडल और वेरिएंट के आधार पर भिन्न हो सकते हैं. **सभी ऑफर केवल NEXA डीलरों द्वारा ही उपलब्ध कराए जाते हैं. मारुति सुज़ुकी बिना किसी पूर्व सूचना के किसी भी समय ऑफर वापस लेने का अधिकार सुरक्षित रखती है. रचनात्मक प्रस्तुति. ~एयरबैग सहित सुरक्षा सुविधाओं के कामकाज के विवरण के लिए, कृपया उपयोगकर्ता पुस्तिका देखें. *3 साल या 100000 किमी, जो भी पहले हो. #EMI @ ₹4999 ग्राहक अपग्रेड (पुरानी कार का एक्सचेंज मूल्य 3.40 लाख रुपये) बलेनो सिग्मा वेरिएंट में करने के लिए एक स्कीम है. बैलून फाइनेंस EMI की गणना 9.5% ब्याज दर पर की जाती है. बैलून EMI कुल लोन राशि का 30% और 5 वर्ष की लोन अवधि है. बैलून फाइनेंस स्कीम चुनिंदा फाइनेंसरों द्वारा प्रदान की जाती है. फाइनेंसर के निर्णय पर फाइनेंस किया जाता है और ग्राहक की प्रोफाइल के आधार पर भिन्न हो सकता है. अधिक जानकारी के लिए कृपया अपने निकटतम नेक्सा डीलर या टोल-फ्री नंबर पर संपर्क करें.

# तीजा के बाद बासी खाने का महत्व

परम्परा

डा. ज्योति किरण चंद्राकर

छत्तीसगढ़ में क्षेत्रीय सांस्कृतिक विरासत स्पष्ट झलकता है। ₹तीजा₹( हरितालिका) का व्रत बेटियों व बहनों के सम्मान में किया जाता है। सभी महिलाएं और युवतियां निराहार व निर्जला रहकर शिवजी-पार्वती जी की आराधना कर सौभाग्य प्राप्ति हेतु तीजा का व्रत रखती हैं। यह व्रत विवाहित सुहागन ,विधवा, कुंवारी लड़कियां सभी नारी शक्ति को सौभाग्यशाली व शक्ति संपन्न बनाने वाला माना जाता है। अखंड सौभाग्य की कामना के लिए स्त्रियां तीजा का व्रत निराहार, निर्जला रखती है।

यह व्रत भादो माह के शुक्ल पक्ष की तृतीया तिथि के दिन स्त्रियों द्वारा मायके में जाकर रखा जाता है। इस व्रत में मिट्टी या रेत का पार्थिव शिवलिंग बनाकर तीन प्रहर पूजा करने का विधान है। महिलाएं निराहार व निर्जला रहकर शिवजी की आराधना अपनी सौभाग्य प्राप्त की हेतु करती हैं।

छत्तीसगढ़ में तीजा व्रत के लिए भाई या पिता द्वारा बहन, बेटी को मायके लाने की परंपरा है। जिसे ₹तीजा लिवानार₹ कहा जाता है। यह पर्व तीन दिवस मनाने का रिवाज है। प्रथम दिवस संध्या प्रहर में ₹करू भातर₹ खाया जाता है । जिसमें व्रत रहने वाली सभी महिलाएं करेला, खेख्सी ,चेच भाजी, चावल के साथ रात्रि में एक दूसरे के घर जाकर खाती हैं। दूसरे दिन निर्जला रहकर तीनों प्रहर शिवजी की आराधना शिवालय में जाकर या घर में भी रेत से पार्थिव शिवलिंग बनाकर करती है। जब स्त्री विवाह के प्रथम तीज का उपवास रखती हैं तब वह अपनी बुआ ,मां व मायके के रिश्तेदारों के साथ नदी ,तालाब में स्नान करके नदी से सात मुट्ठी रेत निकालकर नए पर्रे पर रखती है। उसमें से आधे रेत से नदी के किनारे पार्थिव शिवलिंग बनाकर पूजन कर सुहाग की सामग्री फल ,प्रसाद चढ़ाती हैं और शेष आधे बालू को घर में लाकर शिवलिंग बनाकर ₹फुल्हेरा ₹से सजाकर तीनों प्रहर पूजा करती है। ₹फुल्हेरा₹ बनाने के लिए केले के खंभ का मंडप बनाकर रेशमी वस्त्रो व फूलों से सजाकर शिवलिंग की पूजा की जाती है। इसी मंडप को ₹फूल्हेरा₹ कहा जाता है। जब स्त्री पहले तीज का उपवास रखती है तो पंडित जी को बुलाकर तीजा महत्तम की कथा अपने मायके वाले के साथ सुनती है। तथा रात्रि को भजन गाकर जागरण करने का रिवाज करती है। दूसरे दिन प्रातः काल पार्थिव शिवलिंग को नदी या तालाब में विसर्जित करती है, और शंकरजी, तुलसी माता की पूजाकर चरणामृत ग्रहण कर व्रत का पारण करती है । पारण करने पश्चात ब्राह्मणों को अन्न,वस्त्र, फल आदि दानकर मायके में ली हुई नई साड़ी पहनकर फलाहार करती है ।जिसे ₹बासी खाना ₹कहा जाता है । क्योंकि पहले दिन कतरा, पुरी , मीठा बनाकर रखते है और व्रत तोड़ते समय अगले दिन उसे ग्रहण करते है, इसलिए इसे ₹बासी खाना₹ कहा जाता है। ग्रामीण अंचल में तीजा पर्व में बेटियाँ अपने मायके के रिश्तेदारों के घर बासी खाने जाती है और एक दूसरे को श्रृंगार सामग्री व उपहार भेट में देती है ।

तीजा व्रत से संबंधित कथा प्रचलित है कि, पार्वतीजी ने शंकरजी को पति स्वरूप पाने के लिए निराहार, निर्जला रहकर शिवजी की आराधना की थी । तब शिवजी प्रसन्न होकर माता पार्वती को पत्नी के रूप में स्वीकार किए थे। इसी लोक आस्था से सभी महिलाएं तीजा व्रत का उपवास निर्जला रहकर शिवजी की आराधना करके अपनी सुहाग की दीर्घायु की कामना करती है। वर्तमान समय में ₹फुल्हेरा₹ बनाने का प्रचलन कम हो गया है। शहरी क्षेत्र में महिलाएं क्लब व मंचों के माध्यम से तीज मिलन व मनोरंजनात्मक कार्यक्रम आयोजित कर इस त्यौहार को मनाने लगी है, जो कि आधुनिकता को दर्शाता है।

लोकगीत

डा. श्रीमती बसंत नाग

## आदिवासी अंचल में अनुष्ठानिक गीत

जनजातियों के व्रत त्योहारों में देवी देवताओं तथा पूर्वजों के प्रति अटूट विश्वास और आस्था आज भी जीवित हैं। तांत्रिक मंत्रों को गीत के माध्यम से उच्चारित किया जाता है। इसके पश्चात सिरहा के शरीर में देवता का प्रवेश होता जाता है और सिरहा विशेष गुड़ा और आवाज कर कांपने लगता है। इस प्रक्रिया को देवता आना कहा जाता है। देव का स्वागत करने हेतु धूप दिया जाता है। देवता जो सिरहा ( बैगा) के शरीर में अवतरित होते हैं, वे देवता पाटदेव, बूढ़ादेव, शंकर जी और काली मां हो सकते हैं। किसी व्यक्ति को देव से अपनी बात कहनी होती है, समस्या बतानी होती है, तो कह सकता है। आदिवासी यह मानते हैं कि देव उनकी फरियाद को, उनके मन की बात को जान कर निदान बता देता है। फरियादी की समस्या का निदान होने पर देवता को नारियल या बलि चढ़ा कर उनके प्रति श्रद्धा, आस्था और कृतज्ञता प्रकट करते हैं। देवता अपना चमत्कार भी दिखाते हैं, जिस पर देवता का वास होता है, वह जलती आग से भी गुजर जाते हैं। कभी लोहे की सांकल से अपने पीठ को पीट पीट कर लहूलुहान कर लेते हैं, तो कभी मुंह के आर पार लोहे की कील चुभाई जाती है। जब देवता को शांत करना होता है, तो धूप बत्ती देकर शांत किया जाता है। देवी देवता अपने लोक लौट जाते हैं। देखें देवी आव्हान मंत्र -

*अजर कोठी, बंजर काया*
*पिंड हे प्राण,*
*लक्ष्मण जहीं रखे रखनार*
*सिंस सैतगुरु नैन*
*बारा बारी बंगला, बदिया*
*नाम सुरसति खड़ा हो....*

सुरता

बजरंग लाल लोहिया

## आल्हा गायन के निपुण कलाकार रहे: जलसाय पटेल

सरायपाली अंतर्गत ग्राम बानी गिरोला के निवासी जलसाय पटेल थे। उनके पिता का नाम होलधर था। वे इस क्षेत्र में प्रसिद्ध आल्हा गायन के रूप में जाने गए। वह मूलतः कृषक थे। इस क्षेत्र में पहले आल्हा गायन की प्रस्तुति अधिक होती थी। वे बाल्यकाल से ही ग्रामीण परवेश में रहते हुए भी गायन के प्रति उनका अधिक रुझान था। इसके साथ ही वे मांदर वादन के साथ ही करमा नृत्य में निपुण थे। आल्हा प्रस्तुतीकरण की प्रेरणा उन्हें धमाल नाम के गुरु से मिली थी। वीर काव्य में वीर रस का प्रस्तुतिकरण एवं उसकी मौलिकता को सफल बनाने में मंचस्थ करने की कला में वे माहिर थे। जलसाय जी लोगों की इच्छा के अनुरूप आल्हा काव्य के किसी भी खंड का गायन करते थे। काव्य की पंक्तियां उन्हें कंठस्थ थी। उक्त काल खण्ड में साल्हो ददरिया, ढोला मारु आदि छत्तीसगढ़ी मनोरंजन के साधन थे। गायक जलसाय का विशेषकर अदल विवाह का प्रसंग लोकप्रिय रहा। ऊदल का घोड़ा उनके कथानक का मूल स्रोत होता था। लक्ष भेद की जीवंत एवं मौलिक प्रस्तुति से लोग रोमांचित हो जाते थे।सरायपाली राजमहल में उनका गायन होता था। वे मांदर के अलावा खंजनी मंजीरा आदि बजाने में भी माहिर थे। आज भी इस ग्राम को धार्मिक ग्राम के रूप में जाना जाता है जहां कीर्तन मंडली है।

**लेखकों से..**

छत्तीसगढ़ की लोक कला, लोक साहित्य, पर्यटन, तीज त्योहार, गांव की कहानी, ऐतिहासिक, पुरातात्विक, शैलचित्र, भित्तिचित्र, कला कृति और पुरखा के सुरता के साथ ही सम सामयिक विषयों पर अधिकतम 500 शब्दों पर लेख भेजें– **Choupalharibhoomi@gmail.com**

चिन्हारी

डा बलदेव प्रसाद मिश्र

# ओड जाति मन ले बने ओड़ार बांध

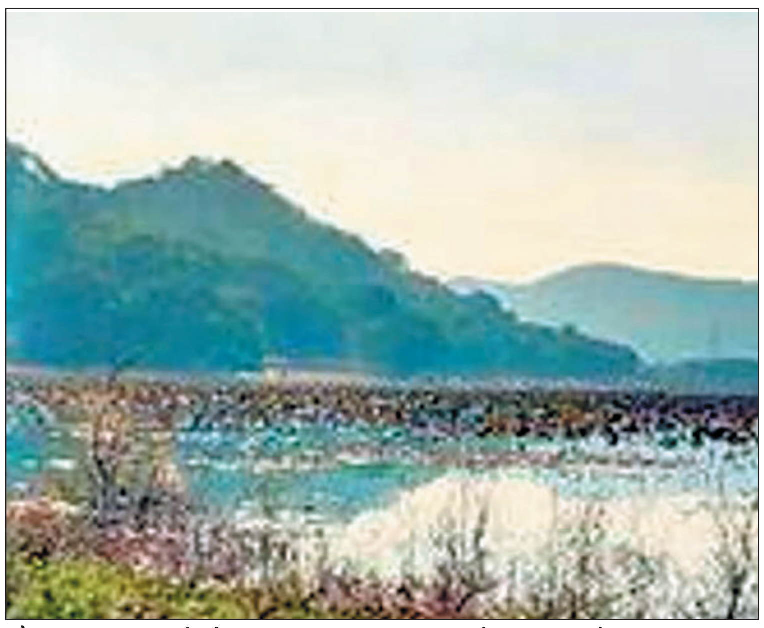

ओडिशा के निवास के सम्बन्ध में ओड़ नाम की एक जाति ही बन गई है। अब इस जाति को भले ही महत्व नहीं मिल रहा हो पर किंवदंतियां इस जाति की महानता के दर्शन करा ही देती है। कहा जाता है कि एक ओड़ ओडशी थी। वन की तरह निर्बंध और वनचारियों की ही स्वच्छंद। सोलह वर्षों में ही उसे सौंदर्य की सोलह कलाएं प्राप्त हो गई थीं। न उसके पास विद्या थी न उसके पास धन था। परंतु उसके पास चरित्र था जो सौ विद्याओं से बढ़ कर होता है। राजा का मन युवती पर ठहर गया। राजा के भय से वह ओड़ार बांध तक आ गई। परंतु राजा के कुचक्र ने यहां तक पीछा किया।

यहां ओड़िया की घनी बस्ती थी। यहां पर लोगों की एकजुटता के राजा को वापस लौटना पड़ा। लेकिन राजा ने उसका पीछा करना नहीं छोड़ा। उनकी जाति के लोग इस कन्या पर ध्यान देना भी छोड़ दिए। राजा से पीछा छुड़ाने के लिए सतीत्व का परिचय देते हुए वह जल मरी। इस घटना ने संपूर्ण ओड़िया जाति के हृदय में आग लगा दी। अब इस स्मृति को जिन्दा रखने के लिए एक ही रात में बांध का निर्माण कर डाले। उस राजा के खिलाफ भोंसला नरेशों ने बगावत की तो राजनांदगांव और खैरागढ़ नरेशों ने मामला को अपने प्रयत्नों से दबा दिया। डोंगरगढ़ के राजा को असहाय कर दिया गया और इस स्थान पर रहने को मजबूर कर दिए। एक सती के त्याग से कई कल्याण यहां कर दिए। एक छली राजा के पश्चाताप से जल पवित्र हो गया। इस विशाल तालाब में हजारों जल जीवों ने जीवन पाया। ऐसी यह घटना ने नांदगांव नरेश महंत बलराम दास का भी ह्रदय अपनी ओर आकर्षित किया। महंत जी ने मछलियों का अपने नगर में आव्हान करते हुए सद्भावना के साथ बांध में एक दरार कर दी। बस, पानी की धार बह निकली। जिसके सहारे हजारों मछलियां मिलों की मंजिल पार कर बात बात में रानी सागर पहुंच गई। मानों सती ने स्वतः अपना जीवित आशीर्वाद महंत जी के किले तक पहुंचा दिया। बांध को ठीक कर दिया गया है, परंतु धार से निकला निशान अब तक देखे जा सकते हैं।

लोक साहित्य : डा कांति कुमार

# छत्तीसगढ़ी का उद्भव काल

छत्तीसगढ़ी के उद्भव और उसके काल के बारे में कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ी इस अंचल की अतिशय बोली या भाषा नहीं है। छत्तीसगढ़ी हैहयवंशी नरेशों तथा गोंडवाना राज्य के नरेशों के राजत्वकाल में जन्मी और पली बढ़ी। कहा जाता है कि रतनपुर नरेश कल्याण साय के पूर्व छत्तीसगढ़ी का नाम ही नहीं था। जॉर्ज ग्रियर्सन ने छत्तीसगढ़ी के इस दंडकारण्य में आगमन का मार्ग जबलपुर मंडला का क्षेत्र बताया है जिसने कालांतर में अपने परिपार्श्व एवं परिपेक्ष्यीय प्रभावों को लेकर एक स्वतंत्र रूप अख्तियार कर लिया।

छत्तीसगढ़ न केवल सांस्कृतिक दृष्टि से मिश्रित या इंद्रधनुषी संस्कृति का प्रदेश है, प्रत्युत भाषाई दृष्टि से भी यह बहुलतावादी भाषिक प्रदेश है। छत्तीसगढ़ में आर्य, निषाद और द्रविड़ तीनों वर्गों की भाषा एवं संस्कृतियों का सह अस्तित्व है। छत्तीसगढ़ क्षेत्र में निषाद एवं द्रविड़ परिवार की अनेक आदिम वन प्रजातियां निवास करती हैं। इन प्रजातियों में कुरकु, खरिया, गदबा,शबरी, कुरुख, गोंड, दोरला, धुरबा और परजा प्रमुख हैं। इन प्रजातियों की विशेषता है कि यह सभी अपनी आदिम बोली के साथ साथ छत्तीसगढ़ी का भी ध्यान रखती हैं और अपनी प्रजाति के बाहर का समस्त लोक व्यवहार छत्तीसगढ़ी के माध्यम से ही सम्पन्न करती हैं।

छत्तीसगढ़ में आग्नेय अथवा द्रविड़ भाषा भाषी व्यक्ति को ही छत्तीसगढ़ी आती है। अतः छत्तीसगढ़ की संपूर्ण जनता चाहे मातृ भाषा के रूप में हो या सरोकार संपर्क भाषा के रूप में हो, छत्तीसगढ़ी का व्यवहार करती हैं। छत्तीसगढ़ी, छत्तीसगढ़ से बाहर अन्य रूपों में मंडला, भंडारा, बालाघाट, चांदा, संबलपुर और छोटा नागपुर के सीमावर्ती क्षेत्रों में बोली समझी जाती हैं। इसके अतिरिक्त छत्तीसगढ़ी श्रमिकों द्वारा देश विदेश में भी प्रयुक्त होती हैं। छत्तीसगढ़ के श्रमिकों का बड़े लंबे समय से आजीविका के लिए देशांतर गमन होता रहा है। यहां के लोग बड़ी संख्या में असम और पूर्वोत्तर राज्यों के चाय बागानों, जमशेदपुर के इस्पात संयंत्र तथा पंजाब - कश्मीर के ईट भट्टों में रोजगार के लिए प्रवासित होते रहे हैं। उनके साथ उनकी भाषा और संस्कृति का भी प्रवर्जन हुआ है। यह भी विदित है कि आज छत्तीसगढ़ के लोग विश्व के अनेक देशों में बस गए हैं और वहां वे अपने पारिवारिक परिसर में छत्तीसगढ़ी का व्यवहार करते हैं। कहा जाता है कि अफ्रीका के हीरा खदानों में भी छत्तीसगढ़ के श्रमिक लंबे समय से कार्यरत हैं। वहां भी उन श्रमिकों द्वारा छत्तीसगढ़ी का व्यवहार किया जाता है। निष्कर्ष रूप में कहा जा सकता है कि छत्तीसगढ़ी भाषा बहुसंख्यक छत्तीसगढ़ियों द्वारा प्रयुक्त होती हैं। इसका व्यवहार क्षेत्र पर्याप्त विस्तृत है।

ऐतिहासिक

डा. पुष्पा तिवारी

## कल्चुरी काल में छत्तीसगढ़ की सामाजिक व्यवस्था

कलचुरी कालीन छत्तीसगढ़ी समाज शनैः शनैः परिष्कृत और परिमार्जित होते होते पूर्ण रूपेण सुसंस्कृत और सभ्य हो चुका था। जहां सभी प्रकार की कलाओं को मुखरित होने का भरपूर अवसर मिला। साक्ष्य इस तथ्य की पुष्टि करते हैं। ऋग्वेद काल से भी पहले उत्तरीय भारत तुलनात्मक रूप से अधिक सभ्य माना जाता था। किन्तु यह सभ्यता जैसे जैसे दक्षिण की ओर आगे बढ़ने लगी इसके साक्ष्य कम होते गए। फिर भी विक्रम खोल के चरित्र की प्राचीन कालीन समानता दर्शाती है कि दक्षिण कोसल अर्थात कल्चुरीकालीन छत्तीसगढ़ पर सामाजिक सांस्कृतिक जीवन पद्धति को नदी घाटी सभ्यता को पूर्णतः प्रभावित किया था। इस क्षेत्र के प्रारंभिक इतिहास पर दृष्टि डालने से ज्ञात होता है कि आर्यों ने विंध्य के दक्षिण में प्रवेश किया था तथा यही दक्षिण कोसल का क्षेत्र था। अतः यह कहा जा सकता है कि समाज की धारणा, उसका संगठन, मूल्य, प्रथाएं, परंपराएं, नीतियां, आचार विचार, विश्वास आदि आर्यों द्वारा समाज को दी गई देन हैं। प्रत्येक समाज की भांति इस क्षेत्र के तत्कालीन समाज में वर्ण व्यवस्था तथा आश्रम व्यवस्था आर्यों के सामाजिक संगठन रूपी रथ के दो पहिए थे जो एक युग से दूसरे युग तक निरन्तर गतिमान थे। वर्ण व्यवस्था परंपरागत सामाजिक व्यवस्था थी, जहां समाज को सुसंगठित , सुदृढ़ और सुनियोजित बनाए रखने का प्रयास किया जाता था।

जनजाति विशेष : एम एस पैंकरा

# कंवर जनजाति की सामाजिक संरचना

कंवर जनजातियों में पितृवंशीय, पितृसत्तात्मक एवं पितृस्थानीय सामाजिक व्यवस्था पाई जाती है। यह समुदाय विभिन्न अंतः विवाहीय उपजातियों में विभक्त है। यह जनजाति मुख्य रूप से तंवर, राठिया, पैंकरा, चेरवा, दुध कंवर आदि उप जातियों में विभक्त है। कंवर जनजाति का एक वर्ग जो बिलासपुर के कोरबा, पेंड्रा, छुरी, लाफा, उपरोड़ा आदि जमींदारियों में जमींदारी प्राप्त किए थे, तंवर या क्षेत्रिय कहलाते हैं और स्वयं को कंवर जनजाति की अन्य उपजातियों से उच्च मानते हैं। यह वर्ग अपने रीति रिवाज, सामाजिक नियम आदि राजपूत क्षत्रियों के समान होना मानते हैं।

कंवर जनजाति के सामान्य कृषक कंवर या सिरदार कहलाते हैं। राठिया उपजाति मुख्यतः सरगुजा जिले में निवास करते हैं। पैंकरा कंवर रतनपुर के हैहयवंशी राजा के सेना में सैनिक थे ऐसा माना जाता है। कमलवंशी कंवर प्रारंभिक कंवर जनजाति के मूल लोग माने जाते हैं। दुध कंवर उपजाति को कालोनिल डाल्टन ने कंवर जनजाति का क्रीम कहा है। इनका स्थान तंवर के बाद माना जाता है।

कंवर जनजाति में एकल एवं संयुक्त परिवार पाए जाते हैं। इनमें रक्त एवं विवाह नातेदारी व्यवस्था की प्रधानता होती है। समुदाय में परिहास एवं परिहार संबंधों का पालन किया जाता है, साथ ही माध्यमिक संबोधन का उपयोग भी बहुतायत में किया जाता है। पारिवारिक सदस्यों के बीच मधुर संबंध पाए जाते हैं और एक निश्चित सीमा तक अंतर्जातीय सहसम्बन्ध मान्य है।

## जैक्सन इंजीनियर्स सौर संयंत्र करेगी स्थापित

**नई दिल्ली।** जैक्सन इंजीनियर्स मध्य प्रदेश में छह गीगावाट क्षमता का एकीकृत सौर विनिर्माण संयंत्र स्थापित करने के लिए 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगी। कंपनी ने बयान में मंगलवार को कहा कि यह राज्य में सबसे बड़ा सौर विनिर्माण निवेश है। बयान में कहा गया है कि ऊर्जा और बुनियादी ढांचा समाधान समूह जैक्सन ग्रुप की कंपनी मध्य प्रदेश के मक्सी फेज-2 में छह गीगावाट का एकीकृत सौर मॉड्यूल, सेल और वेफर संयंत्र स्थापित करने के लिए 8,000 करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर रही है।

# ट्रंप के शुल्क से एप्पल का आईफोन हुआ 'टैरिफ-प्रूफ', भारत में नही बढ़ेंगी कीमतें

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

जब से अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने टैरिफ की घोषणा की है तब से एप्पल पसंद करने वालों के मन में यही सवाल घूम रहा है कि क्या आईफोन महंगा होने वाला है? टैरिफ के बावजूद भारत से एप्पल के आईफोन निर्यात पर अभी तक कोई असर नहीं पड़ा है। अप्रैल में ट्रम्प प्रशासन ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रॉनिक सामानों को रेसिप्रोकल टैरिफ से छूट दी थी।

इस छूट की वजह से आईफोन सहित एप्पल के सेमीकंडक्टर पावर्ड डिवाइस बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के भारत से अमेरिकी बाजार में एंट्री कर रहे हैं। इस छूट ने न केवल एप्पल बल्कि एनवीडिया जैसी अन्य टेक्नोलॉजी कंपनियों को भी राहत प्रदान की है। क्या iPhone की कीमतों पर पड़ेगा असर?

### अप्रैल में ट्रंप प्रशासन ने स्मार्टफोन, कंप्यूटर व अन्य सामानों को रेसिप्रोकल टैरिफ से दी छूट

### एप्पल में अतिरिक्त लागत वहन करने की क्षमता

फिलहाल, एप्पल भारत में अपने विस्तार को रोकने के बजाय किसी भी अतिरिक्त लागत को वहन करने की संभावना रखता है। लेकिन एक रिपोर्ट के मुताबिक, विश्लेषकों ने चेतावनी दी है कि 50 प्रतिशत टैरिफ के जोखिम को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। अगर इसे आईफोन पर लागू किया जाता है, तो इसका असर प्रमुख बाजारों में एप्पल की कीमतों को नया रूप दे सकता है, एकमुश्त बढ़ोतरी के रूप में।

### टैरिफ शील्ड से आईफोन सुरक्षित

टैरिफ शील्ड फिलहाल आईफोन को सुरक्षित रखती है लेकिन स्थिति अभी भी अस्थिर है। धारा 232 के तहत स्टील और एल्युमीनियम पर शुल्क लगाने के लिए शक्तियों का इस्तेमाल पहले ही किया जा चुका है, जिसका असर मछली पकड़ने की रील और झाड़ू जैसी आम वस्तुओं पर भी पड़ रहा है। विशेषज्ञ चेतावनी देते हैं कि यही अधिकार स्मार्टफोन पर भी लागू हो सकते हैं।

### भारत बना प्रोडक्शन हब

एप्पल के लिए भारत अब सिर्फ चीन का विकल्प नहीं बल्कि अमेरिका भेजे जाने वाले आईफोन का प्रोडक्शन हब भी बन गया है। कंपनी की स्थिति मज़बूत है लेकिन भविष्य में कंपनी का फायदा इस बात पर निर्भर करता है कि क्या वाशिंगटन दरवाजा खुला रखता है या नए टैरिफ़ लगाकर उसे बंद करने का फ़ैसला करता है?

## कंपनी भारत में परिचालन मजबूत करेगी

# सुजुकी मोटर अगले पांच-छह साल में भारत में 70,000 करोड़ रुपए का करेगी निवेश: तोशीहिरो

एजेंसी ⏭ हंसलपुर (गुजरात)

जापान की वाहन विनिर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉरपोरेशन के प्रतिनिधि निदेशक एवं अध्यक्ष तोशीहिरो सुजुकी ने कहा कि देश में अपने परिचालन को मजबूत करने के लिए अगले पांच से छह साल में कंपनी 70,000 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुजरात के हंसलपुर विनिर्माण संयंत्र से मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक वाहन ई-विटारा को मंगलवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

- भारत में बनी मारुति की ई विटारा जापान सहित 100 देशों में निर्यात होगी

भारत में बनी मारुति ई-विटारा का जापान सहित 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा। मोदी ने सुजुकी, तोशिबा और डेंसो के लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र का भी उद्घाटन किया जो हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहन बैटरी उत्पादन में सहायक होगा।

**लिथियम की आपूर्ति प्रभावित होने से बैटरी का विनिर्माण रूका:** मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने कहा कि लिथियम की आपूर्ति के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भरता के कारण जोखिम की स्थिति बनी हुई है जो निवेशकों को भारत में बैटरी सेल विनिर्माण में बड़े पैमाने पर निवेश करने से रोक रहा है। अपने संयंत्र में मजबूत हाइब्रिड इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए लिथियम आयन बैटरी सेल के उत्पादन से इतर भार्गव ने उम्मीद जताई कि भारतीय वैज्ञानिक ऐसी प्रौद्योगिकियां विकसित करने में सक्षम होंगे जो बाहरी आपूर्ति पर निर्भरता को हल कर सकें।

### 40 लाख ईकाई प्रति वर्ष तक विस्तार

मारुति सुजुकी इंडिया के चेयरमैन आर. सी. भार्गव ने बाद में पत्रकारों के साथ बातचीत में कहा कि यह निवेश कंपनी के सालाना 40 लाख इकाई उत्पादन के लक्ष्य को पूरा करने के लिए किया जाएगा। प्रस्तावित निवेश क्षेत्रों के बारे में पूछे जाने पर भार्गव ने कहा, 'हम 40 लाख इकाई प्रति वर्ष तक विस्तार कर रहे हैं। अतः 40 लाख इकाई क्षमता का विस्तार, सभी सहायक बुनियादी ढांचे और अनुसंधान एवं विकास तथा नई प्रौद्योगिकियों में निवेश के साथ....इन सभी के लिए काफी धन की जरूरत होगी।''

### चार दशक से परिवहन क्षेत्र में भागीदार

इस अवसर पर तोशीहिरो सुजुकी ने कहा, '' सुजुकी अगले पांच से छह वर्ष में भारत में 70,000 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी।'' उन्होंने कहा, '' सुजुकी ने चार दशक से भी अधिक समय से भारत की परिवहन यात्रा में गर्व से भागीदारी की है। हम भारत के सतत हरित परिवहन के दृष्टिकोण का समर्थन करने और विकसित भारत में योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।''

### जीएसटी परिषद की बैठक 4 सितंबर को

गुजरात में स्थापित होने वाले दूसरे संयंत्र को अंतिम रूप दिए जाने के बारे में पूछे जाने पर भार्गव ने कहा, '' मुझे उम्मीद है कि हम जीएसटी परिषद की बैठक (4 सितंबर को) के बाद इस प्रश्न का अधिक स्पष्ट रूप से उत्तर दे पाएंगे क्योंकि उसके बाद हर कोई यह अनुमान लगाएगा कि जीएसटी संबंधी निर्णयों का भविष्य की वृद्धि पर क्या प्रभाव पड़ने वाला है।''

### समूह पहले ही एक लाख करोड़ का निवेश कर चुका

कंपनी के इस दूसरे संयंत्र की घोषणा पिछले साल 35,000 करोड़ रुपये के निवेश के साथ की गई थी। सुजुकी समूह पहले ही भारत में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश कर चुका है। इन निवेश से मूल्य श्रृंखला में 11 लाख से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी उत्पन्न हुए हैं। मारुति सुजुकी इंडिया की इकाई सुजुकी मोटर गुजरात (एसएमजी) में विशेष रूप से विनिर्मित, निर्यात के लिए तैयार ई-विटारा की पहली खेप पीपावाव बंदरगाह से यूरोपीय क्षेत्र में भेजी जाएगी।

### भारत में कोई भी बैटरी सेल नहीं बना रहा

भार्गव ने कहा, ''हम अभी तक ईवी बैटरियां नहीं बनाते...भारत में कोई भी बैटरी सेल नहीं बना रहा है। आज इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी) की एक समस्या यह है कि लोग सेल को बैटरियों में पैक कर रहे हैं लेकिन सेल का वास्तविक उत्पादन (भारत में) नहीं हो रहा है।'' भार्गव ने जोर देकर कहा कि बैटरी सेल के उत्पादन के लिए संयंत्र स्थापित करना '' एक बहुत ही पूंजी-प्रधान प्रस्ताव है।''

## सुग्स लॉयड का आईपीओ 29 अगस्त को खुलेगा

**नई दिल्ली।** एकीकृत ईपीसी कंपनी सुग्स लॉयड लिमिटेड ने अपने 85.6 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए 117-123 रुपये प्रति शेयर का मूल्य दायरा तय किया है। कंपनी ने मंगलवार को बयान में कहा कि आईपीओ 29 अगस्त को खुलेगा और दो सितंबर को संपन्न होगा। सुग्स लॉयड के शेयर बीएसई के एसएमई मंच पर सूचीबद्ध होंगे। यह आईपीओ पूरी तरह से 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 69.64 लाख नए शेयर का निर्गम है। मूल्य सीमा के ऊपरी स्तर पर कंपनी द्वारा 85.66 करोड़ रुपये जुटाने की उम्मीद है। कंपनी की योजना नए निर्गम से प्राप्त 64 करोड़ रुपये की राशि का इस्तेमाल कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने जबकि शेष राशि सामान्य कॉर्पोरेट कामों एवं निर्गम व्यय पर खर्च करने की है।

नई दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने मंगलवार को भारतीय नौसेना के दो युद्धपोतों का एकसाथ जलावतरण किया है। आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि अत्याधुनिक मल्टी-मिशन स्टील्थ फ्रिगेट मिलने से भारत की नौसेना की क्षमता तो बढ़ी ही है, साथ ही साथ ये डिफेंस मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भी देश की आत्मनिर्भरता के लिए बड़ी सफलता है। विशाखापत्तनम के नौसेना अड्डे पर ये दोनों ही स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना को मिले हैं। इन दोनों अग्रिम पंक्ति के युद्धपोतों का निर्माण अलग-अलग शिपयार्ड में हुआ है। ऐसा पहली बार हुआ है कि भारत में दो युद्धपोतों का एकसाथ जलावतरण किया गया हो।

# भारतीय नौसेना को मिले आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि

## मल्टी-मिशन स्टील्थ फ्रिगेट..समुद्र में दुश्मनों के लिए तबाही | राजनाथ ने किया दो युद्धपोतों का एक साथ जलावतरण

**बेहतर स्टील्थ फीचर से लैस हैं यह दोनों आधुनिक युद्धपोत**

आईएनएस उदयगिरि और आईएनएस हिमगिरि दोनों ही अत्याधुनिक युद्धपोत एडवांस प्रोजेक्ट 17ए क्लास का हिस्सा हैं। ये स्टील्थ फ्रिगेट शिवालिक क्लास फ्रिगेट की अगली कड़ी हैं, जिन्हें समुद्री अभियानों के लिए मल्टी-मिशन रोल के लिए डिजाइन किया गया है। इन दोनों युद्धपोतों में बेहतर स्टील्थ फीचर हैं, इनमें लगे हथियार और सेंसर ज्यादा एडवांस हैं और इनके प्रोपल्शन सिस्टम भी अत्याधुनिक हैं। समुद्र में दुश्मनों के लिए इनकी भनक लगा पाना भी बहुत मुश्किल है।

### युद्धपोत निर्माण में बढ़ती क्षमता का उदाहरण

आईएनएस उदयगिरि का निर्माण मुंबई स्थित मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड ने किया है। वहीं, आईएनएस हिमगिरि को कोलकाता स्थित गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स ने बनाया है। इन दोनों ही युद्धपोतों के निर्माण ने भारत के युद्धक जहाज निर्माण की बढ़ती क्षमता का भी परिचय कराया है। आईएनएस उदयगिरि ऐसा 100वां युद्धपोत है, जिसे भारतीय नौसेना की वॉरशिप डिजाइन ब्यूरो(डब्लूडीबी) ने डिजाइन किया है।

### समुद्र में ऐसे काम आएंगे ये स्टील्थ फ्रिगेट

आईएनएस उदयगिरि और हिमगिरि दोनों ही स्टील्थ फ्रिगेट नौसेना के पूर्वी बेड़े का हिस्सा बनेंगे। इससे हिंद महासागर में भारत की समुद्री सुरक्षा और भी मजबूत हो जाएगी। ये जहाज प्रोजेक्ट17 (शिवालिक) श्रेणी के युद्धपोत हैं। पुराने जहाजों के मुकाबले ये नए जहाज बेहतर डिजाइन, दुश्मनों के रडार से बचने की क्षमता (स्टील्थ), हथियारों और अत्याधुनिक सेंसर से लैस हैं। रक्षा अधिकारियों के मुताबिक ये युद्धपोत कई तरह के काम कर सकते हैं। जैसे कि दुश्मनों से मुकाबला, उनके पनडुब्बियों को ढूंढ़ना, इलेक्ट्रॉनिक लड़ाई लड़ना और निगरानी के काम आना।

## खबर संक्षेप

### शिवकुमार की सफाई- गांधी परिवार मेरा भगवान

बेंगलुरू। कर्नाटक के डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने 21 अगस्त को विधानसभा में आरएसएस की प्रार्थना गीत 'नमस्ते सदा वत्सले मातृभूमे' की कुछ लाइनें गाई थीं। आरएसएस की प्रार्थना गाने को लेकर विवाद के बीच कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने मंगलवार को फिर से सफाई दी। उन्होंने बेंगलुरु में कहा- 'मैं गांधी परिवार और कांग्रेस पार्टी के प्रति अपनी निष्ठा दोहराना चाहता हूं। मैं कांग्रेस में पैदा हुआ और कांग्रेस में ही मरूंगा। पूरे देश में यह संदेश देना चाहता हूं कि मैं कांग्रेस के साथ पूरी तरह समर्पित हूं।

### मराठा आरक्षण : जरांगे नहीं कर सकेंगे प्रदर्शन

मुंबई। महाराष्ट्र में मराठा आरक्षण का चेहरा बन चुके मनोज जरांगे को बॉम्बे हाई कोर्ट से झटका लगा है। जोर देकर कहा गया है कि वे प्रशासन से बिना इजाजत लिए किसी भी तरह का विरोध प्रदर्शन नहीं कर सकते हैं। असल में मनोज जरांगे ने मुंबई कूच का ऐलान किया था, मराठा आरक्षण की मांग को लेकर वे एक बार फिर राज्य में अपना प्रदर्शन तेज करने वाले थे।

## बिहार में चल रही वोट अधिकार यात्रा में राहुल ने साधा निशाना

# बीजेपी ने चुपके से कानून बदला, अब चुनाव आयुक्त पर केस नहीं कर सकते

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी इन दिनों बिहार में हैं और 'वोट अधिकार यात्रा' कर रहे हैं। सूबे के मधुबनी में जनता को संबोधित करते हुए उन्होंने चुनाव आयोग और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधा है। राहुल गांधी ने कहा, 'प्रधानमंत्री तय करते हैं कि इलेक्शन कमिश्नर कौन बनेगा? वहां विपक्ष के नेता की एक नहीं सुनी जाती। राहुल ने कहा, पहले चुनाव आयुक्त पर केस किया जा सकता था। बीजेपी ने चुपके से 2023 कानून बदला और अब चुनाव आयुक्त पर कोई केस नहीं लगाया जा सकता है। सवाल है- ऐसा कानून क्यों बनाया गया? और जवाब है- 'वोट चोरी' करवाने के लिए।' कांग्रेस नेता ने आगे कहा, 'मेरी 'वोट चोरी' से जुड़ी प्रेस कॉन्फ्रेंस पर नरेंद्र मोदी और अमित शाह ने कुछ नहीं कहा। ऐसा इसलिए क्योंकि जब चोर पकड़ा जाता है, तो वह बिल्कुल चुप हो जाता है। उसे पता चल जाता है कि मैं तो फंस गया, अब पकड़ लिया गया हूं।'

**मधुबनी में मंगलवार को प्रियंका व तेलंगाना सीएम रेड्डी भी हुए शामिल**

### शाह के 40 साल का राज

गांधी ने आगे कहा, 'अमित शाह ने बार-बार कहा कि भाजपा की सरकार 40-50 साल तक रहेगी। पहले ये बयान अजीब लगा, अमित शाह को कैसे पता कि 40-50 साल तक सरकार चलेगी। अब सच्चाई सामने आ गई है। अमित शाह ऐसा इसलिए कह पा रहे थे, क्योंकि ये लोग 'वोट चोरी' करते हैं।'

**'गुजरात से शुरू हुई वोट चोरी':** राहुल ने दावा किया कि 'वोट चोरी' इन्होंने अभी नहीं शुरू की। एक दिन ये बाहर आएगा कि ये चोरी कई साल से हो रही है। ये चोरी गुजरात में पहले शुरू हुई, उसके बाद 2014 में नेशनल लेवल पर पहली बार सामने आई. उसके बाद चुन-चुन कर स्टेट जीतते हैं और हरवाते हैं। राहुल ने आगे कहा, 'ये बात मैं नहीं कहता था क्योंकि मेरे पास कोई सबूत नहीं था। मैं झूठ नहीं बोलता हूं, मैं वही बोलता हूं जिसके बारे में मुझे पूरी जानकारी है। मुझे लगा कि कुछ न कुछ गड़बड़ है।

### महाराष्ट्र चुनाव पर ऐसे हुआ शक

राहुल गांधी ने पिछले दिनों हुए चुनावों का जिक्र करते हुए कहा, 'महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में हमारा गठबंधन जीतता है। लेकिन चुनाव आयोग में पूरी पार्टियां गायब हो गईं। इसके बाद हमने पता लगाना शुरू किया, तो पता लगा कि लोकसभा के बाद चुनाव आयोग ने लाखों वोटर्स लिस्ट में डाल दिए। जहां भी नए वोटर आए, वहां पर बीजेपी जीत गई. हमारे वोट कम नहीं हुए। लोकसभा में हमें 100 वोट मिले, विधानसभा में 100 वोट मिले. हमारे वोट कम नहीं होते हैं, लेकिन बीजेपी के वोट बढ़ते हैं।' गांधी ने कहा, ' महाराष्ट्र में इन्होंने थोड़ा सा ज्यादा कर दिया और हमने पकड़ लिया। अगर कोई आपके बटुए से दस रुपए चोरी करे, तो शायर आपको पता नहीं लगे लेकिन अगर एक दिन आपके बटुए से हजार रुपए गायब हो गए, तो आपको लगेगा कि किसी ने चोरी की है।

### प्रधानमंत्री ने तो वोट ही चुरा लिए: प्रियंका

कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा 'वोटर अधिकार यात्रा' में शामिल हुईं और आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने लोकसभा चुनाव में मुख्य विपक्षी दल पर 'भैंस चुराने'' का आरोप लगाया था, लेकिन अब उन्होंने तो वोट ही चुरा लिए। उन्होंने यह दावा भी किया कि जनता का विश्वास खो चुकी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) देश भर में 'वोट चोरी' की साजिशें रच रही है। प्रियंका गांधी अपने भाई राहुल गांधी, तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी, राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव और विपक्षी 'इंडिया' (इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इंक्लूसिव अलायंस) गठबंधन के कुछ अन्य नेताओं के साथ एक खुली एसयूवी में सवार थीं।

# सर्वोच्च न्यायालय ने दी एडहॉक शिक्षकों और कर्मचारियों को बड़ी राहत

### सरकारें अब नहीं टाल सकती रेगुलराइजेशन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने एक अहम फैसले में कहा है कि सरकारी संस्थान अब लंबे समय तक एड-हॉक या अस्थायी कर्मचारियों से नियमित और स्थायी प्रकृति का काम नहीं ले सकते। अदालत ने साफ किया कि सरकारें वित्तीय संकट या पदों की कमी का हवाला देकर कर्मचारियों को स्थायी करने से इनकार नहीं कर सकतीं। जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संदीप मेहता की पीठ ने अपने फैसले में कहा – 'आउटसोर्सिंग को शोषण का साधन नहीं बनाया जा सकता। जहां काम स्थायी रूप से हर दिन और हर साल होता है, वहां संस्थान को अपनी स्वीकृत संरचना और भर्ती व्यवस्था में इसका स्पष्ट प्रतिबिंब दिखाना होगा।'न्यायमूर्ति नाथ ने टिप्पणी की कि राज्य (केंद्र और राज्य सरकारें) सिर्फ बाजार के भागीदार नहीं, बल्कि संवैधानिक नियोक्ता हैं।

### यूपी उच्च शिक्षा आयोग का मामला

यह फैसला उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग के दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों की याचिका पर आया है। आयोग ने वित्तीय तंगी और रिक्तियों की कमी का हवाला देकर नियमितीकरण से इनकार कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने आयोग का यह तर्क खारिज कर दिया और कहा कि लंबे समय तक अस्थायी लेबल पर नियमित श्रम लेना प्रशासनिक पारदर्शिता को चोट पहुंचाता है और समान संरक्षण के संवैधानिक वादे का उल्लंघन करता है।

### सरकारों को चेतावनी

सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला न केवल एड हॉक शिक्षकों बल्कि लाखों अस्थायी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत माना जा रहा है। अदालत ने सरकारों को चेतावनी दी है कि स्थायी कार्यों के लिए अस्थायी कर्मचारियों का इस्तेमाल करना अब संवैधानिक जिम्मेदारी से बचने का साधन नहीं हो सकता।

### बांग्लादेश में नहीं पाल सकते रोहिंग्या : यूनुस

ढाका। बांग्लादेश के मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस ने सोमवार को कहा कि देश में रोहिंग्या समुदाय के लोगों को पालना मुश्किल होता जा रहा है। उन्होंने कहा देश में 13 लाख से ज्यादा रोहिंग्या हैं। यूनुस ने कहा- यह बांग्लादेश के साथ दुनिया के लिए भी एक बड़ी चुनौती है। दुनिया को इस मुद्दे पर एक साथ आना चाहिए और रोहिंग्या मुस्लिमों को उनके घर वापस पहुंचाने में मदद करना चाहिए। म्यांमार में अगस्त 2017 से हो रही हिंसा के बाद रोहिंग्या समुदाय के लोगों ने देश छोड़ दिया था।

# महू में गरजे सीडीएस चौहान- शांति चाहिए तो युद्ध के लिए रहें तैयार

महू। भारत के चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान ने चीन, पाकिस्तान को सीधा मैसेज दिया है। उन्होंने देश की सुरक्षा और भविष्य की तैयारियों पर भी कई जानकारियां दी हैं। उन्होंने कहा कि भारत हमेशा शांति का समर्थक रहा है, लेकिन ताकत के बिना शांति केवल एक कल्पना बनकर रह जाती है। मध्यप्रदेश के मऊ में आर्मी वार कॉलेज में आयोजित रण संवाद कार्यक्रम में सीडीएस चौहान ने ऑपरेशन सिंदूर और आने वाले समय में भारत की नई रक्षा प्रणाली सुदर्शन चक्र पर भी खुलकर चर्चा की। सीडीएस ने कहा कि आधुनिक चुनौतियों का सामना करने के लिए केवल शांति की इच्छा पर्याप्त नहीं, बल्कि इसके साथ-साथ रणनीतिक शक्ति और तैयारी भी जरूरी है। सुदर्शन चक्र न सिर्फ देश के सैन्य और नागरिक स्थलों की रक्षा करेगा, बल्कि यह भारत की रक्षा रणनीति में नई दिशा भी तय करेगा।

### 'ताकत के बिना शांति सिर्फ एक कल्पना है'

सीडीएस चौहान ने साफ किया कि भारत हमेशा शांति का पक्षधर रहा है, लेकिन ताकत के बिना शांति सिर्फ एक कल्पना है। भारत शांति प्रिय राष्ट्र है, लेकिन हमें किसी भी स्थिति में शांतिवादी नहीं समझना चाहिए। शांति बनाए रखने के लिए शक्ति जरूरी है। जैसा कि एक लैटिन कहावत है कि अगर शांति चाहते हो तो युद्ध के लिए तैयार रहो।

### ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र कर क्या बोले सीडीएस

ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि यह एक आधुनिक संघर्ष था, जिससे कई अहम सीख मिली हैं। उन्होंने कहा कि कई सुधार लागू किए जा चुके हैं और कुछ पर काम चल रहा है। यह ऑपरेशन अभी भी जारी है, लेकिन इस सेमिनार का उद्देश्य ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा करना नहीं, बल्कि उससे आगे की रणनीति पर बात करना है।

**चीन के वैज्ञानिकों ने किया दुनिया को हैरान**

# चमत्कार, इंसानी शरीर में लगा सूअर का फेफड़ा

एजेंसी ▶▶| बीजिंग

मेडिकल साइंस चमत्कार का दूसरा नाम है। वैज्ञानिक और डॉक्टर नई-नई खोजों में लगे रहते थे। जिनपर पहली बार में विश्वास कर पाना मुश्किल होता है। ऐसा ही एक मामला पहली बार देखने को मिला है, जब साइंटिस्ट ने एक सूअर का फेफड़े इंसान के अंदर लगाकर देखा। यह शोध यह देखने के लिए की गई थी कि क्या दो प्रजातियों के बीच ऑर्गन ट्रांसप्लांट किया जा सकता है या नहीं? चीन के वैज्ञानिकों ने दुनिया का ऐसा पहला ट्रांसप्लांट सफल कर दिखाया है, जिसमें इंसान के अंदर सूअर का फेफड़ा लगाया गया। ये ट्रांसप्लांट एक ब्रेन डेड इंसान के अंदर किया गया था। जानवर के फेफड़े को जेनेटिकली मोडिफाइड किया गया था ता कि इम्यून सिस्टम इसे स्वीका करने से मना ना कर दे। यह खोज ट्रांसप्लांट के लिए मौजूद

अंगों की कमी को खत्म करने में मदद कर सकती है। यह एक्सपेरिमेंट चीन की गुआंगजौ मेडिकल यूनिवर्सिटी के साइंटिस्ट ने मई 2024 में की थी। इसे ब्रेन हेमरेज के बाद ब्रेन डेड घोषित 39 वर्षीय पुरुष के अंदर किया गया। वैज्ञानिकों ने उसके परिवार की सहमति के बाद उसके एक फेफड़े को जेनेटिकली इंजीनियर्ड सूअर के लेफ्ट लंग से बदला। सूअर के फेफड़े ने 9 दिन, 216 घंटे तक बिना किसी साइड इफेक्ट, इंफेक्शन या अस्वीकृति के काम किया।

### क्या हुआ मुश्किल ऑपरेशन का अंजाम?

*हालांकि जिस मरीज के शरीर में फेफड़ा लगाया गया था, वो नौ दिनों तक जीवित रहा और अंग काम करता रहा। वैज्ञानिकों के लिए ये बड़ी उम्मीद इसलिए है क्योंकि 9 दिन तक फेफड़े ने सांस लेने का काम किया और इंसानी शरीर ने इसे तुरंत रिजेक्ट नहीं किया। ट्रांसप्लांट के बाद 24 घंटे में फेफड़े में कुछ सूजन और लिक्विड का जमा होना शुरू हुआ, जिससे उसे नुकसान पहुंचा। रिसर्चर्स के मुताबिक इंसान के शरीर ने जैसे ही इसे बाहर का अंग समझा, उसके इम्यून सिस्टम ने धीरे-धीरे फेफड़े पर हमला शुरू कर दिया। उन्होंने दवाओं के जरिए इसे कंट्रोल करना चाहा लेकिन ये हो नहीं सका।*

## राशिफल

**मेष** — धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

**वृष** — वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

**मिथुन** — शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

**कर्क** — आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

**सिंह** — सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

**कन्या** — किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

**तुला** — मन में उतार–चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

**वृश्चिक** — शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

**धनु** — आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर–परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

**मकर** — व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन–सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

**कुंभ** — मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

**मीन** — परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

## शब्द पहेली - 5970

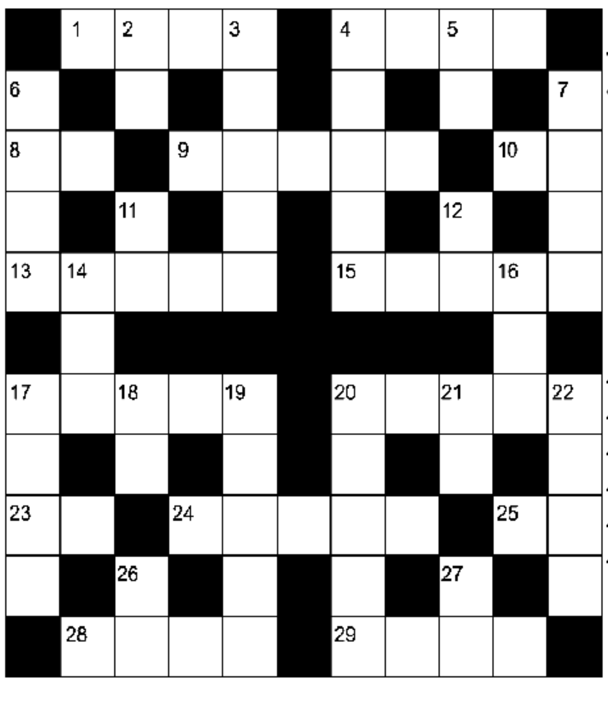

**बाएँ से दाए-**

1. जानकारी-4
4. मांसाहार का उलट-4
8. 'जुम्मा चुम्मा दे दे' गीत वाली फिल्म-2
9. कायाकल्प-5
10. पिता के छोटे भाई-2
13. कहानी लिखने वाला-5
15. नाम रखना-5
17. बेवक्त, अकाल-5
20. प्रयास, कोशिश-5
23. टोंटी, नलका-2
24. कामदेव, पुष्कर-2,3
25. डर, भय-4
28. शोर-शराबा-4
29. बेवफा, व्यभिचारी-4

**ऊपर से नीचे**

2. बिंदु, बिंदी, शून्य-2
3. गोलाकार-3
4. सम्मिलित होना-3,2
5. घाटा, नुकसान-2
6. मूर्ख, बेवकूफ-4
7. बिना कारण, बेवजह-4
11. राजा की पत्नी-2
12. वहम, संदेह-2
14. दुर्घटना-3
16. खाना बनाने की जगह, किचन-3
17. एकाएक, सहसा-4
18. अलमस्त-2
19. कमल ककड़ी, कमल डंडी-3,2
20. आरामदायी-5
21. सम्मान-2
22. भलमानसता-4
26. सद, अच्छा-2
27. मृत्यु, प्रारब्ध, न्याय निर्णय-2

**शब्द पहेली -5969 का हल**

## सूडोकु नवताल 5980

★★★★★ कठिनतम

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | 4 | | | | 3 | |
| | | 6 | | 2 | | 4 | | |
| | | 8 | | | 5 | | | |
| | 3 | | | | | | 7 | |
| 7 | | | | 4 | | | | 9 |
| | 9 | | | | | | 5 | |
| | | | 2 | | | 1 | | |
| | | 1 | | 7 | | 6 | | |
| | 5 | | | | 3 | | | |

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

**सूडोकु नवताल - 5979 का हल**

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 7 | 8 | 5 | 4 | 2 | 9 | 6 | 3 | 1 |
| 3 | 6 | 4 | 1 | 5 | 7 | 8 | 9 | 2 |
| 9 | 2 | 1 | 6 | 3 | 8 | 7 | 4 | 5 |
| 6 | 5 | 3 | 2 | 8 | 4 | 9 | 1 | 7 |
| 1 | 7 | 2 | 3 | 9 | 6 | 4 | 5 | 8 |
| 4 | 9 | 8 | 7 | 1 | 5 | 2 | 6 | 3 |
| 2 | 4 | 7 | 5 | 6 | 1 | 3 | 8 | 9 |
| 5 | 3 | 9 | 8 | 4 | 2 | 1 | 7 | 6 |
| 8 | 1 | 6 | 9 | 7 | 3 | 5 | 2 | 4 |

## खबर संक्षेप

### ग्रैंडस्लैम एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बने वोंग

**न्यूयॉर्क।** इक्कीस वर्ष के कोलमैन वोंग 1968 के बाद से ओपन युग में किसी ग्रैंडस्लैम में एकल मैच जीतने वाले हांगकांग के पहले खिलाड़ी बन गए। वोंग ने अमेरिका के अलेक्जेंडर कोवासेविच को सीधे सेटों में 6-4, 7-5, 7-6 से हराया। जीत के बाद उन्होंने कहा मेरे लिये यह बड़ा पल है। मेरे परिवार और हांगकांग के लोगों के लिये भी।'' वोंग के आदर्श रफेल नडाल हैं और उनका परिवार स्पेन जा बसा था ताकि वह राफा नडाल अकादमी में प्रशिक्षण ले सकें। वोंग ने कहा ,''यह टूर्नामेंट हर टेनिस खिलाड़ी का सपना है। हर खिलाड़ी यहां अच्छा प्रदर्शन करना चाहता है। मैं इस लय को कायम रखना चाहता हूं।

### आस्ट्रेलियाई ओपन के पहले दौर में हारी कीस

**न्यूयॉर्क।** आस्ट्रेलियाई ओपन चैम्पियन मेडिसन कीस को अमेरिकी ओपन के पहले दौर में मैक्सिको की 82वीं रैंकिंग वाली रेनेटा जाराजुआ ने हराकर उलटफेर कर दिया। छठी वरीयता प्राप्त कीस ने 89 सहज गलतियां और 14 डबल फाल्ट किये जिसकी वजह से उन्हें 7-6, 6-7, 5-6 से पराजय का सामना करना पड़ा। अन्य मुकाबलों में ब्राजील के 19 वर्ष के जोओ फोंसेका ने अमेरिकी ओपन में पदार्पण के साथ जीत दर्ज करते हुए मियोमीर केसमानोविच को 7-6, 7-6, 6-3 से हराया। वहीं कनाडा की 18 वर्ष की विकी एमबोको ने दो बार के ग्रैंडस्लैम चैम्पियन बारबोरा क्रेसिकोवा को 6-3, 6-2 से मात दी। दो बार की विम्बलडन चैम्पियन पेत्रा क्वितोवा को डायने पैरी ने 6-1, 6-0 से हराया। 2022 में सेमीफाइनल तक पहुंची कैरोलिन गार्सिया अपने कैरियर के आखिरी टूर्नामेंट में कामिला रखिमोवा से 6-4, 4-6, 6-3 से हारकर बाहर हो गई।

### हॉकी एशिया कप में दर्शकों को निशुल्क प्रवेश

**राजगीर।** इंडिया ने घोषणा की कि 29 अगस्त से शुरू हो रहे एशिया कप में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश मिलेगा। हॉकी इंडिया ने एक बयान में कहा ,'' प्रशंसक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू टिकट जिनी डॉट इन या हॉकी इंडिया ऐप के जरिये मुफ्त टिकट पा सकते हैं। उन्हें प्रक्रिया पूरी करने पर वर्चुअल टिकट मिलेगा। हीरो पुरूष एशिया कप में आठ टीमें भारत, जापान, चीन, कजाखस्तान, मलेशिया, कोरिया, बांग्लादेश और चीनी ताइपै भाग लेंगी। यह 2026 में नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है। भारत को पूल ए में जापान, चीन और कजाखस्तान के साथ रखा गया है।

### बंगाल वारियर्स के कप्तान बने देवांक दलाल

**कोलकाता।** बंगाल वारियर्स ने मंगलवार को प्रो कबड्डी लीग के 12वें सत्र के लिए स्टार रेडर देवांक दलाल को अपना कप्तान बनाने की घोषणा की। अनुभवी डिफेंडर नितेश कुमार डिफेंस कप्तान होंगे। दो करोड़ 20 लाख 50 हजार रुपये के साथ सबसे महंगे भारतीय खिलाड़ी बने देवांक ने सिर की गंभीर चोट से उबरने के दो साल बाद 11वें सत्र में रिकॉर्ड 301 रेड अंक बनाए थे। पीकेएल के सत्र में 100 टैकल अंक के आंकड़े को पार करने वाले एकमात्र खिलाड़ी नितेश ने अपने करियर में 400 से अधिक टैकल अंक जुटाए हैं और बंगाल की टीम के डिफेंस में अपनी उपयोगिता साबित करते रहे हैं।

# 16 साल के रियो ने अंतिम पल में न्यूकैसल का सपना किया चकनाचूर

एजेंसी ▶▶| लंदन

सेंट जेम्स पार्क में खेले गए इस मुकाबले को प्रीमियर लीग के सबसे रोमांचक मैचों में गिना जाएगा। पांच गोल, एक रेड कार्ड, 10 खिलाड़ियों वाली न्यूकैसल यूनाइटेड ने जबरदस्त वापसी की लेकिन अंतिम समय यानी 100वें मिनट में लिवरपूल के 16 साल के खिलाड़ी रियो के निर्णायक गोल ने पूरा मुकाबला ही बदल दिया और विपक्षी टीम का सपना चकनाचूर कर दिया। लिवरपूल के युवा खिलाड़ी रियो न्गुमोहा ने सबसे कम उम्र में प्रीमियर लीग में गोल करके इतिहास रच दिया और अपनी टीम को जीत दिला दी।

### मैच से पहले तनावपूर्ण माहौल

इस मैच का बैकग्राउंड पहले से ही गर्म था। न्यूकैसल के स्टार स्ट्राइकर अलेक्जेंडर इसाक के संभावित लिवरपूल ट्रांसफर की अफवाहों ने माहौल को और अधिक उबाल दिया था। इसाक ने खुलेआम क्लब छोड़ने की इच्छा जताई थी, लेकिन न्यूकैसल ने 150 मिलियन की मांग पूरी हुए बिना उन्हें बेचने से इनकार कर दिया।

### एकिटिके भी रहे खबरों में

उधर, लिवरपूल के लिए नया स्ट्राइकर ह्यूगो एकिटिके भी खबरों में थे। न्यूकैसल उन्हें साइन करना चाहता था, लेकिन वह लिवरपूल में शामिल हो गए। इससे न्यूकैसल के फैंस नाराज़ हो गए और मैच से पहले ही उन्होंने एकिटिके पर तंज कसा।

### लिवरपूल को दिलाई 3-2 से दमदार जीत

### एंथनी को रेड कार्ड, लिवरपूल का दबदबा

मैच की शुरुआत में न्यूकैसल यूनाइटेड ने आक्रामक रुख अपनाया और कई मौके बनाए, लेकिन अलेक्जेंडर इसाक की गैरमौजूदगी साफ़ झलक रही थी। लिवरपूल ने रयान ग्रेवेनबेर्च के ज़रिए बढ़त बनाई और फिर एकिटिके ने स्कोर 2-0 कर दिया। हालात तब और बिगड़ गए जब न्यूकैसल के एंथनी गॉर्डन को पहले हाफ के अंतिम क्षणों में वर्जिल वान डाइक पर फाउल करने के लिए रेड कार्ड दिखाया गया।

### न्यूकैसल के ब्रूनो व ओसुला ने स्कोर किया बराबर

दूसरे हाफ की शुरुआत में न्यूकैसल ने हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने अपने सेट पीस का बखूबी इस्तेमाल किया। ब्रूनो गुइमारेस ने लिवरामेंटो के थ्रो-इन को गोल में बदला और फिर विलियम ओसुला ने गोल कर स्कोर 2-2 कर दिया। न्यूकैसल ने 10 खिलाड़ियों के साथ शानदार वापसी की और ऐसा लग रहा था कि मैच ड्रॉ पर खत्म होगा।

### रियो बने सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर

मैच का सबसे खास और ऐतिहासिक पल 100वें मिनट में आया, जब 16 साल और 361 दिन के रियो न्गुमोहा ने गोल कर लिवरपूल को 3-2 से जीत दिला दी। इस गोल के साथ वह क्लब के सबसे कम उम्र के गोल स्कोरर बन गए और प्रीमियर लीग इतिहास में वेन रूनी के बाद चौथे सबसे युवा गोल करने वाले खिलाड़ी भी बने।

### लिवरपूल चमकता सितारा

रियो न्गुमोहा का यह डेब्यू किसी सपने से कम नहीं था। अगर यह परफॉर्मेंस उनकी प्रतिभा की झलक है, तो लिवरपूल को भविष्य का एक चमकता सितारा मिल चुका है। मर्सीसाइड और टाइनसाइड आज रियो न्गुमोहा के नाम को लंबे समय तक याद रखेंगे।

## दलीप ट्रॉफी 2025 का आगाज 28 से, रोमांचक मैचों की श्रृंखला होगी शुरू

# किशन ईस्ट, शार्दुल वेस्ट, तिलक साउथ और शुभमन बने नॉर्थ जोन के कप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दलीप ट्रॉफी 2025 की शुरुआत 28 अगस्त से हो जाएगी। इस घरेलू टूर्नामेंट में कई अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी हिस्सा लेते हुए नजर आएंगे। हाल ही में इंग्लैंड दौरे पर भारत की कप्तानी करने वाले शुभमन गिल नॉर्थ जोन का नेतृत्व करते हुए नजर आएंगे।

बता दें कि उनके नेतृत्व में खेलते हुए एंडरसन-तेंदुलकर ट्रॉफी 2025 आखिर में 2-2 से बराबर रही थी। दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट की टीमें, शेड्यूल घोषित हो गया है। सभी मैच भारतीय समयानुसार सुबह 9:30 बजे से शुरू होंगे।

### 28 अगस्त से शुरू होगा टूर्नामेंट

28 अगस्त को दोनों क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। पहले क्वार्टर फाइनल मैच में नॉर्थ जोन का सामना साउथ जोन से होगा। इसके बाद दूसरे क्वार्टर फाइनल में सेंट्रल जोन और साउथ जोन की टीमें आमने-सामने होंगी। इसके बाद 4 सितंबर से दोनों सेमीफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। आखिर में 11 सितंबर से फाइनल मुकाबला खेला जाएगा। यह सभी मैच बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस ग्राउंड-ए और बी, बेंगलुरु में खेले जाने तय हैं।

### साउथ जोन

**टीम :** तिलक वर्मा (कप्तान), मोहम्मद अजहरुद्दीन (उपकप्तान), तन्मय अग्रवाल, देवदत्त पडिक्कल, मोहित काले, सलमान निजार, नारायण जगदीसन, त्रिपुराना विजय, आर साई किशोर, तनय त्यागराजन, विजयकुमार वैश्यक, निधिश एमडी, रिकी भुई, बासिल एनपी, गुरजापनीत सिंह, और स्नेहल कौथंकर।

### ईस्ट जोन

**टीमः** ईशान किशन (कप्तान), अभिमन्यु ईश्वरन (उपकप्तान), संदीप पटनायक, विराट सिंह, डेनिश दास, श्रीदाम पॉल, शरणदीप सिंह, कुमार कुशाग्र, रियान पराग, उत्कर्ष सिंह, मनीषी, सूरज सिंधु जायसवाल, मुकेश कुमार, आकाश दीप और मोहम्मद शमी।

### वेस्ट जोन

**टीमः** शार्दुल ठाकुर (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, आर्या देसाई, हार्विक देसाई (विकेटकीपर), श्रेयस अय्यर, सरफराज खान, रुतुराज गायकवाड़, जयमीत पटेल, मनन हिंगराजिया, सौरभ नवाले (विकेटकीपर), शम्स मुलानी, तनुश कोटियन, धर्मंद्रसिंह जडेजा, तुषार देशपांडे और अर्जन नागवासवाला।

### सेंट्रल जोन की कप्तानी करेंगे ध्रुव जुरेल

**टीमः** ध्रुव जुरेल (कप्तान/ विकेटकीपर), रजत पाटीदार, आर्यन जुयाल, दानिश मालेवार, संजीत देसाई, कुलदीप यादव, आदित्य ठाकरे, दीपक चाहर, सारांश जैन, आयुष पांडे, शुभम शर्मा, यश राठौड़, हर्ष दुबे, मानव सुथार और खलील अहमद।

### नॉर्थ जोन

**टीमः** शुभमन गिल (कप्तान), शुभम खजूरिया, अंकित कुमार (उपकप्तान), आयुष बडोनी, यश ढुल, अंकित कलसी, निशांत संधू, साहिल लोत्रा, मयंक डागर, युद्धवीर सिंह चरक, अर्शदीप सिंह, हर्षित राणा, अंशुल कंबोज, औकिब नबी और कन्हैया वधावन।

**एशियाई चैम्पियनशिप**

## राइफल निशानेबाज सिफत को एशियाई चैम्पियनशिप में दो स्वर्ण

एजेंसी ▶▶| शिमकेंट (कजाखस्तान)

ओलंपियन सिफत कौर सामरा ने एशियाई निशानेबाजी चैम्पियनशिप में मंगलवार को यहां महिलाओं की 50 मीटर राइफल थ्री पोजिशंस में व्यक्तिगत वर्ग का स्वर्ण जीतने के साथ भारत को टीम स्पर्धा में भी पीला तमगा दिलाया। विश्व रिकॉर्डधारी सामरा ने फाइनल में 459 . 2 स्कोर करके चीन की यांग यूजी (458 . 8) को हराया। वहीं सामरा, अंजुम मुद्गिल और आशी चौकसे की तिकड़ी ने टीम वर्ग में स्वर्ण पदक जीता। एशियाई चैम्पियनशिप में यह सामरा का चौथा स्वर्ण है। वह आठ निशानेबाजों के फाइनल में 589 अंक के साथ शीर्ष पर रहते हुए फाइनल में पहुंची थी।

### सामरा और आशी फाइनल में पहुंचे

भारत की श्रियांका साडंगी क्वालीफिकेशन में शीर्ष पर रही थी लेकिन वह सिर्फ रैंकिंग अंकों के लिये खेल रही थी लिहाजा सामरा और आशी पहले और चौथे स्थान पर रहकर फाइनल में पहुंचे। सामरा ने नीलिंग में 151 . 0 और प्रोन में 156 . 2 स्कोर किया। स्टैंडिंग एलिमिनेशन दौर में वह चीनी प्रतिद्वंद्वी से 0 . 4 अंक आगे रही। जापान की नोबाता मिसाकी (448 . 2) को कांस्य पदक मिला । आशी 402 . 8 अंक लेकर सातवें स्थान पर रही।

### खिलाड़ियों का ऐसा रहा प्रदर्शन

क्वालीफिकेशन में सामरा ने 589 स्कोर किया जबकि आशी का स्कोर 586 और अंजुम का 578 रहा। तीनों ने कुल 1753 अंक के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। जापान 1750 अंक लेकर दूसरे और दक्षिण कोरिया 1745 अंक के साथ तीसरे स्थान पर रहा। दो बार की ओलंपियन अंजुम 41 निशानेबाजों में 22वें स्थान पर रही। सोमवार को राष्ट्रीय खेल चैम्पियन नीरू ढांडा ने महिला ट्रैप वर्ग में स्वर्ण जीता था।

**केरल क्रिकेट लीग**

## संजू ने एक गेंद पर बनाए 13 रन; गेंदबाज के उड़ाए होश

एजेंसी ▶▶| तिरुवनंतपुरम

केरल क्रिकेट लीग 2025 में संजू सैमसन ने बल्ले से गजब का तमाशा दिखाया। एक ही गेंद पर दो छक्के लगाकर 13 रन बटोरे। संजू ने न केवल मैदान में बल्कि सोशल मीडिया पर भी तहलका मचा दिया।

लीग के मुकाबले में मंगलवार को तिरुवनंतपुरम के ग्रीनफील्ड इंटरनेशनल स्टेडियम में संजू ने कोच्चि ब्लू टाइगर्स की ओर से खेलते हुए त्रिशूर टाइटन्स के खिलाफ 46 गेंदों पर 89 रन ठोके, जिसमें 4 चौके और 9 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे।

### दूसरा सिक्स लगते ही झूम उठे दर्शक

मैच का सबसे रोमांचक पल पांचवें ओवर में आया, जब त्रिशूर टाइटन्स के कप्तान सिजोमन जोसेफ की गेंद पर सैमसन ने डीप एक्स्ट्रा कवर के ऊपर लंबा छक्का जड़ा। अंपायर ने इसे नो-बॉल करार दिया और अगली गेंद फ्री-हिट मिली। सैमसन ने मौके को भुनाते हुए मिडविकेट पर एक और छक्का जड़ दिया। इस तरह एक गेंद से कुल 13 रन बने और स्टेडियम तालियों से गूंज उठा।

## सिंधू की पहले दौर में संघर्षपूर्ण जीत

**पेरिस।** दो बार की ओलंपिक पदक विजेता और पूर्व चैंपियन पीवी सिंधू ने मंगलवार को यहां बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप में खराब शुरुआत से उबरते हुए बुल्गारिया की कालोयाना नलबांटोवा को सीधे गेम में हराया। विश्व की 15वें नंबर की खिलाड़ी सिंधू शुरुआत में थोड़ी असहज नजर आई लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने अपनी लय हासिल कर ली और अपने आक्रामक खेल का शानदार नजारा पेश करते हुए महिला एकल के अपने पहले दौर के मुकाबले में 69वीं रैंकिंग की बुल्गारियाई खिलाड़ी को 23-21, 21-6 से हराया। भारत की इस 30 वर्षीय खिलाड़ी को शुरुआत में संघर्ष करना पड़ा और उन्होंने कुछ गलतियां की जिसके कारण एक समय वह 0-4 से पीछे चल रही थी।

### एशिया कप में जिस मैच में खेले बुमराह, नहीं हारी टीम इंडिया

**नई दिल्ली।** एशिया कप के इतिहास की सबसे सफल टीम भारत है, जिसने सर्वाधिक 8 खिताब (वनडे और टी-20 दोनों को मिलाकर) जीते हैं। भारतीय क्रिकेट टीम 9 सितंबर से शुरू होने वाले अगले संस्करण में एक बार फिर प्रबल दावेदार होगी। दिलचस्प रूप से जसप्रीत बुमराह ने इस टूर्नामेंट में जब भी कोई मैच खेला है, टीम को उसमें जीत मिली है। एशिया कप में सर्वाधिक जीत दिलाने वाले भारतीय खिलाड़ियों के बारे में जानते हैं। बुमराह ने एशिया कप में कुल 13 मैच खेले और सभी मैच भारतीय टीम ने जीते थे। उन्होंने वनडे प्रारूप में 2018 और 2023 के संस्करणों में कुल 8 मैच खेले थे, जिसमें 16.58 की औसत और 3.83 की औसत के साथ 12 विकेट लिए थे। बुमराह ने टी-20 प्रारूप में हुए एशिया कप में 5 मैचों में 15.66 की औसत और 5.22 की इकॉनमी रेट के साथ कुल 6 विकेट लिए थे।

## महिला विश्व कप ट्रॉफी इंदौर पहुंची...

**इंदौर।** आईसीसी महिला एकदिवसीय विश्व कप ट्रॉफी टूर ने शहर के सबसे ऐतिहासिक और दर्शनीय स्थलों, जैसे राजवाड़ा पैलेस, गांधी हॉल, केंद्रीय संग्रहालय, सिरपुर झील और पितृ पर्वत का भ्रमण करते हुए इंदौर में अपना पड़ाव डाला। तीस सितंबर से शुरू होने वाले इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट के दौरान इंदौर पांच मैचों की मेजबानी करेगा।

**सिनक्यूफील्ड कप**

### प्रज्ञानानंदा को संयुक्त बढ़त, गुकेश हारे

**सेंट लुइस।** भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा ने फ्रांस के अलीरजा फिरोजा को हराकर ग्रैंड शतरंज टूर के सिनक्यूफील्ड कप के सातवें दौर के बाद संयुक्त बढत बना ली। लगातार ड्रॉ के बाद प्रज्ञानानंदा की यह दूसरी जीत है। वह अमेरिका के फेबियानो कारूआना के साथ 4.5 अंक लेकर शीर्ष पर हैं जबकि विश्व चैम्पियन डी गुकेश को अमेरिका के वेसली सो के हाथों पराजय का सामना करना पड़ा। लेवोन आरोनियन और वेसली चार अंक लेकर तीसरे स्थान पर हैं। फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर लाग्रेव, पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ और अमेरिका के सैमुअल सेवियान संयुक्त पांचवें स्थान पर हैं। गुकेश और अलीरजा तीन तीन अंक लेकर अगले स्थान पर हैं जबकि नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव डेढ अंक के साथ आखिरी स्थान पर हैं।

## समय सीमा निकल जाने के बाद लेनी होगी एसीसी से परमिशन

# एशिया कप की टीमें 30 तक बदल सकती हैं खिलाड़ी

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

एशिया कप 2025 की तैयारियां जोरों पर हैं। यह टूर्नामेंट इस बार 9 सितंबर से 28 सितंबर तक संयुक्त अरब अमीरात के अबू धाबी और दुबई में खेला जाएगा। खास बात यह है कि इस बार टूर्नामेंट टी20 फॉर्मेट में होगा, जो कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले सभी टीमों के लिए एक बेहतरीन तैयारी का मौका होगा।

प्रतियोगिता में कुल आठ टीमें भाग लेंगी, जिन्हें दो ग्रुप में बांटा गया है। खास बात यह है कि एसीसी ने भाग ले रहीं टीमों को 30 अगस्त तक छूट दी है कि वे अपने स्क्वाड में बिना अनुमति के बदलाव कर सकती हैं। समय सीमा बीत जाने के बाद टीमों में बदलाव के लिए एसीसी से अनुमति लेनी होगी। एशिया कप 2025 में भारत-पाकिस्तान का पहला मुकाबला 14 सितंबर को होगा।

### स्क्वॉड में बदलाव के लिए तारीख घोषित

टूर्नामेंट से पहले सभी टीमें अपने-अपने स्क्वॉड की घोषणा कर चुकी हैं। भारत, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, हांगकांग और ओमान ने अपनी-अपनी टीमों की घोषणा कर दी है। श्रीलंका और यूएई ने अब तक अपनी टीम नहीं बताई है।

एशियाई क्रिकेट परिषद की गाइडलाइंस के अनुसार, 30 अगस्त तक टीमें बिना किसी अनुमति के अपने स्क्वॉड में बदलाव कर सकती हैं। ये बदलाव किसी चोटिल खिलाड़ी की जगह भी हो सकते हैं या बिना किसी विशेष कारण के भी।

### तारीख निकलने के बाद लेनी होगी एसीसी की अनुमति

अगर 30 अगस्त के बाद एशिया कप के लिए किसी टीम को अपने स्क्वॉड में बदलाव करना है, तो उन्हें एसीसी से विशेष अनुमति लेनी होगी। इसका मतलब है कि सभी टीमें 30 अगस्त की डेडलाइन से पहले अपनी योजनाएं अंतिम रूप देने में जुटी हुई हैं।

### भारत-पाक की भिड़ंत का इंतजार

एशिया कप का सबसे बहुप्रतीक्षित मुकाबला 14 सितंबर को खेला जाएगा, जब भारत और पाकिस्तान आमने-सामने होंगे। दोनों टीमें पहले लीग चरण में भिड़ेंगी, लेकिन यही मुकाबला सुपर-4 में दोबारा हो सकता है। अगर दोनों टीमें फाइनल तक का सफर तय करती हैं, तो तीसरी बार भी इनका आमना-सामना होगा। यानी फैंस को इस बार भारत-पाकिस्तान की टक्कर तीन बार देखने को मिल सकती है।

# प्रथम पृष्ठ का शेष

## चतुर्योग में आज...

सत्य मन और शक्ति को लेकर असंतुलन होगा और जीवन में बाधाएं आयेंगी तो उसके निवारण का सारा उत्तरदायित्व भगवान श्रीगणेश का होगा, इसलिए लोग हर साल प्रथम पूज्य गणेश की स्थापना और सेवा का विधान गणेश पक्ष में करते हैं।

## शुभ संयोग भक्तों...

का नही अपितु अपने भक्त की समस्या के समूल नाश के लिए मानसिक एकाग्रता और शांति भी प्रदान करने वाला संयोग बन रहा है।

## 50 फीसदी ट्रंप...

देश में उपयोग के लिए मंजूरी दे दी गई हो या 17 सितंबर, 2025 को 12:01 बजे (ईडीटी) से पहले उपभोग के लिए गोदाम से बाहर ले जाया गया हो और आयातक ने एक विशेष 'कोड' घोषित करके अमेरिकी सीमा शुल्क को यह प्रमाणित किया हो।

## जस्टिस संजय जाएंगे...

गौरतलब है कि सुप्रीम कोर्ट के कॉलेजियम ने इसी साल 6 मार्च को आयोजित बैठक के दौरान न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन को उनके जम्मू-कश्मीर और लद्दाख से मध्य प्रदेश ट्रांसफर किया था। उनका जन्म 24 मई, 1966 को हुआ, जस्टिस श्रीधरन ने 1992 में दिल्ली में वकालत शुरू की। जिसके बाद साल 2001 में इंदौर चले गए। जहां उन्होंने मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ में अपनी वकालत जारी रखी। अप्रैल 2016 में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के अतिरिक्त न्यायाधीश नियुक्त किए गए।

## इनका हुआ...

पंजाब एवं हरियाणा) -दिल्ली हाईकोर्ट से केरल हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह – इलाहाबाद हाईकोर्ट से मद्रास हाईकोर्ट न्यायमूर्ति रोहित रंजन अग्रवाल इलाहाबाद हाईकोर्ट से कलकत्ता हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति मनोवेंद्रनाथ रॉयः गुजरात हाईकोर्ट से आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति डोनाड़ी रमेश इलाहाबाद हाईकोर्ट से आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट. न्यायमूर्ति संदीप नटवरलाल भट्ट – गुजरात हाईकोर्ट से मध्यप्रदेश हाईकोर्ट,न्यायमूर्ति चंद्रशेखरन सुधा – केरल हाईकोर्ट से दिल्ली हाईकोर्ट, न्यायमूर्ति तारा वितस्ता गंजू – दिल्ली हाईकोर्ट से पटना हाईकोर्ट और न्यायमूर्ति सुभेंदु सामंता कलकत्ता हाईकोर्ट से आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट शामिल हैं।

## फुर्सत में 52...

कि वे हाथियों के निकट न जाएं और किसी भी प्रकार की सूचना तत्काल विभाग को उपलब्ध कराएं। कटघोरा वनमंडलाधिकारी ने बताया कि इस तस्वीर ने न केवल हाथियों के सामाजिक जीवन एवं पारिवारिक बंधन को उजागर किया है, बल्कि यह भी दर्शाया है कि जंगल इनके लिए सुरक्षित घर और आश्रय स्थल है।

## बंद कमरे में...

24 अगस्त को पीड़ित की मौत हो गई। मामला सिटी कोतवाली थाना क्षेत्र का है। जहां जिला अस्पताल की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। **मुआवजे की मांग**-घटना की जानकारी लगने के बाद जिला पंचायत संजय नेताम पीड़ित परिवार से मिलने घर पहुंचे। आदिवासी विकास परिषद के उमेंदी कोर्राम, लोकेश्वरी नेताम ने कहा कि जिला मुख्यालय से लगे गांव में इस तरह की घटना कई सवाल खड़ा करता है। आदिवासी नेताओं ने पीड़ित परिवार को 50 लाख का मुवावजा और मामले में एफआईआर दर्ज करने की मांग की है।

## बंद कमरे में...

को भी सुबह उपचार शुरू किया। बंद कमरे में भाई का इलाज हो रहा था, लेकिन अचानक दोनों कथित डॉक्टर कमरे से निकल कर कहा कि इंजेक्शन लगाया गया है, कोई अंदर मत जाना। आराम करने दो। यह कह कर बचत 10 हजार मांगे निकल गए। डॉक्टरों के जाते ही बेटी कमरे में दाखिल हो गई। खून से लथपथ तड़प रहा था। आनन फानन में जिला अस्पताल लिया गया, जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया।

## कांग्रेस ने किया...

0 आपने एक धर्म गुरु के यहां जन्म लिया, धर्म से जुड़े काम करते, आप राजनीति में कैसे आ गए? 00 हमारे पिता जी लगातार धार्मिक कार्यों में सक्रिय रहे हैं। हमारे पिता ने हम सभी भाई-बहनों को अच्छी से अच्छी शिक्षा दिलाने का भी काम किया। स्कूली शिक्षा मेरी तिल्दा के सेंचुरी सीमेंट के स्कूल में हुई। इंजीनियरिंग शंकराचार्य जुनवानी भिलाई से की। इसके बाद एमटेक किया। पढ़ाई के बाद जब घर आए तो देखा पिता दिन रात समाज के लिए काम कर रहे हैं तो हमारा भी मन किया तो हम भी जुड़ गए। 0 राजनीति में केवल समाज की सेवा करने के लिए आए, या फिर राजनीति में ही जलवा है, इसलिए आए? 00 हमें जलवा की जरूरत नहीं है। हम गुरु परिवार से आते हैं तो वैसे ही सम्मान बहुत है। हमारा उद्देश्य महज समाज सेवा ही है। 0 **राजनीति में लाया कौन**? - 00 कौन लाया इससे कोई फर्क नहीं पड़ता है। पिता जी का आशीर्वाद था, उनके कहने पर ही राजनीति में आने का काम किया है। उन्होंने ही हाथ पकड़ कर राजनीति में कदम रखवाने का काम किया है। हमने सोचा सबसे पुरानी पार्टी कौन सी है तो ऐसे में कांग्रेस से जुड़ने का फैसला किया गया। हमारे पूर्वज भी पहले कांग्रेस पार्टी में रहे हैं। कांग्रेस में जाने के बाद काफी समय तक उनकी नीति को समझने का प्रयास किया। उसके माध्यम से जन सेवा भी करने का प्रयास किया। लेकिन हमने देखा किस तरह से कांग्रेस में भेदभाव की राजनीति चल रही है। किसी एक वर्ग को सम्मान दिया जा रहा है किसी एक वर्ग को छोड़ दिया जा रहा है। यह भी देखा कि किसी धर्म का अपमान भी किया जा रहा है। ये सारी चीजें हमने देखी। हम जिस समाज के हैं, उस समाज के लिए भी कोई कल्याणकारी योजनाएं नहीं निकल रही थी। इससे आहत होकर हमने अपने एससी वर्ग के राष्ट्रीय अधिवेशन में राष्ट्रीय अध्यक्ष के सामने अपनी बात भी रखी। अपनी बात रखने के बाद भी समाज के लिए कोई योजना नहीं बनी। हमने देखा देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का स्लोगन है, सबका साथ सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास। इसमें हमें हमारे परम पुज्य गुरु घासीदास बाबा का संदेश नजर आया। इसके बाद मैंने भाजपा में प्रवेश किया। मैं देख रहा हूं, समाज, प्रदेश और देश का विकास हो रहा है। 0 ऐसा तो नहीं कि कांग्रेस में एक गुरु, रुद्र गुरु थे, इसलिए सोचा भाजपा में चलते हैं? 00 रुद्र गुरु हमारे आदरणीय भैया है। ऐसा कुछ नहीं है। हमारी लगातार मुलाकात भी होती थी, लगातार चर्चाएं भी होती थीं। कांग्रेस के पांच साल के कार्यकाल में गिरौदपुरी के लिए भी कुछ काम नहीं किया गया। सतनामी समाज के साथ कांग्रेस ने भेदभाव ही करने का काम किया है। इस बात को रूद्र गुरु भी जानते हैं। उनको इस बात को पार्टी में रखना चाहिए। 0 रुद्र गुरु का भाजपा में कोई भविष्य देखते हैं? 00 भाजपा विश्व की सबसे विशाल पार्टी है। उनका स्वागत है, आ सकते हैं। मैं राष्ट्रीय और प्रदेश नेतृत्व से जरूर चर्चा करूंगा। वे आते हैं तो उनका स्वागत करेंगे। बड़े भाई रुद्र गुरु से भी चर्चा करेंगे, भाजपा के शीर्ष नेतृत्व से भी चर्चा करेंगे। 0 मंत्रिमंडल में पहले नहीं लिए गए थे, तब दर्शक दीर्घा में बैठे कैसा लगा था? 00 हमको पहली बार टिकट मिला और वह भी आरंग से। हम मायूस नहीं बहुत ज्यादा खुश थे। मुख्यमंत्री के रूप में जब विष्णुदेव साय का नाम आया तो बहुत खुश हुए। दोनों डिप्टी सीएम के नाम से भी खुशी मिली। मंत्रिमंडल में नए और अनुभवी चेहरों को मौका मिलते देखकर खुशी हुई थी। 0 आपके समाज में भाजपा को लेकर विश्वास नहीं दिखता है, कारण क्या है? 00 ऐसा नहीं है। समाज के बहुत से लोग भाजपा से भी जुड़े हैं और कांग्रेस से भी जुड़े हैं। ऐसा समय भी रहा है, जब एससी की 9 सीटें भाजपा ने जीती थीं। समाज लगातार भाजपा का समर्थन करता है। बहुत सी सीटों पर हमारे समाज का प्रभाव है। हमारे समाज के समर्थन से भाजपा जीतती है। 0 क्या जरूरतें हैं आपके समाज कीं। 00 बहुत सारी जरूरतें हैं। हमारे समाज के लोग चाहते हैं कि उनके क्षेत्र का तो विकास हो, साथ ही समाज के लोगों का शिक्षा का भी विकास हो। समाज के लिए मुख्यमंत्री लगातार काम कर रहे हैं। 0 हर मामले में मुख्यमंत्री का ही नाम ले रहे हैं, भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव हैं, उनकी भी कोई भूमिका है या नहीं? 00 हमारे प्रदेशाध्यक्ष हैं किरण देव उनका हमेशा मार्गदर्शन मिलता है। वे लगातार मुझे अपने छोटे भाई की तरह प्रेम करते हैं। मुझे हर कार्यक्रम में ले जाते हैं। 0 रवींद्र चौबे का एक बयान है, उन्होंने कहा, हम चाहते हैं भूपेश बघेल एक बार फिर से सरकार का नेतृत्व करें, पार्टी का नेतृत्व करें, इस बारे में क्या कहते हैं? 00 भूपेश बघेल जब पांच साल सरकार में थे, तब किस प्रकार प्रदेश का बंटाधार हुआ है, सबसे देखा है। उन्होंने युवाओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ करने का काम किया है। कांग्रेस पार्टी फूट डालो राज करो की नीति पर चलती है। उसी नीति पर ही भूपेश बघेल भी काम करते हैं। छत्तीसगढ़ को बर्बाद करने का काम भूपेश बघेल ने किया है। रवींद्र चौबे कहीं न कहीं उनके सहयोगी रहे हैं। उस भ्रष्टाचार में लिप्त रहे हों, जो प्रदेश में किया गया, इसलिए वे चाहते हैं कि भूपेश बघेल फिर से बने। उनके रहते तो उनके जो चहेते हैं उनको ही मौका मिलता है। युवा और नए चेहरों को मौका नहीं मिलता है। प्रदेश की जनता जानती है, उनको फिर से मौका देने वाली नहीं है। आने वाले समय में हम लोग इतनी मेहनत करेंगे कि आगे भी भाजपा की सरकार बनती रहे। 0 कई वरिष्ठों को मौका नहीं मिला, वो शपथ ग्रहण में भी नहीं आए? 00 सभी ने मुझे फोन करके बधाई दी। बहुत सारे वरिष्ठ वहां पर उपस्थित भी थे। भाजपा हमेशा नए चेहरों को मौका देती है। भाजपा किसी के साथ भेदभाव नहीं करती है।

## सब्सिडी के साथ...

से मुफ्त योजनाओं पर कितना खर्च कर रही है, यह तथ्य मंगलवार को हरिभूमि में प्रमुखता से प्रकाशित खबर के माध्यम से सामने आने के बाद ये सवाल भी सामने आया है कि सरकार और किन-किन मदों पर राशि खर्च करती है, उसके बाद राज्य के विकास कार्यों के लिए कितनी राशि शेष रह जाती है।

## बीजापुर में 100...

दी गई, जब अपराह्न करीब तीन बजे पहाड़ की ढलानें ढह गईं और पत्थर, शिलाखंड और चट्टानें तेजी से नीचे गिरने लगीं। अचानक आई आपदा से श्रद्धालु चपेट में आ गए। अधिकारियों ने बताया कि अर्द्धकुंवारी स्थित इंद्रप्रस्थ भोजनालय के पास बचाव अभियान जारी है, जहां अपराह्न करीब तीन बजे भूस्खलन की घटना हुई।

## 24 घंटे से मूसलाधार...

लोगो को आवागमन नहीं करने की सख्त हिदायत दी है। बाढ़ के बीच चेरपाल रपटा पार करने के दौरान एक ग्रामीण बह गया। जिला मुख्यालय बीजापुर से लगभग 12 किमी दूर स्थित पदेड़ा नदी में बहा ग्रामीण कृष्णा जुर्री किसी तरह मरकापाल घाट के करीब टापू पर फंस गया, जिसकी खबर मिलते ही मौके पर पहुंची एसडीआरएफ की टीम ने घटों मशक्कत के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाकर ग्रामीण को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

## लोगों व वाहनों...

और आवाजाही करने वाली गाड़ियां फंस गई है। दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई है। लगातार बारिश से जिला मुख्यालय से लगे चेरपाल, गंगालूर समेत दर्जन भर से ज्यादा गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से टूटा हुआ है। लगातार बारिश से इलाके में जनजीवन बुरी तरह अस्त व्यस्त हो गया है। बारिश से बिगड़े हालात को देखते हुए प्रशासन भी एलर्ट मोड पर है लोगों को सतर्क रहने की हिदायत दी गई है।

## सीएम साय ने ...

राहत एवं बचाव कार्यों की प्रगति जानी और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। राजस्व सचिव श्रीमती कंगाले ने मुख्यमंत्री को बताया कि दंतेवाड़ा, बीजापुर और बस्तर जिले में बाढ़ की स्थिति बनी हुई है। बस्तर जिले के लोहंडीगुड़ा, दरभा और तोकापाल विकासखंडों में प्रशासन लगातार राहत कार्य संचालित कर रहा है। लोहंडीगुड़ा विकासखंड के ग्राम मांदर से 21 ग्रामीणों को सुरक्षित निकाला गया है। वहीं, लोहंडीगुड़ा क्षेत्र में हेलीकॉप्टर और नाव की सहायता से ग्रामीणों को रेस्क्यू कर सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। बीते 24 घंटों में 68 से अधिक लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है।

## छत्तीसगढ़ में निवेश...

से किसानों को अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिलेगा और कृषि आधारित उद्योगों को नई मजबूती प्राप्त होगी। साथ ही, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण सुविधा राज्य को उच्च-तकनीकी उत्पादन का नया केंद्र बनाएगी और युवाओं को आधुनिक उद्योगों से जुड़ने का अवसर प्रदान करेगी।

## बिल को कोर्ट...

लिए राज्यपालों और राष्ट्रपति के वास्ते समय-सीमा निर्धारित कर सकता है। साल्वे ने दलील दी, 'न्यायालय राज्यपालों को विधेयकों पर मंजूरी देने के लिए आदेश-पत्र जारी नहीं कर सकता... किसी कानून पर मंजूरी न्यायालय द्वारा नहीं दी जा सकती। किसी कानून पर मंजूरी या तो राज्यपालों द्वारा या राष्ट्रपति द्वारा दी जानी चाहिए।संविधान पीठ में न्यायमूर्ति सूर्यकांत, न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति ए एस चंदुरकर भी शामिल हैं।

## एक तिहाई स्कूली...

है। सर्वेक्षण रिपोर्ट में कहा गया, ग्रामीण क्षेत्रों में यह दर अधिक है, जहां दो-तिहाई (66.0 प्रतिशत) छात्र सरकारी विद्यालयों में नामांकित हैं, जबकि शहरी क्षेत्रों में यह दर 30.1 प्रतिशत है। निजी गैर-सहायता प्राप्त (मान्यता प्राप्त) विद्यालयों में देशभर में 31.9 प्रतिशत छात्र नामांकित हैं। राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (एनएसएस) के 80वें दौर का हिस्सा, सीएमएस शिक्षा सर्वेक्षण, विशेष रूप से स्कूली शिक्षा में वर्तमान में नामांकित छात्रों के घरेलू खर्च पर केंद्रित था। सर्वेक्षण के दौरान कंप्यूटर-सहायता प्राप्त व्यक्तिगत साक्षात्कार (सीएपीआई) का उपयोग करके पूरे भारत में 52,085 परिवारों और 57,742 छात्रों से आंकड़े एकत्रित किये गए। सर्वेक्षण के मुताबिक करीब एक तिहाई छात्र (27.0 प्रतिशत) चालू शैक्षणिक वर्ष के दौरान निजी कोचिंग ले रहे थे या ले चुके थे। अधिकारियों ने हालांकि, स्पष्ट किया कि इसके निष्कर्षों की तुलना वर्तमान सर्वेक्षण के निष्कर्षों से सीधे तौर पर नहीं की जा सकती। शिक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, एनएसएस के 75वें दौर में आंगनवाड़ी केंद्रों को पूर्व-प्राथमिक शिक्षा के अंतर्गत वर्गीकृत नहीं किया गया था और स्कूली शिक्षा पर व्यय में निजी कोचिंग भी शामिल थी। हालांकि, इस सर्वेक्षण में आंगनवाड़ियों को पूर्व-प्राथमिक श्रेणी में वर्गीकृत किया और स्कूली शिक्षा और निजी कोचिंग पर खर्च के आंकड़ों को अलग से एकत्र और प्रस्तुत किया गया।

**छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, रायपुर (छ.ग.)**

**ई-प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in**
**(द्वितीय आमंत्रण)**

सिस्टम निविदा क्र. 174260/ निविदा सूचना क्र. 07/वलेलि / 2025-26, राजनांदगांव दिनांक 25.08.2025
निम्नलिखित कार्यों के लिए दिनांक 11.09.2025 17:30 तक ऑन लाईन निविदाए आमंत्रित की जाती है:-
**कार्य का नाम:** राजनांदगांव जिले के डोंगरगांव विकासखण्ड अन्तर्गत शिवनाथ व्यपवर्तन के मुख्य नहर आर.डी. 0 मी. से 26790 मी. का लाईनिंग एवं पुनर्निर्माण कार्य एवं 29 नग स्ट्रक्चर अर्थात 03 नग साईफन, 02 नग नॉन कन्ट्रोलिंग वियर, 18 नग इनलेट, 06 नग माईनर हेड (रातापायली, किरगी-1, किरगी-2, भंवरमरा, भोथली, संबलपुर) एवं भिन्न भिन्न चेन पर 73 नग कुलापा एवं पूर्व निर्मित व्ही.आर.बी. के विंग वॉल एवं पैरापेट वॉल का मरम्मत कार्य। **अनुमानित लागतः रू. 5371.53 लाख।** अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 01.09.2025 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है। नोट: निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित / पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है।

**कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग, राजनांदगांव (छ.ग.)**
**जी. 252603063/2 कृते मुख्य अभियंता महानदी गोदावरी कछार, जल संसाधन विभाग, रायपुर, छ.ग.**

सभी प्रकार की एलर्जी • जैसे नाक • कान • गला • आंख • श्वास की (अस्थमा) • त्वचा
छाती रोग • अस्थमा • सी.पी.ओ.डी. • फेफड़े सिकुड़ना • पानी भरना • न्यूमोनिया • स्वाइन फ्लू • मोटापे • खर्राटे • छाती दर्द
50 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त हॉस्पिटल 24 घंटे आपात चिकित्सा
Vrinda Multispeciality Hospital Chest & Allergy Centre
वृन्दा चेस्ट एंड एलर्जी मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल
अवंति विहार चौक, लोधीपारा, पंडरी रोड, कांपा, रायपुर (छ.ग.) संपर्क : 8962566221, 07714916125, 7223065604

मोतियाबिंद
आयुष्मान कार्ड सुविधा
SBH साईं बाबा नेत्र हॉस्पिटल
छोटी लाईन ब्रिज के पास, फाफाडीह, रायपुर 9644099925

बच्चों के सभी ऑपरेशन किये जाते हैं।
अष्टविनायक हॉस्पिटल
आयुष्मान कार्ड/शासन कार्ड द्वारा ऑपरेशन संभव
बच्चों के विशेषज्ञ सर्जन डॉ. रितेश रंजन (MCH, पीडियाट्रिक सर्जन)
आमा सिवनी, विधानसभा रोड, रायपुर (छ.ग.) 7987225800, 9301744425

असली केंदवा मलहम
ढक्कन पर केंदवा मलहम लिखा देखें। रजि.नं. 573034बी देखकर खरीदें। ओरिजनल का होलोग्राम (हरि) देखकर खरीदें।
दाद, खाज, खुजली, केंदवा के लिये। HMS देखकर खरीदें
बाल्य रोगों व चुरना, दस्त (कृमि) के लिए विशेष लाभकारी
सुखौना टेबलेट
20 वर्षों से प्रसिद्ध 94060-21769

Since-2000 केश शिखा (हर्बल ट्रीटमेंट)
मात्र 15 दिनों में
प्रोप्रायटरी - आयुर्वेदिक ऑईल
बालों का झड़ना रोकता है
बाल काले, घने व मुलायम भी बनाता है
सभी आयुर्वेदिक एवं ऐलोपैथिक दुकानों में उपलब्ध।
Customer Care No. - 9425296176

हरिभूमि छत्तीसगढ़ के डायग्नोस्टिक सेन्टर
THE DIAGNOSTIC CARE
दि अमेरिकन लेबोरेटरी अ सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
ट्यूबरक्युलोसिस मध्यभारत का सबसे बड़ा सुपरस्पेस्लिटी डायग्नोस्टिक
• जीनएक्सपर्ट/सीबीएनएटी (टीएटी- 12-24 घंटे) बलगम
• क्वांटिफेरॉन-टीबी गोल्ड प्लस (क्यूएफटी प्लस) (टीएटी-48 घंटे) खून
• एएफबी कल्चर (एमजीआईटी320) (टीएटी- 21-42 दिन)
पता- सीटी कोतवाली के पास, सीएसईबी ऑफिस के सामने, बुढ़ापारा, रायपुर 492007
मो. 8098518020, 9004051230, 7828184773
लैब प्लस पैथोलाजी
क्वालिटि के साथ जांच की गारंटी
पैथोलाजी जाँच के लिए पैकेज में जांच कराये व अपने पैसे बहुतायत से बचायें।
सभी प्रकार के बीमारियों के लिए पैकेज उपलब्ध
पैकेज की जानकारी के लिए सम्पर्क करे- 9039055548, 9300000989, 9300000702
विज्ञापन हेतु संपर्क करें - 9303508130, 9302016344, 7909631282

epaper- www.haribhoomi.com
हरिभूमि Classified
Email- hbclassified375@gmail.com
आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact For Advertisement Booking
Ring Road No.-2, Gourav Path, Bilaspur
Mo.- 9826782100

## आवश्यकता है

**वश्यकता है-** दुकान में कार्य करने के लिए अनुभवी लड़कों एवं रिक्शा चालक की आवश्यकता है पेमेंट भरपुर मात्रा में सम्पर्क करें- नैतिक ट्रेडर्स, सरजू बगीचा बिलासपुर 7711006641 **(38511)**

**आवश्यकता है-** होलसेल मेडिकल एजेन्सी में माल निकालने, पैकिंग कार्य हेतु लड़के, लडकियों की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार अनुभवी को प्राथमिकता सम्पर्क करें- श्रीगुरुकृपा मेडिकल एजेन्सी मेडिकल काम्पलेक्स तेलीपारा बिलासपुर 9301357092 **(38541)**

**आवश्यकता है-** ऑफिस मेनेजमेंट एवं फिल्ड कार्य करने के लिए 10वीं 12वीं पास लड़के, लड़कियो, पुरुषों महिलाओं की आवश्यकता है वेतन 12000 से 15000 सम्पर्क करें- श्री राम होम एप्लायन्सेस 9325941209, 7974814166 **(38539)**

**आवश्यकता है-**आफिस में काम करने हेतु लड़कों की। कम्प्यूटर के जानकार को प्राथमिकता सम्पर्क करें- दोपहर 1-5 बजे तक ए.के. अग्रवाल एण्ड कम्पनी, प्रथम तल मोहरा बिल्डिंग जूनी लाइन बिलासपुर 9425530647 **(38537)**

**आवश्यकता है-**शादी भवन में कार्य करने हेतु सुपरवाईजर चाहिए अनुभवी को प्राथमिकता (मिलने का समय सुबह 10 से दोप. 1 एवं शाम 5-7) सम्पर्क- हरिअमृत मैरिज रिसोर्ट सीपत रोड मोपका बिलासपुर 98271 14005 **(1475)**

**आवश्यकता है-**बिलासपुर, कोरबा, जांजगीर, रायगढ़ अंबिकापुर मनेन्द्रगढ़ जिलों में सुरक्षागार्ड, सुपरवाईजर ड्राइवर की आवश्यकता है पीएफ ईएसआई मेडिकल आवास सुविधा फ्री सम्पर्क करें- सिद्धी विनायक सिक्यूरिटी राजेंद्र नगर बिलासपुर 9111175190, 9098318675 **(38458)**

**आवश्यकता है-**ज्वेलरी शॉप में सेल्स हेतु 4पद बिलिंग हेतु 2पद की आवश्यकता है वेतन योग्यता अनुसार। केवल अनुभवी ही सम्पर्क करें- Kamla सतीश्री ज्वेलर्स, हनुमान मन्दिर के बगल में, बर्तन लाइन में, सदर बाजार, बिलासपुर 9827174256, 9907901110 (कृपया कॉल करके आयें) **(38535)**

**आवश्यकता है-**UTN शॉप में सर्व कार्य करने हेतु लड़के एवं लड़कियों की आवश्यकता है मासिक वेतन 10000 से 15000 पता-शॉप नं-16 प्रथम तल सीएलसी प्लाजा मंगला चौक बिलासपुर 78060 07192, 7999594790 **(38538)**

**आवश्यकता है-**(1) हॉस्टल कार्य हेतु लड़के, लड़की (2) रिसेप्शन सम्भालने हेतु स्मार्ट लड़के, लड़कियां (3) पार्सल, खाना डिलीवरी हेतु लड़के (4) इंडियन, चाइनीज खाना बनाने हेतु कुक चाहिए सम्पर्क करें- 9329233000 **(38533)**

**आवश्यकता है-**एक समाज सेवी संस्था तिफरा बिलासपुर में पुरूष कर्मचारियों की अतिशीघ्र आवश्यकता है वेतन 7000 से 8000 इच्छुक व्यक्ति सम्पर्क करें- 8103631312 **(38531)**

**आवश्यकता है-**पार्सल डिलीवरी करने हेतु लड़कों की आवश्यकता है सैलरी 14 रुपए प्रति पार्सल 14 रुपए रिटर्न पिकअप पता- पुलिस सहायता केन्द्र के सामने विजडम निर्माण ट्रान्सपोर्ट नगर बिलासपुर सम्पर्क करें- 9993329397, 8319560558 नोट- पैकेज बेस में पार्सल दिया जाता है जिसमें 25000 से 30000 प्रति माह इनकम कर सकते हैं **(38517)**

**आवश्यकता है-**सफाई के लिए एक परिवार सुविधा रहने की बेहतरीन व्यवस्था बिजली पानी व सिलेंडर सहित, होलसेल गिफ्ट शॉप में नौकरी का सुनहरा मौका 18-25 वर्ष के लड़के, 11000 मासिक+ प्रति वर्ष वेतन वृद्धि 10:30 AM से 9:30 PM सम्पर्क करें- देवपुरी रायपुर 84481 07841, 9302708426 **(216)**

**आवश्यकता है-**अर्जेंट भर्ती वन सुरक्षा को जिला अनुसार लड़के, लड़कियों की आवश्यकता है पद संख्या- 790 वन रक्षक फील्ड ऑफिसर माली वन सिपाही सैलरी 27500+ 56500 पढ़ाई 8वी से स्नातक रहना+ खाना की सुविधाएं आवेदन करने के लिए आधार कार्ड मार्क शीट फोटो व्हाट्सएप करे- सचिन शर्मा-7054311719 **(1114)**

**आवश्यकता है-**सुरक्षागार्ड, गनमैन, सुपरवाइजर, कम्प्यूटर ऑपरेटर फील्ड ऑफिसर कामवाली बाई, ड्राइवर। वेतन योग्यतानुसार आवास फ्री पता- श्रीसांई सिक्युरिटी सर्विस साई निवास कॉम्प्लेक्स जेजे हॉस्पिटल के बाजू तोरवा बिलासपुर 8253010291, 8889997826, 80852 33213 **(38449)**

**आवश्यकता है-**OMI कम्पनी में ऑफिस हेतु लड़के, लड़कियां चाहिए। योग्यता 10वीं से ग्रेजुएट, उम्र 18 से 28 आय 8500 से 18000, रहना खाना पता- न्यू बस स्टैण्ड तिफरा बिलासपुर 88188 77406, 9644433021 **(38536)**

**आवश्यकता है-**नर्सिंग होम में कार्य करने हेतु ट्रेण्ड नर्स एवं कम्पाउंडर की आवश्यकता है। सम्पर्क करें- जय अम्बे नर्सिंग होम महाराणा प्रताप चौक रिंग रोड नं.-2 बिलासपुर 99819 70853 **(38507)**

**आवश्यकता है-**आकर्षक ऑफर पैन पेंसिल कंपनी में घर बैठे काम करके शिक्षित बेरोजगार लड़के, लड़कियां, महिलाऐ पुरुष पैकिंग 24500 से 62500 महीना कमाऐ फन्ड+ बोनस सम्पर्क करें- 9654778825 **(1123)**

**आवश्यकता है-**नटराज पेन पेंसिल रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही है अगर आपको नौकरी की जरूरत है तो सम्पर्क करें- 9202613238, 92291 87457 **(1113)**

**आवश्यकता है-** Fraud call से सावधान Airtel jio 5G कम्पनी में घर बैठे पार्ट/ फुल टाईम SMS जॉब करके लड़के लड़कियां गृहणियां कमाए 15000 से 45000 महिना लैपटॉप+ मोबाइल मुफ्त Name Qualification Call/ Whats App/ SMS करें- 07295935703 **(1121)**

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

**आवश्यकता है-**पेन्सिल पेन रबड़ के माध्यम से घर बैठे पैकिंग नौकरी की सुविधा भारत के हर क्षेत्र में दी जा रही आपको नौकरी की जरूरत है सम्पर्क करें- 8873762120 **(589)**

**आवश्यकता है-** उमा एजेंसी में कार्य करने हेतु अनुभवी सप्लायर की आवश्यकता है, संपर्कः- उमा एजेंसी देवरीखुर्द जे बी एस स्कूल के सामने बिलासपुर 9644436669 **(237)**

## बेचना

**बेचना है-**महाराणा प्रताप चौक सांई बाबा हॉस्पिटल के पास 2BHK मकान 22×45 ईस्ट फेसिंग 55लाख में बेचना है लोन सुविधा उपलब्ध सम्पर्क करें- 8461997770, 93299 40681 **(38366)**

**बेचना है-**दुकान बेचना/ किराया बिलासपुर शहर के हृदय स्थल रामा मैग्नेटो माल रोड वीआर प्लाजा, प्रथम तल में 205 वर्गफुट सर्वसुविधा युक्त दुकान बेचना है/ किराए से देना है सम्पर्क करें- 93030 99090, 9713013010 **(38525)**

**बेचना है-** 7500 वर्गफुट का पक्का लेंटर वाला गोदाम, रायपुर मेन रोड, कृष्णा केमिकल्स के आगे, त्रिवेणी डेंटल कॉलेज के सामने, एक एकड़ जमीन में बना। ऑफिस, बाथरूम, बिजली, पानी, स्टाफ रूम, गार्ड रूम, चारों तरफ पक्की बाउंड्री सहित। सम्पर्क करें- 8720024000 **(38540)**

Medicare Specialists
इसे जरूर पढ़िये और समझिये
● इसे नजर अंदाज कर छणिक इलाज से रोग को दबा कर अपने जीवन को संकट में मत डालिए तुरंत खून की जाँच कराए।
● क्या आप को किसी प्रकार के वायरल या संक्रमण रोग हैं। जैसे हर्पिस रोग, स्त्री-पुरुष के गुप्तांग में दाने, फुंसी, छाले, चमड़ी का फटना, खुजली लाल होना, पेशाब में जलन या पीब आना, पेट के दाहिने तरफ दर्द हो तो यह हर्पिस रोग, हेपाटाइटिस (ABC), सिफलिस, गोनोरिया (सूजाक), रुबेला या एच.आई.वी. (HIV, AIDS) रोग हो सकता है। ये लक्षण इसके प्रारंभिक संकेत हैं।
● क्या आपको किसी भी प्रकार का लाईलाज चमड़ी रोग हैं सोरायसिस सिर एवं शरीर से तांबे रंग के छिलके, खुजली, रूसी, जोड़ो में दर्द, सुजन अंगुलियों का टेढ़ा होना, नाखूनो का सड़ना पुराना एक्जिमा रोग हैं।
● क्या आप किसी प्रकार के यौन समस्या, यौन कमजोरी व यौन रोग से परेशान हैं जैसे: शीघ्रपतन, स्वप्नदोष, पेशाब से धातु जाना, उत्तेजना की कमी, मधुमेह जन्य नपुंसकता इत्यादि।
ध्यान रहे पुरुष के प्रकृति जन्य लिंग (इन्द्रिय) को बड़ा मोटा करने का आज तक कोई भी उपाय नहीं हैं। नीम हकिमो से सावधान। इन बीमारियों का स्थायी ईलाज इम्युनों थैरिपी पर आधारित केवल रस -रसायन में ही है।
वायरो रिसर्च एन्ड स्किन केयर क्लिनिक आई.एस.ओ. सर्टिफाईड
सुविख्यात चिकित्सक डॉ. एच. सी. अग्रवाल (एम.डी.) निशांत अग्रवाल (फार्मा सांईटिस्ट)
रेल्वे स्टेशन रोड, स्वरूप टॉकीज के सामने बजाज गोल्ड फाइनेंस के पीछे दुर्ग
मोबाईल नं.- 9425555659 9617789223, 9303242200
गुरूवार अवकाश, मिलने का समय : शाम 4 से 8

**सूचना**

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पूर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक, कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

**CLASSIFIED RATE CARD**
01 अप्रैल 2025 से लागू
हरिभूमि समाचार ही नहीं, विचार भी

| EDITION | Appointment | Service/ Business | Property Rent & Sale | Display |
|---|---|---|---|---|
| Raipur City | 500 | 620 | 550 | 175/- Sqcm |
| Bhilai+Durg Edition | 440 | 560 | 520 | 150/- Sqcm |
| Bilaspur City | 440 | 500 | 520 | 140/- Sqcm |
| Raipur All Edition | 720 | 820 | 800 | 240/- Sqcm |
| Bilaspur All Edition | 610 | 780 | 690 | 195/- Sqcm |
| All CG | 1000 | 1150 | 1120 | 310/- Sqcm |
| All CG+MP | 1280 | 1750 | 1600 | 330/- Sqcm |
| All Edition | 1700 | 2100 | 2000 | 380/- Sqcm |

WANTED Display Scheme 2+1, 3+2, 5+4
COLOUR 20% Extra Charge For Disply

**SCHEME**
(Running) 3+1, 5+2, 10+6, 20+14, 30+25, 50+50
Display 2+1, 5+3, 10+7, 15+15, 20+25
1. Pick of the day 15% extra.
2. Rs. 70/- per day extra charge for bold advt.
3. Box Prise per day Rs. 80/-
4. 20% per day extra charge for colour advt.
5. After 30 words Rs. 10/- per day per extra word charge.
6. For E-mail Id Rs. 50/- Extra per day.
7. Business & Services- ASTROLOGY, SMS & Others.
8. NO SCHEME FOR TOWER & FINANCE AD
9. SINGLE DAY BOOKING 100 Rs. EXTRA.

ADVT. Booking Time 10.30 am to 4.00 pm.
5% GST For All Ad

**EDUCATION SPECIAL-** Fix Size 10x3 Scheme

| EDITION | RATE | Scheme |
|---|---|---|
| Raipur City | 3000 | 2+1 |
| Bhilai + Durg Edition | 2800 | 5+3 |
| Raipur Edition | 4400 | 10+10 |
| Bilaspur City | 2500 | 15+18 |
| Bilaspur Edition | 3800 | |
| All CG | 5500 | |

**MATRIMONIAL CG+MP**

| (Runing Matter) | (Size 5x1 Box) |
|---|---|
| 500/- 1 Sunday | 800/- 1 Sunday |
| 900/- 2 Sunday | 1200/- 2 Sunday |
| 1200/- 3 Sunday | 1500/- 3 Sunday |

**HEALTH CARE** 10X1 FIX SIZE

| | (30 Days) | (60 Days) | (90 Days) |
|---|---|---|---|
| Raipur City | 55000 | 85000 | 1,10,000 |
| Bilai + Durg Edition | 50000 | 80000 | 1,00000 |
| Bilaspur City | 40000 | 70000 | 1,00000 |
| Raipur All Edition | 70000 | 1,20,000 | 1,60,000 |
| Bilaspur All Edition | 55000 | 1,00000 | 1,20,000 |
| All CG | 1,10,000 | 1,80,000 | 2,30,000 |

CONTACT:- HARI BHOOMI PRESS
Dhamtari Road, Tikarapara, Raipur Ph.: 0771-4242242, Mob.: 09098138778 E-mail- response.haribhoomi@gmail.com
Ring Road-2, Gourav Path Marg, Bilaspur. Mob.: 9826782100 E-mail- hbclassified375@gmail.com

**हरिभूमि में लघु विज्ञापन देने हेतु सम्पर्क करें**

- जिला कार्यालय कोरबा:- बी.ब्लॉक, कॉमर्शियल कामलेक्स, ट्रांसपोर्ट नगर, जिला कोरबा (छ.ग.) मो. 9644018888, 7581808267
- जिला कार्यालय मुंगेली:- थाना के सामने गली, गोल बाजार, जिला- मुंगेली (छ.ग.) मो. 9303508230
- शिवम एड एजेंसी & पब्लिसिटी:- मो. 9993567380, 8770837744
- एड प्रयास:- मो. 9826701269, 9926003943
- श्यामनानी एडवरटाईजर्स:- मो. 9827168452, 9300625174
- रिद्धीसिद्धी एडवरटाइजर्स & पब्लिसिटी:- मो. 9826129386, 8319503386
- जे.जे. एडवरटाइजर्स:- मो. 9300659628
- भार्गव एडवरटाइजर्स:- मो. 9827167997
- श्रीसिद्धि विनायक एडवरटाइजर्स:- मो. 9826705603
- एम.जी.आर. एडवरटाइजर्स:- मो. 9827180896, 9131155033
- रौनक पब्लिसिटी:- मो. 9300328290, 9981658490
- श्री श्याम पब्लिसिटी:- मो. 9425540759
- अमित पब्लिकेशन:- मो. 9826304304, 9827124304
- विप्रा विज्ञापन सेवा:- मो. 9302462506
- माधवास & कम्पनी:- मो. 9977185123, 9893115084
- बालाजी एडवरटाइजर्स:- मो. 9827466133, 9907047586

# अब संसदीय सचिव और निगम, मंडल, आयोग में बची कुर्सियों पर नजरें

हरिभूमि न्यूजः रायपुर

प्रदेश सरकार के मंत्रिमंडल विस्तार और भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष किरण देव की नई कार्यकारिणी के ऐलान के बाद अब जहां विधायकों की नजरें संसदीय सचिवों के पदों पर हैं, वहीं निगम, मंडल और आयोग में बचे पदों को लेकर भी भाजपा नेता इंतजार कर रहे हैं। मुख्यमंत्री के विदेश प्रवास से लौटने के बाद इन पर अगले माह नियुक्तियां होने की संभावना है।

प्रदेश में भाजपा की सरकार बनने के बाद करीब सवा साल बाद प्रदेश सरकार ने 34 निगम, मंडलों के 36 पदों पर भाजपा नेताओं की नियुक्तियां अप्रैल में की। इनमें से आधा दर्जन नेताओं के पदों पर पेंच भी फंसा गया था, ऐसे में इनका पदभार संभालना मुश्किल हो गया, तो अततः प्रदेश सरकार ने इनको दूसरे निगम, मंडल में कुर्सी देने का काम किया है। इसके बाद एक केश शिल्पी बोर्ड की अध्यक्ष मोना सेन को छोड़कर सभी ने पदभार भी संभाल लिया है।

**मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के विदेश प्रवास से लौटने के बाद अगले माह नियुक्तियां होने की संभावना**

### इनमें नियुक्ति अभी बाकी

जिन निगम, मंडलों में अभी नियुक्ति बाकी है उनमें मार्कफेड, लघु वनोपज सहकारी संघ, फिल्म विकास निगम, मत्स्य महासंघ, हथकरघा विकास एवं विपणन सहकारी संघ, सिंधी अकादमी और सहकारी संघ शामिल हैं। इसी के साथ पांच जिलों के सहकारी केंद्रीय बैंक और चार शक्कर कारखानों में भी अध्यक्ष की नियुक्ति की जानी है। इसके अलावा रायपुर विकास प्राधिकरण, गृह निर्माण मंडल जैसे निगम, मंडलों में उपाध्यक्षों के साथ सदस्यों के पद भी खाली हैं। इनकी संख्या भी डेढ़ दर्जन से ज्यादा है। इनमें भी नियुक्ति को लेकर प्रदेश सरकार का प्रदेश संगठन के प्रदेश और राष्ट्रीय नेताओं के साथ मंथन हो चुका है। संभावना है कि मुख्यमंत्री श्री साय के विदेश प्रवास से लौटने के बाद इनमें नियुक्तियां हो सकती हैं।

### संसदीय सचिवों की नियुक्ति भी होगी

प्रदेश में भाजपा सरकार के मंत्रिमंडल का लंबे इंतजार के बाद मुख्यमंत्री श्री साय के विदेश प्रवास पर जाने से पहले विस्तार हो गया है। प्रदेश सरकार ने तीन नए मंत्री बनाए हैं। मंत्रिमंडल में जिनको स्थान नहीं मिल सका है, उन नए विधायकों की नजरें अब संसदीय सचिवों के पदों पर हैं। संसदीय सचिवों को लेकर भी मुख्यमंत्री श्री साय का राष्ट्रीय नेताओं के साथ मंथन हो चुका है। संभावना है कि उनके विदेश प्रवास से लौटने के बाद संसदीय सचिवों के पद पर भी नियुक्तियां हो सकती हैं।

## केंद्रीय वनमंत्री से कश्यप ने की भेंट, बस्तर में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने पर जोर

**रायपुर।** प्रदेश के वनमंत्री केदार कश्यप एक दिवसीय दिल्ली प्रवास पर हैं, जहां उन्होंने ने छत्तीसगढ़ के विकास और उन्नति को लेकर केंद्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव से सौजन्य भेंट की। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा हुई। वहीं नक्सलमुक्त बस्तर में आदिवासियों के सर्वांगीण विकास, वन आधारित रोजगार व इको टुरिज्म को लेकर चर्चा की है। मंत्री केदार कश्यप ने बताया कि बस्तर जिला नक्सल मुक्त हो चुका है। वहां के आदिवासियों, युवक युवतियों को स्वरोजगार से जोड़ना बहुत आवश्यक है। उन्होंने कहा, बस्तर सार्वधिक वन अच्छादित क्षेत्र है, जहां वन आधारित उद्योग स्थापित कर युवाओं को रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

वित्तीय सेवाएं विभाग
DEPARTMENT OF FINANCIAL SERVICES

इंडियन बैंक Indian Bank
इलाहाबाद ALLAHABAD

3 महीने
वित्तीय समावेशन संतृप्ति अभियान
(1 जुलाई 2025-30 सितंबर 2025)

देश भर में कुल 2.7 लाख शिविर

प्रत्येक ग्राम पंचायत में कम से कम एक शिविर

शिविरों में दी जाने वाली सुविधाएं

- शून्य शेष राशि पर पीएमजेडीवाई खाता खोलना, कोई शुल्क नहीं और ₹2 लाख के दुर्घटना बीमा के साथ निःशुल्क डेबिट कार्ड
- PM Jeevan Jyoti Bima Yojana — केवल ₹436 प्रति वर्ष के प्रीमियम पर 2 लाख के जीवन बीमा कवर के लिए पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना में नामांकन (पात्रता: 18-50 वर्ष)
- PM Suraksha Bima Yojana — केवल ₹20 प्रति वर्ष के प्रीमियम पर ₹2 लाख के दुर्घटना बीमा कवर के लिए प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना में नामांकन (पात्रता: 18-70 वर्ष)
- Atal Pension Yojana — ₹1000 से ₹5000 प्रति माह तक की गारंटीकृत पेंशन के लिए अटल पेंशन योजना की सदस्यता (पात्रता: 18-40 वर्ष)
- 10 या उससे अधिक वर्ष पहले खोले गए बचत खातों और पीएमजेडीवाई खातों तथा निष्क्रिय खातों के लिए भी पुनः केवाईसी करवाएं।
- डिजिटल धोखाधड़ी से खुद को कैसे बचाएं और RBI द्वारा दावा न किए गए जमा में स्थानांतरित धन का दावा कैसे करें, इस बारे में जानकारी प्राप्त करें

अधिक जानकारी के लिए कृपया अपनी निकटतम बैंक शाखा / बीसी से संपर्क करें

इस मुहिम में शामिल हों। इसका प्रचार-प्रसार करें। बीमा करवाएँ
जनसुरक्षा योजना नामांकन, खाता खोलने, पुनः केवाईसी और धोखाधड़ी की रोकथाम के लिए प्रत्येक पंचायत में शिविर पर जाएँ।
बैंक आपके दरवाजे पर लाभ उठाएँ

न्यायालय आयुक्त बिलासपुर संभाग, बिलासपुर (छ.ग.)

**नोटिस**

प्रकरण प्रमांक 202408990100128/ अ-6/2023-24

**मौजा बम्हनीडीह तहसील-बम्हनीडीह जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.)**

समद्वाराम सतनामी निवासी ग्राम बम्हनीडीह जिला जांजगीर-चांपा..........आवेदक **बनाम** सौखीलाल वगैरह निवासी ग्राम बम्हनीडीह जिला जांजगीर-चांपा.......................... अनावेदक

**प्रति,**

1. भरतलाल यादव पिता भर्रा उर्फ धनसाय 2. गंगा बाई यादव पति भागवत यादव, 3. संतोषी बाई पति मुन्ना यादव, 4. सियाराम पिता जोहन सतनामी, 5. नानबाई पति हरिराम सतनामी, 6. श्यामबाई पति उदे सतनामी, 7. जमुनाबाई पति छतराम सतनामी, 8. सिया बाई पति पंचाराम सतनामी 9. साहिनबाई पिता जोहन सतनामी, सभी निवासी ग्राम बम्हनीडीह तहसील बम्हनीडीह जिला जांजगीर-चांपा

इस न्यायालय में विचाराधीन प्रकरण क्रमांक 20240890100128/ अ-6/2023-24 मौजा-बम्हनीडीह तहसील-बम्हनीडीह जिला-जांजगीर-चांपा (छ.ग.) पक्षकार सौखीलाल बनाम समझराम जो अनुविभागीय अधिकारी (रा.) चांपा के प्रकरण कमांक 37/अ-6अ/2016-17 में पारित आदेश दिनांक 6/7/2022 के विरुद्ध प्रस्तुत है. में आप उत्तरवादीगण के रूप में पक्षकार है। उपरोक्त प्रकरण में सुनवाई हेतु पेशी दिनांक 8/9/2025 नियत है।

अतः उपरोक्त अपील प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 8/9/2025 को सुबह 11.00 बजे आप स्वयं उपस्थित होकर अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से अपना पक्ष प्रस्तुत्त करें। प्रश्नाधीन प्रकरण में उपरोक्त सुनवाई तिथि में अनुपस्थित रहने पर आपके विरुद्ध एकपक्षीय कार्यवाही करते हुये प्रकरण का निराकरण किया जायेगा। यदि किसी कारण से पेशी दिनांक को इस न्यायालय में अवकाश घोषित या कार्य स्थगित हो जाता है तो प्रकरण की सुनवाई अगले कार्य दिवस को की जावेगी।

आज दिनांक 19/8/2025 की मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की सीलमुद्रा से जारी किया गया।

**सील**

**आयुक्त**
**बिलासपुर संभाग, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)**

# शराब घोटाले में ईओडब्ल्यू ने 8000 पन्नों का पेश किया एक और पूरक चालान

## विजय भाटिया को कमीशन के रूप में 14 करोड़ रुपए मिले

हरिभूमि न्यूजः रायपुर।

छत्तीसगढ़ के बहुचर्चित शराब घोटाला मामले में राज्य आर्थिक अपराध अन्वेषण ब्यूरो रायपुर (ईओडब्ल्यू) ने मंगलवार को विशेष कोर्ट में आठ हजार पन्नों का 6वां पूरक चालान पेश किया। इस चालान में बताया गया है कि जेल में बंद ब्रेवरेज कंपनी से जुड़े विजय कुमार भाटिया के साथ सप्लायर कंपनियों से जुड़े संजय मिश्रा, मनीष मिश्रा एवं अभिषेक सिंह ने कमीशन के रूप में करोड़ों रुपए कमाए हैं। इनमें 14 करोड़ रुपए विजय भाटिया को मिले हैं, वहीं संजय, मनीष एवं अभिषेक को 11 करोड़ रुपए मिले हैं।

- **नेक्सजेन पॉवर इंजिटेक प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के संजय, मनीष एवं अभिषेक को मिले 11 करोड़**

ईओडब्ल्यू ने चालान में खुलासा किया है कि तीनों कंपनियां ओम सांई ब्रेवरेज प्रालि. अतुल सिंह और मुकेश मनचंदा की थीं, जिसमें राजनैतिक प्रेरित व्यक्ति विजय भाटिया को कंपनी में छुपा हुआ लाभार्थी बनाया गया था। कंपनी के लाभ का 60 प्रतिशत हिस्सा सिंडीकेट को दिये जाने के बाद शेष 40 प्रतिशत हिस्से में से 52 प्रतिशत हिस्सा विजय भाटिया का होता था। विजय भाटिया ने अपनी जगह पर कुछ अन्य लोगों को कंपनी में डमी डायरेक्टर बनाया और कंपनी से वेतन के रूप में तथा 16 से अधिक खातों में कंपनी से अपने लाभ के हिस्से को प्राप्त किया। इस तरह भाटिया ने इस व्यवस्था के तौर पर 14 करोड़ रुपए प्राप्त किए थे। ईओडब्ल्यू की जांच के अनुसार जिन तीन कंपनियों को लाइसेंस दिया गया था, उनमें एक अन्य कंपनी नेक्सजेन पॉवर इंजिटेक प्रा.लि. है। इस कंपनी का वास्तविक स्वामी संजय मिश्रा था जो चार्टर्ड एकाउंटेट होने के साथ शासकीय शराब दुकानों के ऑडिट के कार्य से जुड़ा था।

### सिंडिकेट बनाकर कमीशनखोरी का हुआ था खेल

ईओडब्ल्यू ने विशेष न्यायालय रायपुर में चालान शीट पेश किया। इस चालान शीट में ईओडब्ल्यू ने उल्लेख किया है कि उनकी जांच विदेशी शराब पर लिए गए कमीशन पर आधारित है। इससे पूर्व जांच में ईओडब्ल्यू ने चालान शीट में उल्लेख किया था कि घोटाला करने आबकारी विभाग में एक सिंडीकेट सक्रिय था, जिसमें प्रशासनिक अधिकारी अनिल टूटेजा, अरुणपति त्रिपाठी, निरंजन दास के साथ अनवर ढेबर, विकास अग्रवाल, अरविंद सिंह आदि शामिल थे। इनके नियंत्रण में विभाग में कमीशनखोरी की अवैध गतिविधियां हो रही थीं। चालान शीट में यह भी उल्लेख है कि शासकीय शराब दुकानों में बिक्री किये जा रहे शराब की सप्लाई पर प्रतिपेटी कमीशन, शराब सप्लायरों को मार्केट शेयर के लिए कमीशन, डिस्टलरियों में अतिरिक्त शराब का निर्माण कर शासकीय शराब दुकानों में भेजकर उसकी बिक्री कर, बिक्री रकम को अलग से एकत्र करने के साथ विदेशी शराब की सप्लाई व्यवस्था में भी सिंडिकेट ने कमीशन लेने के लिये एक अलग व्यवस्था बनाई थी।

### 10 प्रतिशत मार्जिन लाभ का दो हिस्सों में होता था बंटवारा, 3 कंपनियों को तीन साल तक दिया टेंडर

चालान शीट में यह भी बताया गया है कि वर्ष 2020-21 से पहले विदेशी शराब सप्लायरों से आबकारी विभाग का ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन शराब खरीदकर उसमें शुल्क/ड्यूटी जोड़कर छत्तीसगढ़ स्टेट मार्केटिंग कॉर्पोरेशन की शासकीय शराब दुकानों के माध्यम से शराब की फुटकर बिक्री कर लाभ अर्जित करता था, जो शासकीय खजाने में जमा होता था, लेकिन नई आबकारी नीति के तहत खरीदार की भूमिका में ब्रेवरेज कॉर्पोरेशन को किनारे कर तीन प्राइवेट कंपनियों को एफएल-10ए का लाइसेंस दिया गया। जिन्हे लाइसेंस दिया गया वे सिंडीकेट के करीबी व राजनैतिक संरक्षण प्राप्त व्यक्ति थे। यह लाइसेंसी कंपनियां विदेशी शराब सप्लायरों से शराब की खरीदी कर उसमें 10 प्रतिशत का मार्जिन जोड़कर मार्केटिंग कॉर्पोरेशन को शराब बिक्री करती थीं। इस 10 प्रतिशत के मार्जिन लाभ का बंटवारा दो हिस्सो में होता था। तीन साल की अवधि में इन्हीं तीन कंपनियों को टेंडर दिया जाता रहा।

Ground Se Terrace Tak
Pura Space Aapka
RIGHT AT THE CENTER OF RAIPUR

Our unique **'Ground to Terrace'** concept allows you to use every inch of your space right from the ground floor to terrace as per your needs.. so that your business soars high.

Hi-tech, Spacious & Elegant **Commercial Spaces** with all the modern amenities.

ARIHANT Arcade
Joy of doing business

BESIDE SHYAM MARKET, PANDRI CLOTH MARKET, PANDRI, RAIPUR

- Atul Palliwal - 8889220007
- Jethanand Parwani - 7000144883
- Ramkrishna Naidu, Jagdalpur - 8319745482
- Vikas Kotwani, Tilda - 9827962323
- Subhash Bajaj - 9827112800
- Mahendra Singh Hora - 9826115846
- Honey Arora, Jagdalpur - 9425261162
- Pappu Sahu, Mahasamund - 8319923005
- Abhash Sharma - 9977956214
- Vicky Ratnani - 9301780918
- Golu Sharma, Dhamtari - 9827194300
- Sunny Chhabda, Kawardha - 8349347171

SCAN FOR LOCATION
MAHESHWARI

# दुनिया में अनोखी! एक पत्थर से तराशी गईं गणपति की जुड़वा मूर्तियां

जगदलपुर/दंतेवाड़ा। छत्तीसगढ़ का दंतेवाड़ा जिला अपनी धार्मिक और ऐतिहासिक धरोहरों के लिए भी पूरे विश्व में विख्यात है। बारसूर गांव में एक ही स्थान पर 147 प्राचीन मंदिर मौजूद हैं। इन मंदिरों में भगवान शिव, विष्णु, पार्वती और गणेश की अद्भुत प्रतिमाएं स्थापित हैं। खासकर जुड़वा गणेश की प्रतिमा, जिसे देखने के लिए देश-विदेश से लोग पहुंचते हैं।

### जुड़वा गणेश

बारसूर गांव को देवनगरी कहा जाता है, क्योंकि यहां रियासत काल में 147 मंदिर और 147 तालाब थे। आज भी यहां के मंदिर इतिहास और आस्था का संगम पेश करते हैं। इस देवनगरी में विश्व की तीसरी बड़ी भगवान गणेश की प्रतिमा है। जिसे जुड़वा गणेश कहा जाता है।

### जुड़वा गणेश की अद्भुत प्रतिमा

बारसूर का गणेश मंदिर विश्वभर में प्रसिद्ध है। यहां एक ही पत्थर पर बनी जुड़वा गणेश की प्रतिमा है, जो हजार साल पुरानी बताई जाती है। यह प्रतिमा दुनिया की पहली और एकमात्र जुड़वा गणेश प्रतिमा है।

### विशालकाय गणेश मूर्तियां

मंदिर में भगवान गणेश की दो प्रतिमाएं हैं। एक 7.5 फीट ऊंची और दूसरी 5.5 फीट ऊंची। दोनों प्रतिमाएं मोनोलिथिक हैं, यानी इन्हें एक ही विशाल पत्थर से गढ़ा गया है। इसे दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी गणेश प्रतिमा माना जाता है।

### चित्रलेखा की भगवान गणेश के प्रति आस्था

कहा जाता है कि 11वीं शताब्दी में बस्तर के नागवंशी शासक राजा बाणासुर ने यह प्रतिमा बनवाई थी। यह उनकी बेटी उषा और मंत्री कुभांडु की बेटी चित्रलेखा की भगवान गणेश के प्रति आस्था का प्रतीक है।

### श्रद्धालु

इस गणेश चतुर्थी पर जुड़वा गणेश मंदिर श्रद्धालुओं और पर्यटकों के लिए खास आकर्षण का केंद्र रहेगा। बस्तर भ्रमण करने वाले पर्यटक यहां आकर इस अनोखी प्रतिमा और मंदिर की भव्यता का अनुभव जरूर करते हैं।

**रोचक खबरें**

## ऑस्ट्रेलिया में मिला 1.6 करोड़ साल पुरानी मकड़ी का जीवाश्म

**सिडनी।** पूर्वी ऑस्ट्रेलिया में एक दूर-दराज की जगह पर वैज्ञानिकों की एक टीम ने बहुत ही पुरानी मकड़ी का जीवाश्म खोजा है। इसे जिस तरह से बचाया गया है और इसका आकार इतना खास है कि इसने वैज्ञानिकों के इस महाद्वीप पर मकड़ियों के विकास को देखने का नजरिया ही बदल दिया है। यह मकड़ी डायनासोर के खत्म होने के बहुत बाद तक जिंदा रही। इसकी बनावट इतनी शानदार है कि इसकी तुलना ऐसे शिकारी से की जा रही है, जो पुराने समय में बड़े-बड़े जीवों के बीच भी रह सकता था।

यह जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स के मैकग्राथ्स फ्लैट में मिला है और यह नई प्रजाति कि ट्रैपडोर मकड़ी का है जिसका नाम मेगामोनोडोंटियम मैक्लुस्की है। यह मकड़ी 23 मिलीमीटर से भी ज्यादा लंबी है, जो ऑस्ट्रेलिया में पाई जाने वाली आज की मकड़ियों से 5 गुना बड़ी है। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह आस्ट्रेलिया में मिली अब तक की सबसे बड़ी जीवाश्म मकड़ी है। ऑस्ट्रेलिया में अब तक सिर्फ 4 मकड़ियों के ही जीवाश्म मिले हैं। वैज्ञानिकों का कहना है कि ये 1.1 से 1.6 करोड़ साल पहले मौजूद था।

### कैसा हुआ करता था ये इलाका?

यह जीवाश्म न्यू साउथ वेल्स में गुलगॉन्ग के पास मैकग्राथ्स फ्लैट नाम की जगह पर मिला है। इस जगह पर हाल ही में मायोसीन युग के कई जीवाश्म मिले हैं। आज इस क्षेत्र में खुले घास के मैदान हैं, लेकिन जब यह मकड़ी जिंदा थी तब यह हरा-भरा वर्षावन हुआ करता था। जीवाश्म विज्ञानी डॉ. मैथ्यू मैककरी ने बताया कि, ऐसे जीवाश्म सिर्फ एक-एक नमूना नहीं देते बल्कि पूरे जैविक का इतिहास बताते हैं।

## भीलवाड़ा में अनोखी परंपरा निभाई, अच्छी बारिश के बाद गधों को गुलाब जामुन की दावत!

**भीलवाड़ा।** भीलवाड़ा जिले में इस बार मानसून ने जमकर मेहरबानी दिखाई है। इंद्र देवता की कृपा से खेत-खलिहानों में हरियाली लौट आई है और किसानों के चेहरों पर मुस्कान खिल गई है। इसी खुशी को व्यक्त करने के लिए जिले के गंगापुर-सहाड़ा उपखंड क्षेत्र की ग्राम पंचायत महेंद्रगढ़ में ग्रामीणों ने एक अनोखी परंपरा निभाई है। अच्छी बारिश होने के बाद आभार जताने के लिए गांव में गधों को गुलाब जामुन की दावत दी गई हैं। इस आयोजन में बड़ी संख्या में ग्रामीण एकत्र हुए और गधों को सजाकर, तिलक लगाकर, माला पहनाकर व उनकी आरती उतारकर खुशियां बांटीं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने इस अद्भुत नजारे का आनंद लिया और तालियां बजाकर अपनी खुशी जाहिर की। ग्रामीणों ने बताया कि यह परंपरा बहुत पुरानी है, मान्यता है कि जब बारिश नहीं होती तो गधों को खास तौर पर याद किया जाता है और उन्हें दावत देकर खुश किया जाता है। कहा जाता है कि गधों के सम्मान से भगवान इंद्र प्रसन्न होते हैं और अच्छी बारिश होती है। यही कारण है कि ग्रामीणों ने संकल्प लिया था कि यदि गांव में झमाझम बरसात होगी तो गधों को गुलाब जामुन खिलाए जाएंगे।

## कोलंबिया में मिली इंसानों की 6000 साल पुरानी प्रजाति, डीएनए रिसर्च में चौंकाने वाला खुलासा

**बोगोटा।** कोलंबिया के वैज्ञानिकों ने बोगोटा के पास खुदाई में मिले प्राचीन अवशेषों के डीएनए की पूरी जांच करने के बाद इंसान की नई प्रजाति की खोज की है। इसके बारे में पहले कोई भी जानकारी मौजूद नहीं थी। वैज्ञानिकों ने इस समूह को चेकुआ नाम दिया है, जो करीब 6,000 साल पुराना है। इससे पहले कभी भी इनके जीन की पूरी जांच नहीं की गई थी। नेशनल यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट ने इस पर और कई सारी जानकारियां दी हैं। नेशनल यूनिवर्सिटी के जेनेटिक्स इंस्टीट्यूट की रिसर्चर डॉ. एंड्रिया कासा ने बताया, जब हमने इसकी तुलना अमेरिका के दूसरे हिस्सों से मिले जीवों से करना शुरु की को पता चला कि कुंडीबॉयसेन्स पठार पर मिले ये जीव एक ऐसे वंश के थे , जिनके बारे में अभी तक कोई जानकारी नहीं मिली थी, यह एक नया वंश है। चेकुआ में हुई इस खोज में 30 लोगों के अधूरे अवशेष और एक लगभग सही-सलामत खोपड़ी मिली है। इस समूह के 6 लोगों के डीएनए की जांच पूरी हो चुकी है, जिन्हें 1987 और 2003 के बीच अलग-अलग खोजों में मिले अन्य अवशेषों के साथ इस प्रोजेक्ट में शामिल किया गया था।

छत्तीसगढ़ का सर्वप्रथम
लेसर फेशियल
कम दरों में
चेहरे की झुर्रियां, दाग-धब्बे से छुटकारा पाएं, चेहरे में चमक लायें
कालड़ा प्लास्टिक कॉस्मेटिक सर्जरी एवं बर्न सेंटर
आर.के.सी. के सामने, जी.ई. रोड, चौबे कालोनी एवं गंगा डायग्नोस्टिक्स के उपर, कलर्स माल के पास, पचपेढ़ी नाका, रायपुर (छ.ग.)
9827143060
Ajay Advt.

# एआई से बनी लगती है दुनिया की सबसे दुर्गम लाइब्रेरी, चट्टान पर लगी हैं किताबें!

**बीजिंग।** इंसान जहां रहता है वहां सारी सुविधाएं भी चाहता है। वह चाहता है कि इन सुविधाओं के साथ उसे कुदरत का साथ भी मिले तो कितना अच्छा होगा। यही वजह है कि शहर यूं तो सुविधाओं से भरपूर होते हैं, फिर भी बहुत से लोग शहरों को पसंद नहीं करते हैं। वे कुदरत के समीप रहने के साथ ही शांति और एकांत भी चाहते हैं, जो उन्हें शहरों में नहीं मिल सकता है। लाइब्रेरी भी ऐसी जगह है जहां लोग शांति से पढ़ना चाहते हैं और वहां दुनिया की हर किताब पढ़ने को मिल सके। फिर भी ज्यादा से ज्यादा लोगों की पहुंच बनी रहे लाइब्रेरी बहुत दूर या एकांत में नहीं बनाई जाती है। पर चीन के गुआंक्सी प्रांत के मियानहुआ गांव के पास स्थित मियानहुआ लाइब्रेरी एक अनोखा पुस्तकालय है, जिसे चट्टान की दीवार में बनी एक बड़ी गुफा में बनाया गया है।

### अलग ही नजारा दिखता है बाहर से

यहां पहुंचने से पहले आपको बिल्कुल भी अहसास नहीं होगा कि आप किसी लाइब्रेरी में जा रहे हैं। बाहर से देखने पर आपको लगेगा कि चट्टानों पर लटकने वाले लकड़ी के रास्ते और बालकनियां बनाई गई हैं। लेकिन, अंदर पहुंचने के बाद हालात बिल्कुल ही अलग नजर आते हैं। आपको दीवार पर हजारों की संख्या में किताबें ही किताबें रखी नजर आती हैं।

### खासे रखरखाव की जरूरत

दिलचस्प बात ये है कि लाइब्रेरी पूरी तरह से गुफा के अंदर नहीं है। इसके चट्टान की तरफ के रास्ते और किताबें रखने की जगहों को मौसम, खास तौर से नमी ने बचा कर रखना होता है। किताबों को खास तौर से नम हवा से बचाने में मशक्कत करनी होती है। यहां तक कि तापमान भी कायम रखना होता है।

### इसी साल खुली है ये लाइब्रेरी

खास बात ये है कि ये लाइब्रेरी इस साल मई में खुलने के बाद से ही चीनी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है। आमतौर पर लाइब्रेरी ऑनलाइन चर्चा का विषय नहीं बनतीं, लेकिन यह साधारण लाइब्रेरी नहीं है। यह न केवल पुस्तक प्रेमियों के लिए आकर्षण का केंद्र है, बल्कि उन यात्रियों के लिए भी खास जगह है जो मनमोहक नजारों की तलाश में रहते हैं।

### टूरिस्ट प्लेस के तौर पर ज्यादा मशहूर

ऐसा नहीं है कि यह चट्टान किसी शहर में या शहर के पास है। मजेदार बात ये है कि ये पूरी तरह से ग्रामीण इलाके में बनी है। स्थानीय लोग तो इस लाइब्रेरी में तो आ सकते हैं, लेकिन यह लाइब्रेरी पुस्तकालय के रूप में नहीं, बल्कि एक टूरिस्ट प्लेस के तौर पर ज्यादा मशहूर हो रही है। यहां चीन के कोने-कोने से लोग आते हैं और यहां के कुदरती नजारे उन्हें निराश भी नहीं करते हैं।

### एआई का नहीं है कमाल

जी हां, यहां आकर आप कुदरत के अनूठे नजारों का आनंद ले सकते हैं। दिलचस्प बात ये है कि हरी-भरी वादियों से घिरी ये लाइब्रेरी ऊंची चट्टान के किनारे बसा हुआ है। देखने में ऐसा लगता है मानो इसे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की मदद से बनाया गया है। लेकिन ,असल में यह चट्टानों को काट कर बनाई गई है।

## नींद में भी लाखों कमा रही महिला, सोता देखने के लिए लोग देते हैं रुपए

**ब्रासीलिया हवे।** आजकल पैसे कमाना काफी आसान है बस आपको कमाने का सही तरीका पता होना चाहिए। एक महिला सिर्फ नींद में लाखों कमा ले रही है। ये एक कंटेंट क्रिएटर और सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर है, जिसे सोता देखने के लिए लोग लाखों रुपए खर्च कर दे रहे हैं। महिला ने अब अपनी लाइफ के बारे में बताया है। आप भी कमाने का ये तरीका जानकर हैरान हो जाएंगे. आज के डिजिटल युग में सोशल मीडिया और इंटरनेट ने कंटेंट क्रिएशन को एक अलग ही आयाम दे दिया है। कभी सिर्फ मनोरंजन के लिए बनाई जाने वाली सामग्री अब करोड़ों की कमाई का जरिया बन चुकी है। इसी कड़ी में ब्राजील की एक 32 वर्षीय इन्फ्लुएंसर डेबोरा पिक्सोटो का नाम सामने आया है, जो अपनी अनोखी स्ट्रीमिंग के जरिए सुर्खियों में हैं। डेबोरा दावा करती हैं कि उनके फैंस उन्हें सिर्फ सोते हुए देखने के लिए पैसे चुकाते हैं। उनका कहना है कि लोग उन्हें रात भर सोते हुए लाइव देखने के लिए 84 पाउंड (लगभग 115 डॉलर यानी करीब 9,500 रुपए) तक खर्च करने को तैयार हैं। डेबोरा ने इसे अपना 'नाइट टाइम रियलिटी शो' नाम दिया है, जिसमें हर रात करीब 40 लोग उनके सोने का लाइव दृश्य देखते हैं।

### 9 हजार से ज्यादा रुपए करती है चार्ज

डेबोरा बताती हैं कि शुरू में उन्हें यह सब अजीब लगा, लेकिन धीरे-धीरे उन्होंने महसूस किया कि उनके दर्शकों को इसमें एक अलग तरह की शांति और अपनापन महसूस होता है। उनके मुताबिक, कई पुरुष उन्हें मैसेज भेजकर कहते थे कि उन्हें कुछ करने की जरूरत नहीं है, सिर्फ वहां खामोशी में मौजूद रहना ही काफी है।

# विज्ञान ने भी माना...हिमालयी जड़ी बूटियों में है बीमारियों का इलाज

**नई दिल्ली।** सदियों से आदिवासी हिमालय के औषधीय पौधों में पाई जाने वाली दवाई के तत्वों का इस्तेमाल इलाज के लिए करते आ रहे हैं। अब इस पुराने इलाज के तरीकों को वैज्ञानिकों की मान्यता मिल गई है। यह रिसर्च शूलिनी विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ बायोलॉजिकल एंड एनवायर्नमेंटल साइंसेज की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. राधा ने की है। उनकी रिसर्च एथनोफार्माकोलॉजी और केमिस्ट्री एंड बायोडायवर्सिटी जैसी बड़ी पत्रिकाओं में छपी है। इस रिसर्च से हिमालय की जनजातियों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले पारंपरिक तरीके सही साबित हुए हैं। यह अहम खोज बॉम्बैक्स सीबा के फूलों पर हुई है। आदिवासी समुदाय लंबे समय से इन फूलों का इस्तेमाल अस्थमा, बुखार, घाव और पाचन से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए करते आ रहे हैं।

### इन नतीजों से क्या साबित होता है?

सूजन को कम करने और कोशिकाओं को ठीक करने में असरदार इन तत्वों की वैज्ञानिक मान्यता मिलने से ये साबित होता है कि, इन फूलों का इस्तेमाल सांस से जुड़ी बीमारियों के इलाज के लिए खास तरह के खाने से लेकर सप्लीमेंट्स बनाने में भी किया जा सकता है। इसके अलावा एक जरूरी रिसर्च प्रिंसेपिया यूटिलिस नाम के पौधे पर की गई। इस पौधे का इस्तेमाल पारंपरिक तौर पर घाव भरने और त्वचा की देखभाल करने के लिए किया जाता है।

# महिलाओं के लिए बने 5 अजीबोगरीब कानून जो सुनने में आपको लग सकते हैं मजाक

**नई दिल्ली।** यमन देश के कानून में महिलाओं को 'आधा गवाह' माना जाता है। यानी कि यमन की अदालतें महिलाओं की गवाही को पूरा नहीं मानती। अगर इन्हें पुरुष का समर्थन ना मिले तो उनकी गवाही को गंभीरता से नहीं लिया जाता।

**पति की मर्जी के बिना नहीं मिलता तलाक:** इजराइल में जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, इजराइल में कानूनी अदालतें यहूदी कानून के आधार पर चलती हैं। यहां जो महिलाएं अपने पतियों से तलाक लेने की कोशिश करती हैं, उन्हें पहले अपने पति से मंजूरी लेनी होती है।

**पुरुषों के खेल से दूर:** ईरान में मौजूद इस्लाम धर्म गुरुओं के मुताबिक, महिलाओं को पुरुषों के खेल से दूर रहना चाहिए। जिस कारण यहां की महिलाएं मैदान में जाकर फुटबॉल मैच नहीं देख सकतीं।

**रूस :** महिलाओं को कुछ खास नौकरियां (जैसे मेट्रो ड्राइवर, जहाज के डेक पर काम, खतरनाक फैक्ट्री जॉब्स) करने की अनुमति नहीं थी, लेकिन 2021 में इन पर लगे कई प्रतिबंध हटाए दिए गए हैं।

**मशीन नहीं कर सकतीं ठीक:** पाकिस्तान में महिलाओं को मशीनों को ठीक करने की इजाजत नहीं है। यहां कानून बनाने वाले लोगों को ऐसा लगता है कि ये काम सिर्फ पुरुषों का है, इसलिए महिला को इससे दूर रहना चाहिए।

हरिभूमि कम्युनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक प्रियंक सिंह परिहार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, रिंग रोड नं. 2, गौरवपथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, रिंग रोड नं. 2, गौरव पथ, बिलासपुर (छत्तीसगढ़)-495001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक: प्रवीण शुक्ला। RNI No. CHHHIN/2001/03764, फोन : 07752-401050, फैक्स : 07752-401052. e-mail : bilaspur@haribhoomi.com